रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	30.9	24.4
जमशेदपुर	32.6	24.0
डालटनगंज	32.4	23.3

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

www.lagatar.in | रांची, गुरुवार 17 अक्टूबर 2024 ● आश्विन पूर्णिमा, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 2, अंक : 187 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

उमर अब्दुल्ला ने ली शपथ, जम्मू कश्मीर में नई सरकार

■ सुरिंदर चौधरी बने डिप्टी सीएम, कुल छह मंत्रियों ने ली शपथ ■ खरगे, राहुल-प्रियंका, अखिलेश समेत कई बड़े नेता हुए शामिल

एजेंसिया। श्रीनगर

नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के पहले मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली. उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में अब्दुल्ला और उनके मंत्रियों को शपथ दिलाई.

मेंढर से नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक जावेद अहमद राणा, रफियाबाद से जावेद अहमद डार, डीएच पोरा से सकीना इट्टू और नौशेरा से सुरिंदर कुमार चौधरी को भी एलजी सिन्हा ने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ दिलाई. सुरिंदर चौधरी डिप्टी सीएम बनाए गए हैं. चौधरी ने नौशेरा से भाजपा के रविंदर रैना को हराया है.

जम्मू कश्मीर के नए सीएम उमर अब्दुल्ला के साथ प्रियंका व राहुल गांधी.

छंब सीट से निर्दलीय विधायक सतीश शर्मा को उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में जगह दी गई. शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भी मौजूद रहीं. वहीं, नेकां प्रमुख फारूक अब्दुल्ला, केसी वेणुगोपाल, सुप्रिया सुले सपा प्रमुख अखिलेश यादव, पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती, आप नेता संजय सिंह, माकपा नेता डी राजा सहित इंडिया गठबंधन के अन्य नेता यहां मौजूद रहे. केंद्र शासित प्रदेश में 10 साल बाद विधानसभा चुनाव हुए हैं. कांग्रेस पार्टी ने उमर अब्दुल्ला की सरकार को बाहर से समर्थन देने का फैसला किया है.

कांग्रेस का सरकार से बाहर रहने का फैसला

जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख तारिक हमीद कर्रा ने कहा कि कांग्रेस फिलहाल जम्मू-कश्मीर सरकार में मंत्रालय में शामिल नहीं हो रही है. कांग्रेस ने केंद्र से जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने की जोरदार मांग की है, इसके अलावा प्रधानमंत्री ने भी कई बार सार्वजनिक बैठकों में इसका वादा किया है. लेकिन जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल नहीं किया गया है. हम नाखुश हैं इसलिए फिलहाल हम मंत्रालय में शामिल नहीं हो रहे हैं, राज्य कांग्रेस प्रमुख ने कहा और कहा कि कांग्रेस पार्टी राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए लड़ाई जारी रखेगी.

जम्मू-कश्मीर का नया मंत्रिमंडल

■ उमर अब्दुल्ला- मुख्यमंत्री, ■ सुरिंदर चौधरी- उपमुख्यमंत्री, ■ सतीश शर्मा- मंत्री, ■ जावेद राणा- मंत्री, ■ सकीना इट्टू- मंत्री, ■ जावेद अहमद डार- मंत्री एसके

पीएम नरेंद्र मोदी और राजनाथ ने दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) नेता उमर अब्दुल्ला को जम्मू-कश्मीर का नया मुख्यमंत्री बनने पर बधाई दी है. उन्होंने कहा कि केंद्र जम्मू-कश्मीर की प्रगति के लिए उनके और उनकी टीम के साथ मिल कर काम करेगा. पीएम मोदी ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर उमर अब्दुल्ला जी को बधाई. लोगों की सेवा के उनके प्रयासों के लिए उन्हें शुभकामनाएं.

नायब सैनी आज संभालेंगे हरियाणा की कमान

एजेंसियां। पंचकूला

▪ पीएम मोदी समेत एनडीए के कई बड़े नेता होंगे शामिल

हरियाणा के नए सीएम नायब सैनी होंगे. पंचकूला स्थित भाजपा दफ्तर में भाजपा विधायक दल की बैठक में बुधवार को उन्हें सर्वसम्मति से चुन लिया गया.

भाजपा के पर्यवेक्षक केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और एमपी के सीएम मोहन यादव बैठक में मौजूद रहे. विधायक दल की बैठक में अनिल विज और कृष्ण बेदी ने सैनी का नाम रखा था. सैनी गुरुवार को पंचकूला में शपथ लेंगे. शपथ ग्रहण समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी भी शामिल होंगे. बैठक के बाद सीएम नायब सैनी राज्यपाल से मिलने पहुंचे और सरकार बनाने का दावा पेश किया. अमित शाह ने कहा कि बैठक में एक ही प्रस्ताव मिला जो नायब सिंह सैनी के नाम का था. मैं उनका नाम घोषित करता हूं. नायब सैनी को बहुत बहुत बधाई देता हूं. वहीं मुख्यमंत्री सैनी ने एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि शपथ ग्रहण समारोह के साथ ही 24 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी दी जाएगी. गृहमंत्री अमित शाह रात को चंडीगढ़ के ललित होटल में रुकेंगे. गुरुवार को शपथ ग्रहण समारोह के बाद पीएम नरेंद्र मोदी हरियाणा राजभवन में मीटिंग लेंगे. -पेज 12 भी देखें

सर्राफा

सोना (बिक्री)	71,900
चांदी (किलो)	96,000

ब्रीफ खबरें

अलका होंगी झारखंड की नयी मुख्य सचिव!

रांची। सीनियर आईएएस अलका तिवारी को झारखंड का अगला मुख्य सचिव बनाया जा सकता है. भारत सरकार ने आईएएस अलका तिवारी को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से उनके मूल कैडर झारखंड में वापस करने का आदेश जारी किया है. इसके बाद यह अनुमान लगाया जा रहा है कि उन्हें मुख्य सचिव के पद पर पदस्थापित किया जा सकता है. अलका तिवारी 1988 बैच की आईएएस हैं. फिलहाल वह केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं.

27 अक्टूबर को होने वाली पीसीएस परीक्षा स्थगित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की पीसीएस परीक्षा 2024 स्थगित हो गई है. आयोग ने ऑफिशियल वेबसाइट uppsc.up.nic.in पर परीक्षा स्थगित होने की जानकारी साझा की है. यह परीक्षा 27 अक्टूबर, 2024 को निर्धारित थी. नयी तारीख जल्द ही आयोग की ऑफिशियल वेबसाइट पर ही साझा की जाएगी. परीक्षा दिसंबर में ली जा सकती है.

अपने रिटायर कर्मियों को फिर जॉब देगी रेलवे

नयी दिल्ली। रेलवे ने अपने रिटायर कर्मियों को खुशखबरी दी है. रेलवे ने बताया कि कर्मियों की कमी देखते हुए रिटायर कर्मियों को बार फिर से कॉन्ट्रैक्ट बेसिस पर नौकरी देंगे. जोन के जनरल मैनेजर को यह अधिकार होगा कि वो रिटायर्ड कर्मियों को नौकरी पर रख सकेंगे. हालांकि, ये एक कॉन्ट्रैक्ट बेसिस की जॉब होगी, जिसमें कोई कर्मी दो साल या 65 साल की आयु (जो भी पहले हो) तक ही नौकरी कर सकता है.

झारखंड विस चुनाव 2024

पार्टियों में टूट, उछल-कूद दलबदल के भी मिले संकेत

सीट शेयरिंग, प्रत्याशियों की घोषणा... सिर्फ कयास ही कयास

रवि भारती। रांची

झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर एक ओर जहां एनडीए में सीट शेयरिंग फाइनल हो चुका है, वहीं इस फोल्डर की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा ने अपने प्रत्याशियों की पहली सूची जारी करने की तैयारी कर ली है. उधर इंडी गठबंधन में सीट शेयरिंग के मामले को लेकर दिल्ली में बैठक हो रही है. कुछ सीटों पर जिच है, जिसे लेकर इंडी गठबंधन के शीर्ष नेताओं की बातचीत जारी है.

हालांकि न तो एनडीए में शामिल पार्टियों ने अपने प्रत्याशियों की आधिकारिक घोषणा की है और न इंडी गंठबंधन ने, लेकिन सोशल मीडिया पर दोनों गठबंधन की सीट शेयरिंग से लेकर प्रत्याशियों तक की सूची वायरल हो रही है. दोनों गठबंधन में सीट शेयरिंग को लेकर जो चर्चा सोशल मीडिया पर हो रही है, उसमें नेताओं के दल बदलने की बातों को भी जिक्र है. इनमें एनडीए के घटक आजसू के वैसे नेता, जिन्होंने पांच साल तक फील्ड में तैयारी कर रखी है, वे ज्यादा आहत हैं और दूसरी पार्टियों में राजनीतिक भविष्य तलाश रहे हैं. हालांकि इसकी जनकारी उस पार्टी के सुप्रीमो को भी है, लेकिन वे चाह कर भी कुछ कर पाने की स्थिति में नहीं हैं. वैसे उनकी पार्टी के एक-दो नेताओं के भाजपा में शामिल होने की भी सूचना तेजी से फैल रही है. लेकिन जबतक सीट शेयरिंग व प्रत्याशियों की आधिकारिक घोषणा नहीं हो जाती, तबतक कुछ कहा नहीं जा सकता. इन सब के बीच झारखंड पार्टी ने अपने पांच उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है. एनोस एक्का ने अपने बेटे को कोलेबीरा से चुनावी समर में उतारा है. भाजपा प्रत्याशियों की घोषणा एक-दो दिन में होने की संभावना है. दिल्ली से लौटे भाजपा अध्यक्ष की बातों से तो कुछ ऐसे ही संकेत मिले हैं.

उम्मीदवारी की घोषणा से पहले ही इधर-उधर होने लगे नेता

विधानसभा चुनाव में एनडीए और इंडी गठबंधन अपनी-अपनी तैयारी में जुटा है. एनडीएन में सीट शेयरिंग लगभ फाइनल हो चुका है. आजसू को 10, जदयू को दो और लोजपा के एक सीट पर चुनाव लड़ने की बात सामने आ रही है. लेकिन सीट शेयरिंग व प्रत्याशियों की कथित सूची सोशल मीडिया पर वायरल होने और सबके अपने-अपने दावे के बीच नेताओं के भी इधर-उधर उछल-कूद मचाने की जानकारी मिल रही है. आजसू के प्रधान महासचिव सह पूर्व मंत्री उमाकांत रजक के बारे में चर्चा है कि उनकी सीट भाजपा के खाते में चली गयी है, तो वे अब झामुमो के टिकट पर चुनाव लड़ने का मन बना चुके हैं. झामुमो इस पर सहमत है या नहीं, यह तो नहीं कहा जा सकता है, लेकिन जब शह-मात का खेल होगा, तो दोनों गठबंधन में शामिल दलों के दिग्गज एक-दूसरे को राजनीतिक पटकनी देने का कोई भी मौका चूकेंगे नहीं.

आजसू को जो सीटें मिली हैं, उनमें से कई पर उसका जनाधार नहीं : सीट शेयरिंग में आजसू को चार सीटें वैसी मिली हैं, जहां उसका जनाधार ही नहीं है. यानि उन सीटों पर जीत को लेकर संशय है. जहां उसके नेता अच्छी स्थिति में हैं और पूरी तैयारी कर रखी है, वैसी सीटें भाजपा के पास चली गयी हैं. ऐसे में संभव है आजसू के कुछ नेता या तो बागी रूख अपनाएंगे, गठबंधन के प्रत्याशी के खिलाफ ही चुनाव लड़ जाएंगे, या विपक्षी खेमे से हाथ मिला लेंगे,

भाजपा अपने पांच पूर्व सांसदों को मैदान में उतार सकती है

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, भाजपा की ओर से पांच पूर्व सांसदों को विधानसभा चुनाव में उतारने की तैयारी है. दुमका से सुनील सोरेन, बेरमो से रवींद्र पांडेय, जगन्नाथपुर से गीता कोड़ा, गुमला से सुदर्शन भगत और राजधनवार से बाबूलाल मरांडी के नाम शामिल हैं. हालांकि मरांडी अभी भी राजधनवार से ही विधायक हैं. अर्जुन मुंडा के चुनावी समर में उतरने के आसार कम ही हैं.

सीटों की अदला-बदली की भी चर्चा

जानकारी के अनुसार भाजपा सीटों की अदला-बदली भी कर सकती है. हटिया से भाजपा विधायक नवीन जायसवाल को रांची सीट से उम्मीदवार बनाया जा सकता है. वहीं हटिया सीट से अजयनाथ शाहदेव को चुनावी समर में उतार कर इंडी गठबंधन को झटका देने की रणनीति पर भी भाजपा काम कर रही है. सिर्फ किसी सीट से नहीं, बल्कि कुछ और सीटों पर भी भाजपा यह खल कर सकती है.

सोशल मीडिया पर प्रत्याशियों की तरह- तरह की सूची वायरल

एनडीए व इंडी गठबंधन में शामिल पार्टियों के प्रत्याशियों की तरह-तरह की सूची सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है. झामुमो की वायरल सूची में आजसू नेताओं के नाम भी शामिल हैं, वहीं एनडीए गठबंधन में शामिल भाजपा की सूची में कांग्रेस नेता के भी नाम शामिल हैं. वैसे अलग- अलग पार्टियों की अलग-अलग की तरह की सूची वायरल हो रही है. लेकिन आधिकारिक तौर पर किसी भी पार्टी या गठबंधन ने अपने प्रत्याशियों की सूची जारी नहीं की है.

देवघर : 70 हजार रिश्वत लेते सिविल सर्जन धराए

एसीबी की टीम पूछताछ के लिए ले गई दुमका

संवाददाता। रांची/देवघर

एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने देवघर के सिविल सर्जन को रंगेहाथ 70 हजार घूस लेते गिरफ्तार किया है. दुमका एसीबी की टीम ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए बेला बागान स्थित आवास से सिविल सर्जन को घूस लेते दबोचा. सिविल सर्जन ने अस्पताल से जुड़े एक काम की रिपोर्ट देने नाम पर घूस की मांग की थी. लेकिन वादी घूस देने को तैयार नहीं था.

इसके बाद वादी ने एसीबी से इसकी शिकायत की थी. एसीबी ने मामले का सत्यापन कराया, तो घूस मांगे जाने की बात सही पायी गयी. इसके बाद एसीबी ने सिविल सर्जन को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तारी के बाद एसीबी की टीम सिविल सर्जन को अपने साथ लेकर दुमका चली गयी.

प्रोविजनल प्रमाण-पत्र रेन्युअल के नाम पर मांगी घूस : एसीबी से किए शिकायत में मधुपुर में बंगाल नर्सिंग होम चलाने वाले आसनसोल निवासी महफूज आलम ने कहा कि साल 2020 में उन्होंने मधुपुर के कॉलेज रोड में दस बेड का अस्पताल खोला है. इनके नर्सिंग होम का नौ जून 2024 तक का प्रोविजनल प्रमाण-पत्र (सं0-203500021) था. जिसका रेन्युअल कराना था. इस बीच इनका गॉल ब्लाडर का ऑपरेशन हुआ था. जिसके कारण नर्सिंग होम संचालक ने 24 दिन की देरी से तीन जुलाई 2024 को प्रमाण-पत्र रेन्युअल का आवेदन सिविल सर्जन कार्यालय, देवघर को दिया.

लेकिन काफी दिन के बाद भी जब इनके आवेदन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई तो ये सिविल सर्जन डॉ. रंजन सिन्हा से मिले. सिविल नर्सिंग होम का प्रमाण-पत्र रेन्युअल कराने के नाम पर एक लाख रुपए घूस की मांग की थी.

गिरफ्तार सिविल सर्जन रंजन सिन्हा.

हर नौवें दिन एक गिरफ्तारी

जून से लेकर अब तक एसीबी की कार्रवाई में 15 अफसरों और कर्मियों को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है. 7 अक्टूबर को बोकारो के नावाडीह में पंचायत की मुखिया के पति को योजना में घूस लेने पर गिरफ्तार किया गया. सितंबर में हजारीबाग के प्रादेशिक परिवहन प्राधिकार कार्यालय में क्लर्क विकास कच्छप और लातेहार सदर हॉस्पिटल में फार्मासिस्ट परमानंद को पकड़ा गया. अगस्त में गढ़वा के कांडी हाई स्कूल की प्राचार्या विद्यानी बाखला और बड़कागांव की एक पंचायत की मुखिया और उनके, जुलाई में लोहरदगा आपदा प्रबंधन पदाधिकारी विभाकर, हजारीबाग में खासमहाल के कर्मी ओहदार तिर्की, लातेहार के बारियातू के एएसआई धीरेंद्र कुमार, जून में रांची के रातू थाने के दारोगा सत्येंद्र सिंह और रांची स्थित झारखंड मंत्रालय की सेक्शन ऑफिसर ममता एक्का आदि रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किए गए थे.

ट्रेंडिंग न्यूज

पटना

बिहार में जहरीली शराब से पांच लोगों की मौत

बिहार के सीवान और सारण जिलों में जहरीली शराब पीने से पांच लोगों की मौत हो गई और कई अन्य अस्पताल में भर्ती हैं. बताया गया कि कौड़िया वैसी टोला गांव में उल्टी, सिरदर्द और पेट दर्द जैसे लक्षणों के साथ लोगों को इलाज के लिए भगवानपुर स्थित स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया. इलाज के दौरान पांच लोगों की मौत हो गई.

दुबई

डिविलियर्स, कूक व नीतू हॉल ऑफ फेम में

आईसीसी ने एक बड़ा ऐलान किया है. उसने बुधवार को तीन नए दिग्गज क्रिकेटर्स को हॉल ऑफ फेम में शामिल किया है. इस बार ये सम्मान साउथ अफ्रीका के दिग्गज खिलाड़ी एबी डिविलियर्स, इंग्लैंड के एलिस्टर कूक के साथ भारतीय दिग्गज नीतू डेविड को मिला है.

नयी दिल्ली

वीआईपी सुरक्षा से हटेंगे एनएसजी कमांडो

केंद्र सरकर ने आदेश दिया है कि सभी वीआईपी सिक्योरिटी ड्यूटी से एनएसजी कंमाडो को हटा लिया जाए. क्योंकि इनका इस्तेमाल सिर्फ आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए किया जाएगा. जिन वीआईपी को बहुत ज्यादा खतरा है, उनकी सिक्योरिटी का कमान अब सीआरपीएफ के हवाले होगी.

कैबिनेट का फैसला किसानों और कर्मचारियों को केंद्र सरकार ने दिया दिवाली गिफ्ट

गेहूं, चना समेत रबी की छह फसलों पर बढ़ाया एमएसपी

एजेंसियां। नयी दिल्ली

किसानों को मोदी सरकार ने बुधवार को दिवाली पर बड़ा गिफ्ट दिया है. सरकार ने कैबिनेट की बैठक करके रबी फसलों की एमएसपी बढ़ा दी है. केंद्र सरकार ने 2025-26 सीजन के लिए रबी की 6 फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि की घोषणा की. इस फैसले के तहत अलग-अलग फसलों के एमएसपी में वृद्धि की गई है, जिससे किसानों को उनकी फसलों के बेहतर दाम मिल सकेंगे.

सरकार का यह कदम किसानों को उनकी फसलों के उचित मूल्य दिलाने के मकसद से उठाया गया है. केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, रबी फसलों की एमएसपी बढ़ाई गई है. किसानों के कल्याण से जुड़ा सबसे बड़ा फैसला लिया गया. सरकार की सोच स्पष्ट है और किसानों के कल्याण पर पूरा ध्यान है. रबी विपणन सत्र के लिए एमएसपी को मंजूरी दे दी गई है. इस प्रक्रिया में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है. सबसे बड़ी बात यह है कि कीमत लागत से 50% अधिक होनी चाहिए. किसानों के उत्थान के लिए एमएसपी में बढ़ोतरी की गई है.

काशी में बनेगा सबसे बड़ा ब्रिज : मंत्री ने बताया कि बनारस का मालवीय पुल 137 साल पुराना हो चुका है और नया पुल बनाने का फैसला हुआ है. अश्विनी वैष्णव ने कहा, नए पुल में निचले डेक पर 4 रेलवे लाइनें होंगी और ऊपरी डेक पर 6-लेन राजमार्ग होगा. यातायात क्षमता के लिहाज से यह दुनिया के सबसे बड़े पुलों में गिना जाएगा. यह 2,642 करोड़ रुपए की लागत से बनाया जाएगा.

नई अधिसूचना के अनुसार घोषित एमएसपी

- गेहूं का एमएसपी 2,425 प्रति क्विंटल कर दिया गया है, जो पहले 2,275 था.
- **जौ का एमएसपी 1,980 प्रति क्विंटल कर दिया गया है, जो पहले 1,850 था.**
- चना का एमएसपी 5,650 प्रति क्विंटल कर दिया गया है, जो पहले 5,440 था.
- **मसूर (लेंस) का एमएसपी 6,700 प्रति क्विंटल कर दिया गया है, जो पहले 6,425 था.**
- सरसों का एमएसपी 5,950 प्रति क्विंटल कर दिया गया है, जो पहले 5,650 था.
- कुसुम (सफ्लॉवर) का एमएसपी 5,940 प्रति क्विंटल कर दिया गया है, जो पहले 5,800 था.

केंद्रीय कर्मियों का बढ़ा महंगाई भत्ता

केंद्र सरकार ने बुधवार को कैबिनेट की बैठक में अहम फैसलों को मंजूरी दी है. देश के एक करोड़ के लगभग सरकारी कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़ा है. इस तरह केंद्र सरकार ने करीब 49 लाख कर्मचारियों और 60 लाख पेंशनधारकों का महंगाई भत्ता और महंगाई राहत यानी डीए और डीआर तीन फीसदी बढ़ाया है. त्योहारी सीजन में सरकार के कर्मचारियों के लिए तो सरकार ने कम से कम बंपर खुशियों का इंतजाम कर ही दिया है. दिवाली से पहले कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 50 फीसदी से बढ़ कर 53 फीसदी हो गया है और कैबिनेट बैठक में इस फैसले पर मुहर लगा दी गई है. सरकारी कर्मियों और पेंशनर्स को इस बार अक्टूबर की सैलरी में खूब बढ़ कर राशि मिलेगी क्योंकि महंगाई भत्ता एक जुलाई 2024 से लागू माना जाएगा.

हमें विकसित राष्ट्र बनने के लिए 10 करोड़ नौकरियां पैदा करनी होंगी : एन चंद्रशेखरन

एजेंसिंया। नयी दिल्ली

टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की राह में नई नौकरियों को लाए जाने की बात कही है.

चंद्रशेखरन ने जोर देकर कहा है कि भारत विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है और देश को बढ़ते कार्यबल की रोजगार जरूरतों को पूरा करने के लिए 10 करोड़ नौकरियों का सृजन करने की जरूरत है. टाटा समूह देश में अधिक से अधिक विनिर्माण नौकरियां बनाने पर भी ध्यान दे रहा है, क्योंकि पूरा इकोसिस्टम भारतीय कंपनियों, विशेषकर 500,000 छोटे और मध्यम उद्यमों (एसएमई) के लिए कई अवसरों से भरा हुआ है. चंद्रशेखरन के अनुसार, टाटा समूह सेमीकंडक्टर, प्रिसिशन मैन्युफैक्चरिंग, असेंबली, इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी और संबंधित उद्योगों में निवेश कर रहा है, इसलिए वह अगले पांच वर्षों में पांच लाख विनिर्माण नौकरियां पैदा कर सकता है. सेमीकंडक्टर विनिर्माण जैसे क्षेत्र कई अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा कर सकते हैं.

टाटा समूह 5 साल में 5 लाख विनिर्माण नौकरियां पैदा करेगा

विकसित राष्ट्र बनने के लिए नौकरियां जरूरी : भारतीय गुणवत्ता प्रबंधन फाउंडेशन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा, हमें विकसित राष्ट्र बनने के लिए 100 मिलियन नौकरियां पैदा करने की जरूरत है. देश में हर महीने लगभग दस लाख लोग कार्यबल में शामिल होते हैं, जिससे देश के भविष्य के विकास के लिए विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार सृजन आवश्यक हो जाता है. चंद्रशेखरन ने जोर देकर कहा कि भारत को एक विकसित राष्ट्र बनने के लिए निर्माण नौकरियों का सृजन अत्यंत महत्वपूर्ण है. उन्होंने कहा, हम विकसित भारत के लक्ष्यों को प्राप्त नहीं कर सकते, यदि हम निर्माण नौकरियां नहीं बना सकते.

एनडीए और इंडिया गठबंधन को चुनावी मैदान में पटखनी देने के लिए छोटे दल भी हुए सक्रिय

बड़े दलों के खेल बिगाड़ने को बेचैन छोटे दल

रेहान अहमद। रांची

चुनाव आयोग ने झारखंड में विधानसभा चुनाव की तिथियों की घोषणा कर दी है. दो चरणों में चुनाव होंगे. पहला चरण 13 नवंबर और दूसरा चरण 20 नवंबर को होगा. इस चुनाव में मुख्य मुकाबला बड़े दलों, यानी एनडीए और इंडिया गठबंधन के बीच होगा. एनडीए में भारतीय जनता पार्टी, आजसू पार्टी और जदयू शामिल हैं, जबकि इंडिया गठबंधन में झामुमो, कांग्रेस, राजद और वाम दल शामिल हैं.

इस चुनावी मुकाबले के मैदान में बड़ी संख्या में छोटे दल भी शतरंज के मोहरे की तरह बड़े दलों के प्रत्याशी को शिकस्त देने के लिए तैयार हो रहे हैं. इन छोटे दलों के नेता पहले एनडीए या इंडिया गठबंधन का समर्थन करते थे. इनके समर्थन से भी बड़े दलों को चुनाव में लाभ होता था, लेकिन छोटे-छोटे दलों के चुनावी मैदान में उतरने से भले ही इनका कुछ हो या ना हो, लेकिन ये बड़े दलों का चुनावी खेल बिगाड़ सकते हैं.

वीआईपी 20 से अधिक सीटों पर लड़ेगी : विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) विधानसभा चुनाव में 20 से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ेगी. प्रदेश अध्यक्ष प्रो राजकुमार चौधरी समेत उनकी पार्टी चुनाव की तैयारी में जुटी हुई है.

झारखंड पार्टी 25 सीटों पर लड़ेगी : झारखंड पार्टी के महासचिव अशोक कुमार ने कहा कि आज विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी की ओर से सात सीटों की घोषणा की गई है. उन्होंने बताया कि जल्द ही आगे की रणनीति भी घोषित की जाएगी और उनका लक्ष्य 25 सीटों पर चुनाव लड़ने का है.

जोहरा पार्टी दो सीटों पर लड़ेगी

जोहरा पार्टी के महासचिव कमलेश कुमार राय ने कहा कि वे विधानसभा चुनाव में हटिया और बोकारो से दो सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं. हटिया से केंद्रीय अध्यक्ष विजय कुमार महतो और बोकारो से मनोज महली पार्टी के उम्मीदवार होंगे.

मुस्लिम लीग 20 सीटों पर लड़ेगी : इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के महासचिव मो शहाबुद्दीन ने कहा कि वर्तमान में राष्ट्रीय नेतृत्व की ओर से बातचीत चल रही है, और पार्टी 20 सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ने की योजना बना रही है.

लोकहित अधिकार पार्टी 12 से अधिक सीटों पर लड़ेगी : लोकहित अधिकार पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू, प्रधान महासचिव मो अजहर आलम, प्रदेश उपाध्यक्ष हरिनाथ साहू, प्रदेश महासचिव संजय स्नेही, और प्रदेश मंत्री कुंज बिहारी साव की मौजूदगी में पार्टी ने अब तक 12 उम्मीदवारों की सूची विधानसभा चुनाव में मुकाबले के लिए जारी की है. पार्टी इससे अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने की योजना बना रही है.

संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी 15 सीटों पर लड़ेगी : संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी के संयोजक खालिद खलील ने कहा कि उनकी पार्टी की ओर से विधानसभा चुनाव में 4 सीटों पर चुनाव लड़ने की सूची जारी की गई है. पार्टी कुल 15 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और जल्द ही अगली सूची जारी की जाएगी.

आंदोलनकारी मोर्चा, सीट नहीं तो रणनीति स्थापित करेंगे : झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के पुष्कर महतो ने कहा कि उन्होंने इंडिया गठबंधन से कम से कम एक आंदोलनकारी को उम्मीदवार बनाने के लिए मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है. यदि बात नहीं बनती है, तो आगे की रणनीति तैयार की जाएगी.

सहमति नहीं बनी, तो सीपीआई 25 सीटों पर लड़ेगी : भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के सचिव हरेंद्र पाठक और कार्यालय सचिव अजय सिंह ने कहा कि यदि इंडिया गठबंधन के साथ सहमति बनती है, तो वे लोग साथ रहेंगे. अन्यथा, वे 25 सीटों पर चुनावी मैदान में उतरने के लिए तैयार हैं.

दस राजनीतिक दलों की पार्टी 'जनमत' 81 सीटों पर लड़ेगी

झारखंड के दस राजनीतिक दलों की पार्टी "जनमत" में शामिल हैं. झारखंड पीपुल्स पार्टी (अध्यक्ष पूर्व विधायक सूर्य सिंह बेसरा), झारखंड मुक्ति मोर्चा (उलगुलान) (अध्यक्ष पूर्व सांसद कृष्णा मार्डी), भागीदारी पार्टी (अध्यक्ष श्याम बिहारी प्रजापति), झारखंड पार्टी (होरो) (प्रभारी अलेस्टर बोदरा), आरपीआई (अम्बेडकर) (अध्यक्ष प्रीतम लोहरा), लोकजन समाज पार्टी (अध्यक्ष सतीश कुमार चतुर्वेदी), राष्ट्रीय जनक्रांति मोर्चा (अध्यक्ष मोलाना मोबीन रिजवी), बहुजन मुक्ति पार्टी (अध्यक्ष मुरलीधर राम), अखिल भारतीय मानव सेवा दल (अध्यक्ष शिव प्रसाद अग्रवाल) और आदर्श संग्राम पार्टी (अध्यक्ष गौतम भारती). इमाम सफी ने बताया कि जनमत की पूर्व प्रस्तावित पंचशील नामक घोषणापत्र पर चर्चा होगी, जिसमें सुशासन, सत्ता का विकेंद्रीकरण, पांच वर्षों में पांच मुख्यमंत्री, गांवों के सशक्तिकरण के लिए पांच करोड़ हस्तांतरण, जनजातीय और क्षेत्रीय भाषाओं का विकास, और "अबूआ दिसुम आबुआ राज" (स्वराज) शामिल हैं. जनमत के सभी घटक दलों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया है कि आगामी विधानसभा चुनाव में सभी 81 विधानसभा क्षेत्रों में "जनमत" मजबूती से चुनाव लड़ेगी.

दोनों बड़े दलों से मांगा है उम्मीदवार, नहीं मिला तो करेंगे मुकाबला: वैश्य मोर्चा

झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा के मीडिया प्रभारी राहुल वैश्य ने कहा कि वैश्य मोर्चा ने एनडीए और इंडिया गठबंधन दोनों से अपने समाज के प्रत्याशी विधानसभा चुनाव में देने की मांग की है. यदि उनकी मांगों को नजरअंदाज किया गया, तो मोर्चा मुकाबले के लिए मैदान में उतरने को बाध्य होगा.

चुनाव अपडेट

झारखंड में जनता दल यूनाइडेट को गैस सिलेंडर चुनाव चिह्न मिला

जमशेदपुर। झारखंड में जनता दल (यू) गैस सिलेंडर के चुनाव चिन्ह पर विधानसभा चुनाव लड़ेगा. यह चुनाव चिह्न भारतीय जनतंत्र मोर्चा का था. भारतीय जनतंत्र मोर्चा का विलय जदयू में हो जाने के कारण निर्वाचन आयोग ने यह चुनाव चिह्न जदयू को आवंटित कर दिया है. इस प्रकार सरयू राय जमशेदपुर पश्चिम से चुनाव लड़ेंगे तो उनका चुनाव चिन्ह गैस सिलेंडर होगा. 2019 में जब उन्होंने जमशेदपुर से चुनाव लड़ा था, तब भी उनका चुनाव चिह्न गैस सिलेंडर ही था. गौरतलब है कि इस संबंध में भारत निर्वाचन आयोग सचिवालय की अंडर सेक्रेट्री जसमीत कौर ने 16 अक्टूबर 2024 को झारखंड के मुख्य चुनाव अधिकारी को पत्र लिखा है. इस पत्र में उन्होंने लिखा है कि झारखंड में आगामी विधानसभा चुनाव में जदयू ने गैस सिलेंडर चुनाव चिह्न आवंटित करने की मांग की थी. उनकी मांग के आलोक में आयोग ने जदयू को झारखंड में गैस सिलेंडर चुनाव चिह्न आवंटित कर दिया है. उन्होंने पत्र में लिखा है कि जनता दल यूनाइटेड पार्टी बिहार, अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर में मान्यता प्राप्त पार्टी है, जहां उनका चुनाव चिन्ह तीर है.

- झारखंड के मुख्य चुनाव अधिकारी को निर्वाचन आयोग सचिवालय ने पत्र लिख कर दी सूचना

विधानसभा चुनाव में एनडीए में लोजपा को भी मिल सकती है एक सीट

बाबूलाल से मिले लोजपा सांसद अरुण भारती

रांची। एनडीए फोल्डर में शामिल लोजपा (रामविलास) को झारखंड विधानसभा चुनाव में एक सीट मिल सकती है. इस मसले को लेकर नयी दिल्ली में असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी से लोजपा सांसद अरुण भारती ने मुलाकात की. जानकारी के अनुसार इन तीनों नेताओं के बीच सीट शेयरिंग पर भी चर्चा हुई, जिसमें एक सीट लोजपा को देने पर सहमति बनी. बताते चलें कि झारखंड विधानसभा चुनाव में एनडीए फोल्डर में आजसू, जदयू और लोजपा (रामविलास) मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं.

छह सीटों पर आजसू का रहा है जनाधार, चार सीटें ऐसी, जहां वोट बैंक ही नहीं

जहां जनाधार नहीं, वहां भी अपनी किस्मत आजमाएगी आजसू पार्टी

रवि भारती। रांची

सीट शेयरिंग में आजसू का प्रेशर पॉलिटिक्स काम नहीं आया. जानकारी के अनुसार, एनडीए फोल्डर में शामिल आजसू को 10 सीटें मिली हैं. इनमें से चार पाकुड़, डुमरी, मनोहपुर और लोहरदगा की सीटें ऐसी हैं, जहां आजसू का जनाधार नहीं रहा है. या यो कहा जाए कि इन सीटों पर आजसू की राह आसान नहीं है. इन सीटों पर झामुमो और कांग्रेस का दबदबा रहा है. अब इन सीटों पर आजसू अपनी किस्मत आजमाएगी. जानकारी के अनुसार आजसू के खाते में सिल्ली, रामगढ़, गोमिया, जुगसलाई, मनोहरपुर, पाकुड़, डुमरी, मांडू, ईचागढ़ और लोहरदगा की सीटें आई हैं.

पाकुड़, डुमरी, मनोहपुर और लोहरदगा में आजसू की राह कठिन : जानकारी के अनुसार, आजसू के खाते में 10 में से चार सीटें पाकुड़, डुमरी, मनोहरपुर और लोहरदगा में पार्टी के लिए जीत की राह आसान नहीं होगी. बात करें पाकुड़ की, तो पिछले चार चुनाव में इस सीट पर तीन दफा कांग्रेस और एक बार झामुमो ने कब्जा जमाया है. डुमरी में पिछले चार चुनाव में झामुमो ने जीत हासिल की है. मनोहरपुर सीट से पिछले चार चुनाव में दो बार झामुमो, एक दफा भाजपा और एक दफा यूजीडीपी के उम्मीदवार ने जीत हासिल की है. वहीं लोहरदगा सीट से दो बार आजसू और दो बार कांग्रेस ने जीत हासिल की है.

पाकुड़, डुमरी, मनोहरपुर और लोहरदगा में रहा है कांग्रेस और झामुमो का दबदबा

क्या है आजसू का राजनीतिक सफर

2019 के चुनाव में आजसू अकेले 53 सीटों पर चुनाव लड़ी, लेकिन केवल दो सीटें ही जीत पाई. सिल्ली निर्वाचन क्षेत्र से सुदेश महतो ने और गोमिया से लंबोदर महतो ने चुनाव जीता. बाद में हुए रामगढ़ उपचुनाव में आजसू को जीत मिली और सीटें बढ़ कर तीन हो गईं.

2014 का विधानसभा चुनाव आजसू और भाजपा ने साथ मिल कर लड़ा था, उसका फ़ायदा दोनों पार्टियों को मिला था. भाजपा ने 37 और आजसू पार्टी ने पांच सीटें जीतीं. गठबंधन ने कुल 42 सीटें जीतकर सरकार बनायी थी.

2019 विधानसभा चुनाव

डुमरी : बेबी देवी (झामुमो)
लोहरदगा : डॉ रामेश्वर उरांव(कांग्रेस)
मनोहरपुर : जोबा मांझी(जेएमएम)
पाकुड़ : आलमगीर आसम (कांग्रेस)

2014 विधानसभा चुनाव

डुमरी : जगन्नाथ महतो(झामुमो)
लोहरदगा : कमल किशोर भगत (आजसू)
मनोहरपुर : जोबा मांझी (झामुमो)
पाकुड़ : आलमगीर आलम(कांग्रेस)

2009 विधानसभा चुनाव

डुमरी : जगन्नाथ महतो (झामुमो)
लोहरदगा : कमलकिशोर भगत(आजसू)
मनोहरपुर : गुरुचरण नायक(बीजेपी)
पाकुड़ : अकील अख्तर (झामुमो)

2005 विधानसभा चुनाव

डुमरी : जगन्नाथ महतो(झामुमो)
लोहरदगा : सुखदेव भगत(कांग्रेस)
मनोहरपुर : जोबा मांझी(यूजीडीपी)
पाकुड़ : आलमगीर आलम(कांग्रेस)

परिवार भी टूटा, सीट भी हाथ से फिसला

एनडीए फोल्डर में शामिल आजसू को सीट शेयरिंग में तगड़ा झटका लग सकता है. इससे परिवार भी टूटेगा और एक सीट भी हाथ से निकल जाएगा. बड़कागांव सीट से दावेदारी कर रहे रौशनलाल चौधरी को भाजपा से टिकट देने की बात चल रही है. चर्चा है कि वे भाजपा में शामिल होकर इस सीट से चुनाव लड़ सकते हैं. आजसू के आला नेताओं ने भी इसकी पुष्टि की है. भाजपा नेताओं का मानना है कि किसी भी सिंबल से चुनाव लड़े, सीट गठबंधन के खाते में ही आएगी. बताते चलें कि रौशन लाल चौधरी गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी के बड़े भाई हैं. वे बड़कागांव सीट से कई दफा चुनाव सड़ चुके हैं.

कई नेताओं के टूट सकते हैं दिल

एनडीए के घटक दल आजसू में भी कई नेताओं के दिल टूटेंगे. पार्टी को अलविदा भी कह सकते हैं. खासकर चंदनक्यारी विधानसभा सीट से दावा ठोंक रहे पूर्व मंत्री उमाकांत रजक टिकट की आस में बैठे हैं. इधर भाजपा के सह चुनाव प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा ने साफ कर दिया है कि चंदनक्यारी सीट भाजपा की सीटिंग सीट है. वहीं उमाकांत ने हर हाल में चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है. सूत्रों के अनुसार, वे झामुमो के टिकट से चुनाव लड़ सकते हैं. वहीं आजसू के शिवपूजन मेहता हुसैनाबाद सीट से चुनाव लड़ना चाहते हैं लेकिन इस सीट से वर्तमान विधायक कमलेश सिंह भाजपा में शामिल हो गए हैं.

भाजपा ने ओबीसी और अनुसूचित जाति को जमकर छला है : राजद

संवाददाता। रांची

बाबूलाल मरांडी ने डोमिसाइल लागू कर लोगों को आपस में लड़ाने का काम किया था

प्रदेश राजद महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव ने कहा कि झारखंड निर्माण के बाद भाजपा ने राज्य में ओबीसी को 27 से 14 और अनुसूचित जाति की 15 से 10 फीसदी आरक्षण में कटौती कर बहुसंख्यक समाज का मौलिक अधिकार छीनने का काम किया है. इसका दंश आज तक बहुसंख्यक ओबीसी, एससी की करीब 75 फीसदी आबादी झेल रही है. इस कारण अब तक 20 लाख युवा बेरोजगार हुए हैं. उन्होंने कहा कि झारखंड निर्माण के बाद तत्कालीन राज्य के पहले मुख्यमंत्री बने बाबूलाल मरांडी ने जदयू- आजसू के साथ एनडीए सरकार चलायी. इस दौरान उन्होंने कई जनविरोधी निर्णय लिए, जिससे राज्य और यहां के वाशिंदों का अहित ही हुआ. डोमिसाइल लागू कर लोगों को आपस में लड़वाने का काम किया. ओबीसी और अनुसूचित जाति के आरक्षण में कटौती कर बहुसंख्यक आबादी को पीछे धकेलने का काम किया. राज्य में विगत पांच वर्षों से झामुमो, राजद व कांग्रेस की महागठबंधन सरकार ने कई जनसरोकार के कार्य कर लोगों की जनाकांक्षाओं को पूरा करने का काम किया है. किसानों की दो लाख रु तक की ऋण माफी, बिजली बिल माफी, 200 यूनिट तक बिजली बिल माफ, मंईयां सम्मान योजना, छात्रवृत्ति और गंभीर बीमारी के लिए राशि निर्गत करने जैसे कार्य किए हैं.

झारखंड पार्टी 20 सीटों पर लड़ेगी चुनाव, पांच उम्मीदवारों की घोषणा

प्रमुख संवाददाता। रांची

नयी सरकार के गठन में झारखंड पार्टी की भूमिका होगी अहम : एनोस

झारखंड पार्टी राज्य के 20 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी. पार्टी प्रमुख एनोस एक्का ने बुधवार को पांच सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है. रांची के कार्निवाल बैंक्वेट हॉल में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि मनोहरपुर से महेंद्र जमुदा, सिमडेगा से आयरिन एक्का, चाईबासा से कोलंबस हांसदा, कांके से अनिल कुमार पासवान और कोलेबिरा से संदेश एक्का का उम्मीदवार बनाया गया है.

दो दिन बाद बची हुई सीटों के उम्मीदवारों की घोषणा होगी : एनोस एक्का ने बताया कि दो दिनों के बाद बची हुई सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी जाएगी. उन्होंने कहा कि झारखंड के हित की बात करने वाले और समान विचारधारा वाले दलों से भी गठबंधन किया जाएगा. जो भी नई सरकार बनेगी, उसमें झारखंड पार्टी की भूमिका अहम होगी.

राजकुमार मुंडा ने झापा ज्वाइन की : कार्निवाल बैंक्वेट हॉल में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व विधायक स्वर्गीय रमेश सिंह मुंडा के बड़े पुत्र राजकुमार मुंडा ने अपने समर्थकों के साथ झारखंड पार्टी का दामन थाम लिया. बताते चलें कि राजकुमार मुंडा के भाई विकास मुंडा झामुमो से विधायक हैं. इस बार वे तमाड़ से चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं.

झामुमो को है बैद्यनाथ राम पर पूरा भरोसा

क्या फिर से जीत दिला पाएंगे बैद्यनाथ राम?

आशीष टैगोर। लातेहार

झारखंड में चुनाव की तिथियों का एलान हो चुका है. कुल दो चरणों में झारखंड में चुनाव कराये जाएंगे. लातेहार जिले के लातेहार व मनिका विधानसभा सीट में पहले चरण में ही 13 नवंबर को चुनाव संपन्न कराया जाएगा. चुनावों की तिथियों का ऐलान होते ही राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गयी है. झामुमो कोलातेहार विधानसभा सीट से सिटिंग विधायक बैद्यनाथ राम पर पूरा भरोसा है, ऐसे में बैद्यनाथ झामुमो के टिकट पर दोबारा चुनाव लड़ेंगे, ऐसा तय माना जा रहा है. बता दें कि साल 2019 के विधानसभा चुनाव में भाजपा से टिकट नहीं मिलने पर बैद्यनाथ राम झामुमो में शामिल हो गये थे और चुनाव जीत कर विधानसभा पहुंचे थे. लेकिन यहां यह भी बताना आवश्यक है कि झारखंड अलग राज्य बनने के बाद लातेहार विधानसभा सीट से अब तक कोई विधायक लगातार दूसरी बार जीत का सेहरा अपने सिर नहीं बांध सका है. क्या बैद्यनाथ राम झामुमो के भरोसे पर खरा उतर पाएंगे और क्या इस मिथक को तोड़ पाएंगे, इसे लेकर यहां चर्चाओं का बाजार गर्म है.

प्रकाश राम को 16,328 मत से हराया था : पिछले 2019 के विधानसभा चुनाव के आंकड़ों को देखें तो झामुमो के बैद्यनाथ राम ने भाजपा के प्रकाश राम को 16,328 मतों से हराया था. बैद्यनाथ राम को कुल 76,507 और प्रकाश राम को 60,179 मत मिले थे. साल 2019 के विधानसभा चुनावों में 2,69,835 मतदाताओं में से कुल 1,81,967 मतदाताओं ने वोट दिया था. यह 67.44 % था. बैद्यनाथ राम ने 42.04 % और प्रकाश राम ने 33.07 % वोट हासिल किया था. उस वर्ष के चुनाव में झामुमो का वोट % 27.67 और भाजपा का वोट 5.35 % बढ़ा था.

लातेहार से कोई विधायक लगातार दोबारा नहीं चुना गया

अब तक दो ही लोग बन पाए हैं विधायक

झारखंड गठन होने के बाद से लातेहार विधानसभा क्षेत्र से मात्र दो ही लोग विधायक चुने गये हैं. एक हैं बैद्यनाथ राम तो दूसरे प्रकाश राम. एक-दो चुनावों को छोड़ कर हमेशा बैद्यनाथ राम और प्रकाश राम के बीच ही जोर आजमाइश होती रही है. झारखंड गठन के बाद पहली बार साल 2000 में विधानसभा चुनाव हुए. इस चुनाव में जदयू के बैद्यनाथ राम राजद के प्रकाश राम को हरा कर विधानसभा में पहुंचे. 2005 के विधानसभा चुनाव में राजद के प्रकाश राम ने जेएमएम के रामदेव गंझू को हराया था. जदयू के बैद्यनाथ राम तीसरे स्थान पर रहे थे. 2009 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के बैद्यनाथ राम ने एक बार फिर राजद के प्रकाश राम को हराया. साल 2014 के चुनावों में जेवीएम के प्रकाश राम ने भाजपा के ब्रजमोहन राम को हराया था. उस वर्ष बैद्यनाथ राम चुनाव नहीं लड़े थे. साल 2019 में बैद्यनाथ राम झामुमो के टिकट से चुनाव लड़े और भाजपा के प्रकाश राम को पराजित कर दिया था.

बैद्यनाथ राम

गीता कोड़ा, सोनाराम सिंकु और लक्ष्मी सुरेन लड़ सकते हैं चुनाव

जगन्नाथपुर में त्रिकोणीय मुकाबला के आसार

शैलेश सिंह। किरीबुरु

झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव में जगन्नाथपुर विधानसभा सीट से बतौर भाजपा प्रत्याशी के रूप में पूर्व सांसद गीता कोड़ा, इंडिया गठबंधन से कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में विधायक सोनाराम सिंकु को टिकट मिलने की संभावना अधिक है. इसके अलावे झामुमो से जिला परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सुरेन भी इंडिया गठबंधन से प्रत्याशी बनने के लिए पूरी ताकत झोंक रखी है. लेकिन अब देखना है कि जगन्नाथपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस अथवा झामुमो से सोनाराम सिंकु अथवा लक्ष्मी सुरेन इंडिया गठबंधन की संयुक्त प्रत्याशी होते हैं. इनके अलावे पूर्व विधायक मंगल सिंह बोबोंगा ने भी इंडिया गठबंधन का प्रत्याशी बनने के लिए 14 व 15 अक्टूबर तक रांची में डेरा डालकर झामुमो व कांग्रेस के कई बडे.नेताओं व मंत्रियों से मुलाकात की है. हालांकि वे झामुमो अथवा कांग्रेस के प्राथमिक सदस्य भी नहीं हैं. इसके बावजूद वे इस विश्वास के साथ टिकट की आस में हैं कि बीते लोकसभा चुनाव में उन्होंने खुलकर सारी ताकत झोंक जोबा माझी को सांसद बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी. अगर उन्हें इंडिया गठबंधन का प्रत्याशी नहीं बनाया जाता है तो वे निर्दलीय भी चुनावी मैदान में उतरने की घोषणा कर चुके हैं. ऐसी स्थिति में जगन्नाथपुर सीट पर भाजपा की संभावित प्रत्याशी पूर्व सांसद गीता कोड़ा, इंडिया गठबंधन से कांग्रेस विधायक सोनाराम सिंकु या झामुमो से लक्ष्मी सुरेन तथा पूर्व विधायक मंगल सिंह बोबोंगा के बीच रोचक त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिल सकता है. मंगल सिंह बोबोंगा निश्चित ही बतौर निर्दलीय प्रत्याशी के रुप में इंडिया गठबंधन को भारी नुकसान पहुंचाकर परंपरागत वोट बैंक में सेंधमारी कर सकते हैं. मंगल सिंह बोबोंगा के साथ पूर्व प्रत्याशी सन्नी सिंकु, जयारानी पाडेय़ा, झारखंड आंदोलनकारियों की टीम समेत कई चर्चित चेहरे साथ देते नजर आ रहे हैं.

दूसरी तरफ विधायक सोनाराम सिंकु ने भी अपना जनाधार व वोट बैंक में भारी इजाफा किया है. सारंडा जैसे क्षेत्र में उन्होंने अपनी ताकत बढ़ाई है. उल्लेखनीय है कि वर्ष 2019 के चुनाव में मंगल सिंह बोबोंगा झाविमो की टिकट पर चुनाव लडे.थे और वे 20,893 वोट प्राप्त कर दूसरे स्थान पर रहे थे. पहले स्थान पर कोड़ा दम्पती समर्थित कांग्रेस प्रत्याशी सोनाराम सिंकु 32,499 वोट पाकर रहे थे. भाजपा प्रत्याशी सुधीर सुंडी 16,450 वोट के साथ तीसरे स्थान, आजसू प्रत्याशी मंगल सिंह सोरेन 14,222 वोट के साथ चौथे स्थान पर रहे थे. इनके अलावा निर्दलीय लक्ष्मी सुरेन 6,617 को वोट, एआईटीसी से सन्नी सिंकु को 5,062 वोट, निर्दलीय मानसिंह तिरिया को 4,415 वोट, जयारानी पाडेय़ा को 2,489 वोट, जगजीवन केराई को 1,709 वोट, जयसिंह सिंकु को 1,539 वोट, राजेश सिंकु को 1,396 वोट, सोनु कुंकल को 1,155 वोट, अमित कुमार लागुरी को 1,020 वोट मिले थे.

गीता कोड़ा

सोनाराम सिंकु

लक्ष्मी सुरेन

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | जमशेदपुर, गुरुवार 17 अक्टूबर 2024 ● आश्विन पूर्णिमा, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 3 ● वर्ष : 2, अंक : 187 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबर

माप-तौल विभाग से की घटतौली की शिकायत

जमशेदपुर । भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष देवेंद्र सिंह ने कहा कि शहर में ठेले-खोमचे पर फल बेचने वाले अधिकतर बांग्लादेशी हैं. ये घटतौली कर रहे हैं. एक किलो में 100 ग्राम से डेढ़ सौ ग्राम कम तौल रहे हैं. इसकी शिकायत माप तौल विभाग से की गई है. उन्होंने कहा कि ऐसे घटतौली करने वालों के खिलाफ कार्रवाई जरूरी है.

छठ गीत 'फल-फूल से सजल सूप' की शूटिंग

जमशेदपुर । तोमर सत्येंद्र सिंह द्वारा लिखे गए व सौम्या वर्मा द्वारा गाए गए भोजपुरी छठ गीत फल-फूल से सजल सूप के वीडियो की शूटिंग गुरुवार को बस स्टैंड के समीप स्थित गांधी घाट पर सुबह 11 बजे होगी. मुहूर्त का शॉट विधायक सरयू राय देंगे. इस अवसर पर हर हर महादेव संघ के संस्थापक अमरप्रीत सिंह काले, पूर्व कमिश्नर विजय सिंह आदि भी मौजूद रहेंगे.

मदन मोहन को श्रद्धांजलि के लिए संगीत संध्या 19 को

जमशेदपुर । शहर की सामाजिक संस्था रोशन दीपक प्रसिद्ध संगीतकार मदन मोहन को श्रद्धांजलि देने के लिए संगीतमय संध्या (मदन मोहन नाइट) का आयोजन बिष्टुपुर स्थित माइकल जॉन सभागार में 19 अक्टूबर को शाम छह बजे से करेगी. इसमें शहर के प्रसिद्ध गायक गीतों के माध्यम से स्व. मदन मोहन को श्रद्धांजलि देंगे. संस्था के अध्यक्ष रंजीत दास, सचिव राजेन्द्र साह राज एवं सलाहकार समिति की अध्यक्षा प्रणोति गोस्वामी ने बताया कि शहर के 10 संगीत गुरुओं को सम्मानित किया जाएगा.

भाजपा बनाएगी पूर्ण बहुमत की सरकार : शिव शंकर

जमशेदपुर । भाजपा नेता शिव शंकर सिंह ने चुनाव आयोग के झारखंड विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान का स्वागत किया और कार्यकर्ताओं से चुनाव तैयारियों में पूरी ताकत से जुट जाने की अपील की. उन्होंने कहा कि कुशासन से प्रदेश की जनता ऊब चुकी है और बदलाव चाहती है. इस बार भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी. हेमंत सरकार का पांच साल तक जनता के दुख दर्द से कुछ भी लेना देना नहीं रहा.

चुनावी रणनीति पर मानगो में आजसू की बैठक आज

जमशेदपुर । आजसू पार्टी जिला समिति के पदाधिकारियों, चुनाव प्रभारियों व सह प्रभारियों सहित वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की एक बैठक गुरुवार को आजसू पार्टी के केंद्रीय प्रधान महासचिव रामचंद्र सहिस के आवासीय कार्यालय ग्रीन वाटिका सिटी डिमना रोड मानगो में दोपहर 12 बजे से होगी. इसमें विधानसभा चुनावों की रणनीति तय की जाएगी तथा पदाधिकारियों में जिम्मेदारियां बांटी जाएंगी.

प्रशासनिक व पुलिस पदाधिकारियों ने ली मतदाता शपथ

पूर्वी सिंहभूम के जिला निर्वाचन पदाधिकारी अनन्य मित्तल ने स्वीप कार्यक्रम के तहत समाहरणालय सभागार में सभी प्रशासनिक-पुलिस पदाधिकारियों को मतदाता शपथ दिलाई तथा समावेशी चुनाव प्रक्रिया में सबकी सहभागिता सुनिश्चित हो, इसे लेकर जन-जन तक मताधिकार के प्रयोग को लेकर जागरुकता लाने की बात कही. उन्होंने कहा कि सुदृढ़ लोकतंत्र हेतु प्रत्येक मतदाता की सहभागिता आवश्यक है. 13 नवंबर को जिले के सभी मतदाता अपने मत का प्रयोग करने बूथों तक जायें तथा लोकतंत्र की मजबूती में अपना योगदान दें.

सभी घटक दलों के साथ समन्वय समिति का गठन कर चुनाव लड़ेगी आजसू पार्टी

ढोंगी नेताओं का पर्दाफाश किया जाएगा : रामचंद्र सहिस

संवाददाता । जमशेदपुर

आजसू पार्टी के केंद्रीय प्रधान महासचिव रामचंद्र सहिस के आवासीय कार्यालय में बुधवार को जिला समिति की बैठक हुई. बैठक की अध्यक्षता कर रहे जिला अध्यक्ष कन्हैया सिंह ने कहा कि पूर्वी सिंहभूम जिले में जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र से आजसू पार्टी चुनाव लड़ेगी और एनडीए प्रत्याशी के रूप में रामचंद्र सहिस उम्मीदवार होंगे. पार्टी जल्द ही सभी घटक दलों के साथ मिलकर एक समन्वय समिति का गठन करेगी. सभी वरीय नेताओं के साथ आपसी तालमेल के साथ चुनाव लड़कर जीत सुनिश्चित किया जाएगा. बतौर अतिथि उपस्थित रामचंद्र सहिस ने कहा कि चुनावी सुगबुगाहट को देखते हुए राज्य सरकार के मंत्री और विधायक अंधाधुंध शिलान्यास और भूमिपूजन कर जनता के बीच में भ्रम फैला रहे हैं. ऐसे ढोंगी नेताओं का पर्दाफाश किया जाएगा. उन्होंने कहा कि जुगसलाई के विधायक पिछड़ा, अति पिछड़ा, दलित, आदिवासी, महिलाओं की जमीन पर जबरदस्ती दखल कर खरीद फरोख्त कर रहे हैं. इससे आम जनमानस में खासी नाराजगी है. आंदोलन के माध्यम से असहाय, पीड़ित परिवारों को उनकी जमीन वापस दिलायी जाएगी.

जुगसलाई के प्रभारी व सह प्रभारी की घोषणा

जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र मुख्य प्रभारी कन्हैया सिंह, सह प्रभारी आदित्य महतो व वन बिहारी महतो को बनाया गया. उन्हें निर्देश दिया गया कि एनडीए के सभी घटक दलों के साथ आपसी समन्वय स्थापित कर चुनावी रणनीति तैयार करें. बैठक में बनविहारी महतो, आदित्य महतो, संजय मालाकार, कमलेश दुबे, संजय सिंह, अप्पू तिवारी, प्रकाश विश्वकर्मा, कूड़ाकर महतो, अमूल महतो, नवीन महतो, रामकृष्ण महतो, धीरज यादव, सचिन प्रसाद, कृतिवास मंडल, शंभू श्रवण, श्रवण सिंह सरदार, मंगल टुडू, संतोष सिंह, प्रवीन प्रसाद, निरंजन महतो, धर्मवीर सिंह, मनोज महतो, माणिक महतो, आकाश सिन्हा, घनश्याम पांडेय, अशोक मंडल आदि मौजूद थे.

बैठक में पार्टी के नेताओं का संबोधित करते रामचंद्र सहिस.

विधानसभा चुनाव को लेकर अधिकारियों की मैराथन बैठक

होम वोटिंग का आवेदन 20 तक जमा करने का निर्देश

को-ऑपरेटिव व एलबीएसएम कॉलेज बना डिस्पैच सेंटर

- लॉ एंड ऑर्डर से संबंधित तैयारियों पर भी चर्चा

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

झारखंड विधानसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होते ही पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी पूरी तत्परता से चुनाव कार्य में जुट गए हैं. बुधवार को उपायुक्त व एसएसपी ने निर्वाचन कार्य से जुड़े सभी कोषांग के वरीय, कनीय व संबंधित पदाधिकारियों के साथ मैराथन बैठक की. बैठक में क्रिटिकल बूथों को चिन्हित किये जाने, कल्स्टर से क्रिटिकल बूथों की दूरी, व्यय संवेदनशील पॉकेट, इंटरमीडिएट स्ट्रांग रूम, मतदान केंद्रों में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता का जांच रिपोर्ट समेत अन्य बिंदुओं पर विस्तार से समीक्षा की गई. वरीय अधिकारियों ने मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट का अनुपालन एवं शैडो एरिया से संबंधित भी जानकारी ली गई. साथ ही 20 अक्टूबर तक अनिवार्य रूप से होम वोटिंग का आवेदन जमा लिए जाने हेतु निर्देशित किया गया. इस दौरान बैठक में लॉ एंड ऑर्डर से संबंधित तैयारियों के विषय में भी चर्चा की गई, एएमएफ को लेकर जिले के वरीय पदाधिकारियों के जांच रिपोर्ट के अलावा सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट को अपने अपने मतदान केंद्रों का निरीक्षण करते हुए वहां की प्राथमिक सुविधाओं की जांच करने का निर्देश दिया गया. वहीं प्रखंड विकास पदाधिकारियों को कम से कम क्लस्टर बनाने का निर्देश दिया. क्लस्टर तभी बनाए जाएंगे जब मतदान केंद्रों में रुकने की सुविधा संभव न हो या सुरक्षा के दृष्टिकोण से अनुकूल स्थिति में नहीं हो. क्लस्टर सिर्फ वैसे स्थानों पर बनेगा जिसके आगे वाहन नहीं जा सकेंगे. रूट प्लान में छोटे और बड़े वाहनों से संबंधित जानकारी देने का निर्देश दिया गया.

हर सेंटर से रवाना होंगी तीन-तीन विस क्षेत्र की पोलिंग पार्टी

उपायुक्त ने बताया कि विधानसभा चुनाव को लेकर जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज एवं करनडीह स्थित एलबीएसएम कॉलेज को डिस्पैच सेंटर बनाया गया है. जहां से तीन-तीन विधानसभा क्षेत्र की पोलिंग पार्टी को रवाना किया जाएगा. जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज से जमशेदपुर पूर्वी, जमशेदपुर पश्चिमी एवं जुगसलाई तथा एलबीएसएम कॉलेज से पोटका, घाटशिला एवं बहरागोड़ा की पोलिंग पार्टी डिस्पैच होगी. सभी मतदान केंद्रों में पानी, बिजली, पहुंच पथ, फर्नीचर, रैंप, शौचालय जैसे प्राथमिक सुविधाओं से संबंधित जानकारी ली गई. सभी बूथों के रूट मैपिंग, पोलिंग पार्टी के ठहरने की व्यवस्था, परिवहन व्यवस्था, दिव्यांग, बुजुर्ग आदि वोटर्स के लिए सुविधा से संबंधित अद्यतन तैयारियों की भी समीक्षा की गई.

आकस्मिक स्थिति के लिए हेलिपैड चिन्हित करने का निर्देश

बैठक में मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे आकस्मिक स्थिति के लिए हेलिपैड चिन्हित कर कल्स्टर से टैग करें. इसके लिए सभी से जल्द से जल्द कलस्टर प्वाइंट चिन्हित कर रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया गया. बैठक में मौजूद वरीय पुलिस अधीक्षक ने क्रिटिकल बूथ, आकस्मिक स्थिति में उपयोग के लिए हेलिपैड स्थल चिन्हित कर क्लस्टर से टैग किए जाने, सभी बूथ एवं कलस्टर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से टैग करने का निर्देश दिया. कहा मतदाताओं को लुभाने के लिए किसी भी प्रकार से शराब, नगदी, उपहार, ड्रग्स आदि का उपयोग होता है तो कड़ी निगरानी रखें, सभी अंतरराज्यीय एवं अंतरजिला चेकनाका पर विशेष निगरानी रखने का निर्देश दिया.

प्रचार सामग्रियों का प्री-सर्टिफिकेशन अनिवार्य

विधानसभा चुनाव को लेकर उपायुक्त अनन्य मित्तल ने बुधवार को मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की. इस दौरान उन्हें स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से चुनाव संपन्न कराने के लिए निर्वाचन आयोग के गाइडलाइन से अवगत कराया गया. साथ ही चुनाव के दौरान अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई. बैठक में आदर्श आचार संहिता का अनुपालन, प्रचार सामग्रियों का प्री सर्टिफिकेशन, निर्वाचन व्यय का पंजी संधारण एवं कोषांग को प्रतिवेदन, ईवीएम का रैंडमाइजेशन, कलस्टर पर इंटरमीडिएट स्ट्रॉग रूम आदि की जानकारी दी गई. उन्हें बताया गया कि चुनाव में प्रयोग होने वाली प्रचार सामग्रियों का प्री-सर्टिफिकेशन अनिवार्य होगा. साथ ही सभी को निर्वाचन खर्च के लिए पंजी बनाना होगा. बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि के अलावा एडीएम लॉ एंड ऑर्डर अनिकेत सचान, एसडीएम धालभूम शताब्दी मजूमदार, उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रियंका सिंह, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी पंचानन उरांव सहित अन्य उपस्थित थे.

डीसी व एसएसपी ने किया एलबीएसएम व को-ऑपरेटिव कॉलेज का निरीक्षण

विधानसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर जिला निर्वाचन पदाधिकारी अनन्य मित्तल एवं वरीय पुलिस अधीक्षक किशोर कौशल ने बुधवार को ईवीएम डिस्पैच एवं रिसिविंग सेंटर निर्माण को लेकर कॉपरेटिव कॉलेज तथा एलबीएसएम कॉलेज, करनडीह का निरीक्षण किया.

झारखंड-ओडिशा बॉर्डर चेक पोस्ट से 1.38 लाख बरामद

जमशेदपुर । जिले में आदर्श आचार संहिता लगते ही अंतरराज्यीय व अंतर जिला बोर्डर पर बने चेक पोस्ट पर वाहन जांच एवं संदिग्ध लोगों की जांच शुरूकर दी गई है. बुधवार की सुबह पोटका प्रखंड अंतर्गत झारखंड एवं ओडिशा के बॉर्डर पर बने चेक पोस्ट पर जांच के दौरान दो युवकों के पास से 1.38 लाख रुपया नकद बरामद हुआ. दोनों युवक मोटरसाइकिल से उक्त रुपया लेकर जमशेदपुर की ओर आ रहे थे. उसी दौरान चेक पोस्ट पर मौजूद कोवाली थाना के एसआई धनाई उरांव एवं सिपाही रविंद्र सिंह सरदार ने युवकों की मोटरसाइकिल की जांच की. इस दौरान एक बैग में रखा रुपया बरामद किया गया.

मिली जानकारी के अनुसार दोनों युवकों ने पुलिस को बताया कि वे ओडिशा के क्योंझर में दुर्गा पूजा मेले में स्टेशनरी का सामान बेचकर जमा हुए पैसे लेकर सामान खरीदने जमशेदपुर जा रहे थे.

साकची में डेज मेडिकल से भारी मात्रा में प्रतिबंधित नशीली दवाइयां जब्त

बगैर अनुज्ञप्ति के संचालित हो रहा था मेडिकल स्टोर

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

ड्रग कंट्रोलर विभाग ने बुधवार को साकची स्ट्रेट माइल रोड स्थित डेज मेडिकल स्टोर से भारी मात्रा में प्रतिबंधित नशीली दवाएं बरामद की. विभाग ने उक्त कार्रवाई मंगलवार को टाटानगर स्टेशन से कफ सिरप के साथ धराए युवक से मिले इनपुट के आधार पर की. ड्रग इंस्पेक्टर मो. अबराम आलम अंसारी ने बताया कि डेज मेडिकल स्टोर का संचालन बिना वैध अनुज्ञप्ति के हो रहा था. मेडिकल स्टोर का मालिक आशीष बताया जा रहा है. हालांकि जांच के दौरान वह मौजूद नहीं था. विभाग ने वहां बरामद सारी प्रतिबंधित दवाएं जब्त कर ली. साथ ही स्टोर को सील किए जाने की कार्रवाई की जा रही है.

उन्होंने बताया कि टाटानगर स्टेशन से पकड़ाए युवकों ने पुलिस को पुछताछ में डेज मेडिकल स्टोर से प्रतिबंधित कफ सिरप खरीदे जाने की बात कही. जिसके बाद जांच के लिए टीम का गठन किया गया. जमशेदपुर ड्रग कंट्रोल विभाग 1 और 2 ने संयुक्त टीम बनाकर औचक जांच की. जिसमें पूरे मामले का खुलासा हुआ. उन्होंने कहा कि टाटानगर स्टेशन से बरामद कफ सिरप तो नहीं मिला. लेकिन अन्य प्रतिबंधित नशीली दवाइयां बरामद हुई. जांच टीम में ड्रग इंस्पेक्टर-2 सोनी बारा के साथ विभाग के अन्य कर्मी शामिल रहे.

टाटानगर स्टेशन से कफ सिरप के साथ धराए युवक के इनपुट पर हुई कार्रवाई

भाजपा-इलेक्शन कमीशन बंटी-बबली की भूमिका में : सुप्रियो

झामुमो ने एक ही जिले में दो अलग-अलग तिथि में चुनाव कराने को बताया कुटिल प्रयास

विशेष संवाददाता । रांची

- कहा-वोटिंग के दिन निकट की विधानसभा सीट पर मोदी-शाह की सभा कराकर जम्हूरियत को प्रभावित करने का प्रयास
- इलेक्शन कमीशन से मांग : एक जिले में एक ही दिन हो मतदान,
- सभी स्टार प्रचारकों को मिले समान सुविधा और अवसर

झामुमो ने इलेक्शन कमीशन पर भाजपा के इशारे में काम करने आरोप लगाया है. कहा कि जिस प्रकार बंटी और बबली मूवी में दोनों की जोड़ी ताजमहल बेच देते थे, उसी प्रकार भाजपा और इलेक्शन कमीशन बंटी और बबली की भूमिका निभाते हुए जम्हूरियत और लोकतंत्र को प्रभावित करना चाहते हैं. अगर झारखंड के इलेक्शन शिड्यूल पर बारीकी से नजर डाली जाए, तो कमाल की कुटिल नीति चली गयी है. झारखंड विधानसभा की पटकथा असम में लिखी गयी, मुहर दिल्ली भाजपा मुख्यालय में लगी और इलेक्शन कमीशन ने उसे केवल जारी किया. आखिरकार एक ही जिले में दो अलग-अलग तिथियों में चुनाव कराने का निर्णय क्यों हुआ. क्या ये लोग ही बहुत अधिक बुद्धिमान और शातिर हैं और देश में सारे बेवकुफ. ऐसा नहीं है. मांडू, रामगढ़, खिजरी और सिल्ली की चुनाव तिथि पर नजर डाली जाए तो सारी तस्वीर स्पष्ट हो जाएगी. ये विधानसभाएं निकट की विधानसभा के चौहद्दी को छूती हैं. अगर सिल्ली और खिजरी की बात करें तो वह तमाड़, ईचागढ़, हटिया सहित कई विधानसभा को प्रभावित करती हैं. इसी तरह से मांडू और रामगढ़ की बात करें तो इसकी सीमा कांके, हजारीबाग, बड़कगांव, गिरिडीह, कोडरमा विधानसभा की टच करती है. यानी की स्पष्ट है कि चुनाव के दिन निकट के वैसे विधानसभा क्षेत्र में प्रधानमंत्री और गृह मंत्री की सभा कराई जाए, ताकि जहां चुनाव है, वहां उसे प्रभावित किया जा सके. ये बातें झामुमो के महासचिव एवं प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने पार्टी कार्यालय में बुधवार को आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान कही.

उन्होंने कहा कि आज के तकनीकी युग में न जनता मूर्ख है न राजनीतिक दल या नेता. इतनी सी चालाकी तो हम लोग भी भाजपा से सीख ही गए हैं. सुप्रियो ने कहा कि चुनाव में सभी राजनीतिक दलों ओर प्रत्याशियों को समान अवसर प्रदान होना चाहिए. अगर भाजपा के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह स्टार प्रचारक हैं, नो फ्लाइंग जोन घोषित हो सकता है तो हमारे नेता भी हमारे दलों के स्टार प्रचारक हैं. इसलिए इलेक्शन कमीशन सभी दलों, सभी नेताओं और सभी प्रत्याशियों को समान अवसर एवं सुविधा प्रदान करे. सुप्रियो ने इलेक्शन कमीशन की साख पर सवाल उठाते हुए कहा कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में चंढ़ीगढ मेयर इलेक्शन जैसी चालाकी की गयी. ऐसी चालाकी लोकसभा चुनाव में भी की गयी. सुप्रियो ने भाजपा और केंद्र सरकार से आग्रह किया कि वह अब भी केंद्रीय एजेंसियों और संस्थाओं को अपने हिसाब से संचालित करना छोड़ दे और उन्हें निष्पक्ष तरीके से काम करने की आजादी दे. फिर हम बंटी और बबली की जोड़ी से सामना करने को पूरी तरह से तैयार हैं.

सिंहभूम चैम्बर का दिवाली ट्रेड फेयर 21 व 22 अक्टूबर को

जमशेदपुर । सिंहभूम चैंबर भवन में 21 व 22 अक्टूबर को दिवाली ट्रेड फेयर का आयोजन किया गया है. ट्रेड फेयर वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देने एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है. इस मेले की तैयारियों के लिए बुधवार को पोस्टर का विमोचन किया गया. जिसमें चैम्बर के अध्यक्ष विजय आनंद मूनका, महासचिव मानव केडिया, उपाध्यक्ष ट्रेड एंड कॉमर्स अनिल मोदी, उपाध्यक्ष उद्योग पुनीत कांवटिया आदि मौजूद रहे. चैम्बर के अध्यक्ष विजय आनंद मूनका ने बताया कि व्यापार एवं उद्योग को बढ़ावा देना चैम्बर का मुख्य उद्देश्य है. इसी उद्देश्य से दीपावली ट्रेड फेयर का आयोजन किया जा रहा है. उन्होंने से लोगों से इस मेले में आकर मेले का लाभ उठाने की अपील की. महासचिव मानव केडिया ने कहा कि शहर की महिलायें भी अपने छोटे प्रकल्पों के द्वारा व्यवसाय कर धनोपार्जन कर रही है. ऐसी महिला उद्यमियों एवं स्थानीय कारीगरों को इस त्योहारी सीजन में ट्रेड फेयर के माध्यम से एक मंच उपलब्ध कराया जा रहा है.

उपलब्धि सात दिवसीय 54वें गुरमत कैंप में कविता पाठ समेत कई क्षेत्र में जीते पुरस्कार

भुवनेश्वर में सिख बच्चे-बच्चियों ने जमशेदपुर का लहराया परचम

संवाददाता । जमशेदपुर

जमशेदपुर के सिख बच्चों ने पड़ोसी राज्य ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में परचम लहराते हुए लौहनगरी और सिखी का नाम रोशन किया है. भुवनेश्वर में संपन्न सात दिवसीय 54वें गुरमत कैंप में जमशेदपुर की बच्ची जपलीन कौर ने कविता पाठ और अन्य धार्मिक क्रियाकलाप के लिए विशेष पुरस्कार तथा युवक करणवीर सिंह ने खेल के क्षेत्र में और श्रेष्ठ अनुशिक्षक होने का पुरस्कार जीता. गत आठ अक्टूबर को शुरू हुए गुरमत कैंप का समापन 15 अक्टूबर को हुआ. सीजीपीसी के पदाधिकारियों ने भुवनेश्वर पहुंचकर बच्चों का मनोबल बढ़ाया. समापन समारोह के मुख्य अतिथि शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पूर्व महासचिव गुरचरण सिंह ग्रेवाल थे. विशिष्ट अतिथि सीजीपीसी के प्रधान सरदार भगवान सिंह और तख्त श्री हरमंदिर साहिब, पटना के महासचिव इंदरजीत सिंह ने बच्चों की हौसलाआफ्जाई की. सीजीपीसी के प्रधान सरदार भगवान सिंह ने जमशेदपुर के बच्चों की सफलता पर उन्हें बधाई और शुभकामना देते हुए कहा कि उन्हें खुशी है कि जमशेदपुर के बच्चे शहर और सिखी का झंडा बुलंद कर रहे हैं, पूरी लौहनगरी को उनपर गर्व है. सीजीपीसी के महासचिव अमरजीत सिंह, सुखविंदर सिंह राजू और टिनप्लेट के प्रधान सुरजीत सिंह खुशीपुर ने भी कार्यक्रम में शिरकत की. मानगो के महासचिव जसवंत सिंह जस्सू डिप्टी कमांडेंट के रूप में सेवा निभा रहे थे. गुरुद्वारा सिंह सभा भुवनेश्वर में गुरमत शिक्षा कैंप का आयोजन सिख फोरम कोलकाता, सिख वेलफेयर एसोसिएशन कोलकाता, गुरुद्वारा सिंह सभा भुवनेश्वर के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था. झारखंड, बिहार व बंगाल से करीब 129 बच्चे-बच्चियां शामिल हुए. जिन्हें प्रशस्ति पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया.

भुवनेश्वर के गुरमत कैंप में भाग लेने वाले व पुरस्कार जीतने वाले बच्चे पूरी टीम के साथ.

18 सदस्यों की टीम में 15 बच्चे शामिल थे

जमशेदपुर से कुल 18 सदस्यों की टीम रवाना हुई थी, जिनमें 15 बच्चे करणवीर सिंह, गुरप्रीत सिंह, मनप्रीत सिंह, जुगत सिंह, जपलीन कौर, जसप्रीत कौर, प्रभदीप सिंह, महेन्दर सिंह, रसप्रीत सिंह, गुरविंदर सिंह, मनिंदर सिंह, अंशु सिंह, जगदीप सिंह, मनिंदर सिंह और सरग सिंह शिविर में प्रतिभागी बने थे.

पिल्ले हत्याकांड में शामिल आठ अभियुक्त गिरफ्तार

प्रेस वार्ता में जानकारी देते एसएसपी किशोर कौशल.

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

कदमा के युवक देवराज पिल्ले हत्याकांड का बुधवार को जिला पुलिस ने खुलासा किया. घटना में शामिल आठ अपराधकर्मियों को गिरफ्तार कर लिया गया. साथ ही हत्या में प्रयुक्त चाकू, स्कूटी व बाइक बरामद कर ली गई. गिरफ्तार अभियुक्तों में बिष्टुपुर गुरुद्वारा बस्ती का रहने वाला मनमीत सिंह गुजराल उर्फ अनमोल उर्फ जोरावर सिंह एवं अमृत सिंह उर्फ टिड्डा, ओल्ड रानीकुदर का यश सोनकर उर्फ चीकू, रानीकुदर रोड नंबर- 2 का अभय कुमार यादव उर्फ़ टुनटुन यादव, आरुष लाल, बिष्टुपुर साउथ पार्क का प्रतीक कुमार, बिष्टुपुर क्यू रोड का अनमोल लाल और जोयदीप नायक उर्फ जोजो शामिल है. एसएसपी किशोर कौशल ने बताया कि 13 अक्टूबर की रात में दुर्गा पूजा विसर्जन के दौरान मोटरसाइकिल में सवार युवकों ने देवराज पिल्ले से विवाद होने पर उसे घेर लिया तथा चाकू मारकर उसकी हत्या कर दी थी. इन लोगों ने उसी रात मेला देखकर घर जा रहे एक व्यक्ति पर भी चाकू से हमला किया गया था, जिससे वह घायल हो गया था. इस मामले में पुलिस ने दो अलग-अलग कांड दर्ज कर जांच शुरू की.

ब्रीफ खबरें

काली पूजा कमेटी के अध्यक्ष बने शैलेंद्र सिंह

आदित्यपुर। सार्वजनिक काली पूजा कमेटी एमआईजी, एलआईजी और जनता रो हाउस ने बुधवार को दुर्गा पूजा मंडप एमआईजी में बैठक की. इसमें पूर्व कमेटी को भंग करते हुए नई कमेटी का चुनाव किया गया. सदस्यों ने सर्वसम्मति से शैलेंद्र कुमार सिंह को पुनः अध्यक्ष चुना. वहीं चेयरमैन समरेंद्र प्रताप सिंह, महासचिव संजय पांडे, उपाध्यक्ष सुमित कुमार सिंह, अनुराग श्रीवास्तव, प्रभात कुमार सिंह, अभिषेक कुमार सिंह और सुनील तिवारी को बनाया गया. बैठक में 17 अक्टूबर को भूमि पूजन शाम 3:00 बजे करने का निर्णय लिया गया.

श्रीश्री सार्वजनिन काली पूजा कमेटी का भूमि पूजन 20 को

आदित्यपुर। श्रीश्री सार्वजनिन काली पूजा कमेटी फुटबॉल मैदान इस वर्ष धूमधाम से काली पूजा का आयोजन करेगी. यह निर्णय मंगलवार देर शाम हुई कमेटी की बैठक में लिया गया. सर्वसम्मति से सदस्यों ने सक्रिय सदस्य झामुमो नेता पवित्रो बर्मन को अध्यक्ष चुना. कमेटी में अंजन कुमार दास एवं सुशील मंडल को संरक्षक चुना गया. कार्यकारिणी में महासचिव अधिवक्ता नरेंद्र प्रसाद और कोषाध्यक्ष के रूप में मानिक दास को जिम्मेदारी सौंपी गई है. नई कार्यकारिणी ने 20 अक्टूबर की सुबह विधिवत भूमि पूजन करने का निर्णय लिया है.

13 नवंबर चुनाव की तिथि अप्रासंगिक : फूलकांत

आदित्यपुर। कांग्रेस के वरीय जिला उपाध्यक्ष फूलकांत झा ने कहा कि 13 नवंबर को झारखंड विधानसभा चुनाव की तिथि अप्रासंगिक है. चूंकि 15 नवंबर को राज्य का स्थापना दिवस है, ऐसे में चुनाव की वजह से झारखंड की जनता और जन प्रतिनिधि स्थापना दिवस को सेलिब्रेट नहीं कर पाएंगे. उन्होंने चुनाव आयोग से मांग की है झारखंड में भी महाराष्ट्र की तरह एक दिन 20 नवंबर को चुनाव करए जाएं. जब महाराष्ट्र और हरियाणा में एक दिन में ही चुनाव कराए जा सकते हैं तो झारखंड की 81 सीटों पर एक ही दिन में चुनाव क्यों नहीं कराए जा सकते.

झारखंड बास्केटबॉल लीग सेशन-एक 18 से 20 तक

जमशेदपुर। झारखंड बास्केटबॉल एसोसिएशन की ओर झारखंड बास्केटबॉल लीग सेशन-एक का आयोजन 18 से 20 अक्टूबर तक धातकीडीह सामुदायिक विकास केंद्र में किया जाएगा. इसमें पूरे झारखंड से छह टीमें भाग ले रही हैं. एक टीम में 12 खिलाड़ी होंगे. छह सीनियर टीम, तीन जूनियर टीम और तीन यूथ प्लेयर्स की टीम रहेगी. झारखंड बास्केटबॉल एसोसिएशन के सचिव एवं इंडिया टीम के कोच जेपी सिंह ने बताया कि सभी लीग मैच शाम छह बजे से शुरू होगा.

कनाडा से राजनयिक संबंध तोड़ने की सराहना

जमशेदपुर। राष्ट्रीय सनातन सिख सभा के राष्ट्रीय संयोजक कुलविंदर सिंह ने कनाडा के खिलाफ उठाए गए भारत के कदम की सराहना की है. कुलविंदर सिंह ने कहा कि सारे राजनयिकों को बुलाकर भारत ने सही किया है. जिस तरह से निज्जर हत्याकांड के बाद कनाडा विश्व स्तर पर भारत को बदनाम करना चाहता है उसकी कोशिश कभी सफल नहीं होगी. भारत की आजादी और निर्माण में पंजाबी खासकर सिखों की बड़ी भूमिका रही है और भारत को कोई कमजोर करे, इसे सच्चा सिख बर्दाश्त नहीं करेगा. जो अराजक तत्व होते हैं उनके अपने मोहल्ले में कई दुश्मन होते हैं और कनाडा को अपने घर में ही अच्छी तरह से जांच करनी चाहिए.

कन्वाई चालक गांधीगिरी कर जताएंगे विरोध

जमशेदपुर। आठ महीने से धरना पर बैठे कन्वाई चालकों ने उग्र आंदोलन करने की बजाय गांधीगिरी कर विरोध जताने का निर्णय लिया. धरनास्थल पर बुधवार को हुई बैठक में उक्त निर्णय लिया गया. मजदूर नेता ज्ञानसागर प्रसाद ने बताया कि इतने महीने से धरना पर बैठने के बाद भी कंपनी का कोई पदाधिकारी सुध लेने नहीं आया. जिसके कारण कंपनी के नव नियुक्त प्लांट हेड सुनील कुमार तिवारी के सामने गांधीगिरी करके विरोध जताने का निर्णय लिया गया. इसके तहत कन्वाई चालक सुबह 10 बजे उनके कार्यालय जाकर उन्हें गुलदस्ता भेंटकर उनके सामने अपनी मांगे रखेंगे.

मतदान केंद्रों पर मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था व स्वीप गतिविधियां संचालित करने का निर्देश

आदर्श आचार संहिता को प्रभावी ढंग से लागू करें अधिकारी : डीसी

संवाददाता। आदित्यपुर

विधानसभा आम निर्वाचन 2024 की तैयारी के निमित्त जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रवि शंकर शुक्ला की अध्यक्षता में सभी विधानसभा क्षेत्र के आरओ एवं एआरओ के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक हुई. बैठक में मुख्य रूप से उप विकास आयुक्त प्रभात कुमार बरदीयार, परियोजना निदेशक आईटीडीए आशीष अग्रवाल एवं अन्य उपस्थित रहे. उपायुक्त ने सरायकेला-खरसावां जिले में लागू आदर्श आचार संहिता के संदर्भ में जानकारी दी, तथा इसके प्रभावी नियंत्रण को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए. उपायुक्त ने कहा कि आदर्श आचार संहिता के लागू होने के उपरांत 24 घंटे, 48 तथा 72 घंटे में की जाने वाली कार्यों को निश्चित समयावधि में पूर्ण कराएं.

उन्होंने कहा कि किसी भी परिस्थिति में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन तथा प्रतिनियुक्त पदाधिकारी व कर्मियों को सौंपी गई जिम्मेदारियों के निर्वहन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी. अतः अपने जिम्मेदारियों का निर्वाहन पूरी तत्परता एवं गंभीरता से करें. उपायुक्त ने विधानसभावार मतदान केंद्र पर उपलब्ध न्यूनतम सुविधाओं की समीक्षा कर सभी मतदान केंद्रों पर न्यूनतम सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए. इस मतदाता जागरुकता उद्देश्य से स्वीप कार्यक्रम के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन हेतु जिला स्तर से कैलेंडर निर्धारित किया गया है. सभी संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए गांव एवं पंचायत स्तर पर निर्धारित कैलेंडर के अनुरूप विभिन्न गतिविधियों का आयोजन सुनिश्चित करें. स्थानीय भाषा में पंचायत स्तर पर लोगों को मतदान की प्रक्रिया, मतदान की तिथि, बूथ संख्या की जांच तथा मतदान की महत्ता समेत विभिन्न बिंदुओं के संबंध में जागरूक करना सुनिश्चित करेंगे. नियमानुसार एफएसटी-एसएसटी की टीम को एक्टिव करें, जिला स्तर से टीम पर निगरानी रख सहयोग प्रदान करें. सभी निर्वाचित निबंधन पदाधिकारी अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र के एआरओ के साथ समय-समय पर बैठक कर तैयारियों की नियमित समीक्षा करें ताकि सभी तैयारियां ससमय पूर्ण कर सभी मतदान केंद्रों पर बेहतर सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए निर्वाचन प्रक्रिया को पूर्ण किया जा सके.

1055 मतदान केंद्र पर 8 लाख 85 हजार 62 मतदाता देंगे वोट

- जिले में 4 लाख 40 हजार 501 पुरुष और 4 लाख 44 हजार 552 मतदाता
- 10657 दिव्यांग मतदाता के लिए रहेगी विशेष व्यवस्था

संवाददाता। आदित्यपुर

जानकारी देते सरायकेला डीसी.

झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए तारीखों की घोषणा होते ही सरायकेला जिला प्रशासन ने विधानसभा चुनाव के लिए कमर कस ली है. जिले के तीन विधानसभा क्षेत्र सरायकेला, खरसावां और ईचागढ़ हैं. तीनों विस क्षेत्र में कुल 1055 मतदान केंद्र बनाए गए हैं. इन केंद्रों पर कुल 8 लाख 85 हजार 62 मतदाता मतदान करेंगे. सरायकेला विस में कुल मतदाताओं की संख्या 3 लाख 69 हजार 195 है. खरसावां विस में 2 लाख 27 हजार 74 मतदाता हैं. ईचागढ़ विस क्षेत्र में मतदाताओं की कुल संख्या 2 लाख 88 हजार 793 है. सरायकेला जिले में पुरुषों से ज्यादा महिला मतदाता हैं. 4 लाख 40 हजार 501 पुरुष और 4 लाख 44 हजार 552 महिला मतदाता हैं. इनमें 10657 दिव्यांग मतदाता हैं. इनके लिए जिला प्रशासन ने विशेष व्यवस्था की है. बता दें कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी सह उपायुक्त ने तीनों विधानसभा के लिए अलग-अलग निर्वाची पदाधिकारी प्रतिनियुक्त कर दी है. सरायकेला विस के लिए सरायकेला एसडीएम सदानंद महतो, खरसावां विस के लिये अपर उपायुक्त सरायकेला जयवर्धन कुमार और ईचागढ़ विस के लिए चांडिल एसडीएम विकास कुमार राय को निर्वाची पदाधिकारी बनाया गया है. चुनाव सम्पन्न कराने के लिए जिले में 561 विभिन्न प्रकार के कार के साथ 77 मिनी बस और 177 बसों की व्यवस्था रहेगी. जिला निर्वाचन अधिकारी के अनुसार सभी मतदान केंद्रों पर ईवीएम के साथ वीवीपैट रहेंगे, जिसमें मतदाता जिसे वोट करेंगे उसे देख सकेंगे. तीनों विधानसभा के लिए डिस्पैच सेंटर काशी साहू कॉलेज निर्धारित किया गया है, जहां 23 नवंबर को मतगणना भी होगी.

कार की चपेट में आने से 60 वर्षीय वृद्ध की मौत

गालूडीह बराज डैम के पास मुख्य सड़क पर हुई दुर्घटना

संवाददाता। घाटशिला

गालूडीह थाना क्षेत्र के बराज डैम के पास बुधवार को मुख्य सड़क पर कार के धक्के से गालूडीह के हाटचाली निवासी प्रदीप हलदार 60 वर्षीय वृद्ध की घटनास्थल पर ही मौत हो गई. चालक मौके से गाड़ी लेकर फरार हो गया. पुलिस जगन्नाथपुर के पास से ओडिशा निवासी चालक अमित मिंज के साथ कार को जब्त कर थाना लेकर आई है. घटना की सूचना पर आसपास के लोग जुट गए. सूचना मिलते ही गालूडीह पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया है. प्रदीप हलदार बराज डैम स्नान करने गये थे. उसी दौरान बराज शिव मंदिर के पास बराज डैम की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार संख्या ओडी 14एए 0301 बुजुर्ग को धक्का मारते हुए निकल गयी. सूचना मिलते ही गालूडीह पुलिस घटनास्थल पहुंची. पुलिस मामले की जांच कर रही है. परिजनों ने बताया कि प्रदीप हालदार की शादी नहीं हुई थी. घटना की जानकारी मिलते ही आसपास से काफी संख्या में लोग पहुंच गए. परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है.

डेमकाडीह चौक पर ट्रेलर दुर्घटनाग्रस्त, कोई हताहत नहीं

राष्ट्रीय उच्च पर 33 पर डेमकाडीह चौक के समीप बुधवार की दोपहर में एक ट्रेलर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे दुर्घटनाग्रस्त हो गया. घटना में कोई हताहत नहीं हुआ. मिली जानकारी के अनुसार ट्रेलर डिमना की ओर से घाटशिला जा रहा था. डेमकाडीह चौक पर चालक द्वारा एका एक ब्रेक लगाए जाने के कारण ट्रेलर का अगला हिस्सा अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर पर चढ़ गया तथा ट्राली की दूसरी तरफ मुड़ गया. जिससे ट्रेलर पलटने से बच गया. घटना के

समय कोई भी राहगीर उस ओर से नहीं आ रहा था. अन्यथा बड़ी घटना हो सकती थी. उक्त घटना के बाद चालक भी पूरी तरह सुरक्षित बाहर निकल गया.

चौकीदार भर्ती की लिखित परीक्षा अब 17 नवंबर को

संवाददाता। घाटशिला

चौकीदार भर्ती के लिए लिखित परीक्षा अब 17 नवंबर को होगी. पहले परीक्षा की तिथि 20 अक्टूबर निर्धारित की गयी थी. जिला जनसपंर्क कार्यालय, पूर्वी सिंहभूम की ओर से जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि विधानसभा चुनाव 2024 की घोषणा कर देने के कारण जिला अंतर्गत विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के लिए नाम निर्देशन 18 नवंबर से प्रारंभ हो रहा है. पूरे जिला प्रशासन के चुनाव कार्य में अतिव्यस्तता के कारण 20 अक्टूबर को निर्धारित चौकीदार भर्ती लिखित परीक्षा स्थगित की गयी है. परीक्षा की अगली तिथि दिनांक 17 नवंबर को सुबह 11 बजे पूर्वाह्न से 1 बजे अपराह्न निर्धारित की गई है. परीक्षा केंद्र की सूची अभ्यर्थियों के क्रमांक के साथ जिला प्रशासन के वेबसाइट www.jamshedpur.nic.in पर परीक्षा तिथि से एक सप्ताह पूर्व जारी कर दी जाएगी.

सिंहभूम चैंबर के एग्जक्यूटिव मेंबर की कार से लैपटॉप व नकद टपाया

वरीय संवाददाता। जमशेदपुर

सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के कार्यकारिणी सदस्य (एग्जक्यूटिव मेंबर) आकाश मोदी की कार से उच्चकों ने लैपटॉप, 25 हजार नकद व कागजात की चोरी कर ली. घटना बुधवार को अपराह्न लगभग छह बजे के आस-पास हुई. कार चैंबर भवन के सामने टीके कॉम्प्लेक्स के पास हुई. घटना के समय आकाश मोदी सिंहभूम चैंबर के अध्यक्ष विजय आनंद मुनका समेत अन्य पदाधिकारियों के साथ जुगसलाई स्थित चैंबर के पदाधिकारी लिप्पू शर्मा के घर गए थे. लिप्पू शर्मा के पिता वंशीधर शर्मा का कुछ दिन पहले ही निधन हो गया था. इस उपलक्ष्य में उनके घर पर बैठक रखी गई थी, जिसमें सभी शामिल हुए. जुगसलाई से लौटने के बाद आकाश मोदी जब अपनी कार के समीप गए तो देखा कि कार की बांयी ओर की आगे के दरवाजे के सामने का कांच टूटा हुआ है. समीप जाकर देखा तो कार की सीट पर रखा बैग गायब था.

लीज नवीकरण के लिए घाटशिला कॉलेज के कैंपस-टू जमीन की मापी

संवाददाता। घाटशिला

घाटशिला कॉलेज के विस्तार कार्य हेतु धरमबहाल मौजा के फूलडूंगरी में 1975 में तत्कालीन बिहार सरकार से 30 वर्षों के लीज में मिली 9.35 एकड़ जमीन का लीज वर्ष 2006 में समाप्त हो गया था. उक्त भूमि के लीज नवीकरण को लेकर घाटशिला अंचल अधिकारी के निर्देश पर अंचल अमीन एवं कर्मचारी द्वारा लीज में प्राप्त भूमि की मापी एवं सीमांकन करवाया गया.

प्राचार्य डॉ आरके चौधरी ने बताया कि वहां प्लाट 709 में 4.15 एकड़ तथा प्लॉट 829 में 5.20 एकड़, कुल 9.35 एकड़ भूमि लीज में प्राप्त हुआ था. मापी के दौरान यह पता चला कि प्लॉट 829 की सभी जमीन 5.20 एकड़ जमीन अंचल कार्यालय द्वारा पूर्व में सिविल कोर्ट को दे दी गई है. घाटशिला कॉलेज के नाम आवंटित भूमि प्लॉट 829 की सभी भूमि कोर्ट के नाम कैसे कर दी गई यह विचारणीय है. कोर्ट को जितनी भूमि की आवश्यकता थी, उसकी बाउंड्री हो गई है. कोर्ट बाउंड्री के बाहर बची 1.5 एकड़ भूमि अभी भी कॉलेज के खेल मैदान के उपयोग में है. उक्त भूमि की वापसी की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ की जाएगी.

एफएसटी व एसएसटी टीम को प्रशिक्षण

एसपी व डीसी ने दिया समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश

संवाददाता। आदित्यपुर

झारखंड विधानसभा आम निर्वाचन 2024 के परिप्रेक्ष्य में बुधवार को एफएसटी, एसएसटी टीम में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी को प्रशिक्षण दिया गया. सरायकेला समाहरणालय सभागार में आयोजित प्रशिक्षण बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रवि शंकर शुक्ला तथा पुलिस अधीक्षक मुकेश लुणायत उपस्थित थे. निर्धारित नाकों पर वाहनों की जांच करें. उपायुक्त ने कहा कि दल में प्रतिनियुक्त पदाधिकारी विधानसभा आमचुनाव की चुनावी प्रक्रिया के दौरान पुलिस विभाग के दलों के साथ बेहतर तालमेल करें. अपने क्षेत्रों में कड़ी निगरानी रखें. प्रशिक्षण के दौरान सी-विजिल इनवेस्टिगेटर ऐप (सीविजिल) और इलेक्शन सीजर मैनेजमेंट सिस्टम एप (ईएसएमएस) की कार्यप्रणाली की जानकारी दी गई . उन्होंने कहा कि ऐप और कंट्रोल रूम के माध्यम से मिली सूचना और शिकायत पर एफएसटी त्वरित कार्रवाई करे. वहीं एसएसटी निर्धारित नाकों पर वाहनों की जांच करें ताकि मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए अवैध धन और शराब आदि एक स्थान से दूसरे स्थान तक न पहुंचाई जा सके. किसी भी प्रकार संदिग्ध बरामदगी होने पर तुरंत उच्चाधिकारियों को सूचित करें.

पुलिस अधीक्षक मुकेश लूणायत ने कहा कि बेहतर समन्वय स्थापित कर कार्य करें. अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी तत्परता एवं गंभीरता से करें. निगरानी दल बड़ी छोटी सभी प्रकार के वाहनों का नियमित जांच करें साथ ही जांच किए जा रहे हैं सभी वाहनों के नाम एवं रजिस्ट्रेशन नंबर डायरी में मेंटेन करें. अपने कार्य दायित्व के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या पर स्थानीय थाना प्रभारी या जिला स्तरीय पदाधिकारी को इसकी सूचना दें ताकि आवश्यकता अनुसार यथाशीघ्र सहायता प्रदान की जा सके.

मुख्य प्रशिक्षणकर्ता के रूप में अपर उपायुक्त जयवर्धन कुमार तथा प्रशिक्षण कोषांग के अन्य सदस्य द्वारा पीपीटी के माध्यम से बिंदुवार प्रशिक्षण दिया गया. मौके पर अपर उपायुक्त जयवर्धन कुमार, प्रशिक्षण कोषांग के वरीय पदाधिकारी रविंद्र गागराई, अनुमंडल पदाधिकारी सरायकेला एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे.

सेवा संगठन का लक्ष्य हर समय जरूरतमंदों की मदद करना : अमरप्रीत सिंह काले

अर्पण दीपावली पर बांटेगा पूजन सामग्री, नए कपड़े, पटाखे व मिठाई

संवाददाता। जमशेदपुर

शहर की सामाजिक संस्था 'अर्पण' ने हर साल की तरह इस वर्ष भी आगामी त्योहारों पर अपने सेवा कार्यों को सफल बनाने के लिए मंगलवार को बैठक बुलाई. बैठक में संस्था के सदस्यों ने विभिन्न योजनाओं पर चर्चा की बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी दिनों में दीपावली के अवसर पर बोड़ाम प्रखंड के ब्रजपुर गांव के बागबेड़ा में जरूरतमंद परिवारों में दीपावली एवं काली पूजा के लिए पूजन सामग्री, बच्चों के बीच नए कपड़े, गर्म कपड़े, पटाखे, मिठाई एवं अनेक प्रकार के उपहार बांटे जाएंगे. छठ महापर्व के अवसर पर शहर के दर्जन भर घाटों पर छठ व्रत धारियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शिविर लगाए जाएंगे. कार्तिक पूर्णिमा के दौरान स्वर्णरेखा नदी के घाट पर श्रद्धालुओं के बीच अन्न दान किया जाएगा.

बैठक को संबोधित करते सामाजिक संस्था 'अर्पण' के मुख्य संरक्षक अमरप्रीत सिंह काले.

मुख्य संरक्षक अमरप्रीत सिंह काले ने कहा कि सामाजिक सेवा के इन कार्यों से न केवल जरूरतमंदों की मदद होती है, बल्कि यह हमें एकजुटता और सहानुभूति का अहसास भी कराता है. हमें मिलकर इन त्योहारों को और भी विशेष बनाना है. समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रयासरत रहना है 'अर्पण' परिवार ऐसे नेक कार्य में अग्रसर है, जो समाज में सेवा और सहायता के भाव को बढ़ावा देता है. संगठन का लक्ष्य केवल त्यौहारों पर ही नहीं, बल्कि हर समय जरूरतमंदों की मदद करना है. उन्होंने कहा कि अर्पण परिवार के सभी सदस्यों, सहयोगियों और समाज के सभी लोगों से अपील करता हूं कि वे इस प्रकार के पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लें और समाज में एक सकारात्मक बदलाव लाने में भूमिका निभाएं. संचालन जूगुन पांडे एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रिंस सिंह ने किया. पप्पू राव, उपेन्द्र कुमार, विभाष मजूमदार, दीपक सिंह, मनीष सिंह, घनश्याम भिरभरिया, शेखर मुखी, सौरव चटर्जी, विवेक कामत, विक्रम ठाकुर, रवि गिल, त्रिनाथ मुखी, अभिषेक पांडे एवं अन्य सदस्यों ने सेवा कार्यों को सफल बनाने का संकल्प लिया.

न्यूज अपडेट

रौनियार वैश्य समाज का मिलन समारोह 17 को

आदित्यपुर। रौनियार वैश्य समाज का 17 अक्टूबर को विजया दशमी सह पारिवारिक मिलन समारोह आदित्यपुर 2 स्थित आनंद विहार सभागार में आयोजित होगा. हर साल रौनियार युवा मंच द्वारा धूमधाम से इसका आयोजन किया जाता है. कार्यक्रम के संयोजक विनोद कुमार गुप्ता और अध्यक्ष योगेंद्र प्रसाद को बनाया गया है. संगठन सचिव प्रमोद गुप्ता संयोजक हैं. यह निर्णय बुधवार की सुबह हुई बैठक में लिया गया है. कार्यक्रम अपराह्न 3 बजे से रात 9 बजे तक चलेगा. इस दौरान अंतिम हिंदू सम्राट हेमचंद्र विक्रमादित्य रौनियार की याद में एक गोष्ठी होगी. रौनियार समाज इस अवसर पर महापुरुष सम्राट हेमू रौनियार, चाणक्य, चंद्रगुप्त, राजा टोडरमल, महात्मा गांधी आदि के योगदान पर विमर्श करेगा.

डोमजुड़ी-मालबांधी सड़क जर्जर, ग्रामीण परेशान

बहरागोड़ा। बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के डोमजुड़ी से मालबांधी तक जाने वाली लगभग चार किलोमीटर मुख्य सड़क जर्जर हो गई है. इससे आवागमन करने वाले ग्रामीण परेशान हैं. सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे दुर्घटना को आमंत्रण दे रहे हैं. इसी सड़क से होकर कई गांव के विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रत्येक दिन आना-जाना करते हैं. सबसे अधिक दिक्कतों का सामना गर्भवती महिलाओं को चिकित्सा के लिए आते-जाते वक्त करना पड़ता है. उधर लोगों का कहना है कि कई वर्षों से यह सड़क बदहाल स्थिति में है, लेकिन मरम्मत का कार्य आज तक शुरू नहीं हो पाया है. इसके लिए ग्रामीण कई बार स्थानीय जनप्रतिनिधि से लेकर संबंधित विभाग को अवगत करा चुके हैं. वहीं अभी तक कोई पहल नहीं होने से ग्रामीण काफी नाराज हैं.

झारखंड-ओडिशा बॉर्डर पर वाहनों की हो रही जांच

डुमरिया। राज्य में विधानसभा चुनाव को लेकर अधिसूचना जारी होते ही पुलिस ने सीमा क्षेत्र में चौकसी कड़ी कर दी है. मुचरीशोल के समीप सीमा नाला पुलिया पर बुधवार को चेक नाका बनाकर पुलिस की तैनाती कर दी गई है. ओडिशा से आने जाने वाली तथा गुड़ाबांदा-डुमरिया रास्ते से गुजरने वाली सभी वाहनों की पुलिस गहन जांच कर रही है. ओडिशा बॉर्डर से कैश लाने और झारखंड में विधानसभा चुनाव में गलत इस्तेमाल करने की आशंका पर सभी वाहनों की जांच की गई. विगत लोकसभा चुनाव के दौरान निर्धारित मात्रा से अधिक कैश ले जाते कई वाहन से पुलिस ने राशि जब्त की थी.

आचार संहिता लगते ही वाहनों की सघन जांच शुरू

बहरागोड़ा। निर्वाचन आयोग द्वारा झारखंड विधानसभा चुनाव के तिथि घोषणा करते ही राज्य की सीमा पर प्रशासन द्वारा बैरिकेड लगाकर वाहनों की सघन जांच की जा रही है. बहरागोड़ा प्रखंड की सीमा पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल तथा ओडिशा से मिलती है. प्रशासन द्वारा पड़ोसी राज्य से प्रवेश वाले सभी सीमा पर चेक नाका लगाकर आने जाने वाले सभी वाहनों की जांच की जा रही है. प्रशासन द्वारा कहा गया कि यह जांच अभियान निर्वाचन आयोग के गाइडलाइन के अनुसार ही किया जा रहा है. जिसमें नगद पैसे ,आभूषण, आग्नेय शस्त्र तथा वाहन संबंधित कागजात की जांच पड़ताल करने के उपरांत ही अन्य राज्य से आने वाले वाहनों को प्रवेश की अनुमति दी जा रही है.

दिवाकर भकत की 7वीं पुण्यतिथि मनाई गई

घाटशिला। कुंभकार प्रगतिशील समिति के संस्थापक सदस्य सह पूर्व उपाध्यक्ष दिवाकर भकत की 7वीं पुण्यतिथि बुधवार को माटीकला भवन लालडीह घाटशिला में मनाई गई. इस मौके पर उनके चित्र पर सभी ने माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया. श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय अध्यक्ष जगदीश भकत ने कहा दिवाकर बाबू सामाजिक क्षेत्र में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेते थे. उनकी सोच थी कि समाज के हर व्यक्ति शिक्षित हो इसके लिए अनवरत कार्य करते रहे. माटीकला भवन उन्हीं के सोच का परिणाम है. दिवाकर बाबू हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड के पूर्व अधिकारी एवं विद्वान के रूम में जाने जाते थे. इस अवसर पर काजल डॉन, विकास मजूमदार सहित समिति के सदस्य उपस्थित थे.

अधिवक्ताओं को मिलेगा स्वास्थ्य बीमा का लाभ

जमशेदपुर। जमशेदपुर जिला बार संघ के भवन में बुधवार को वरिष्ठ अधिवक्ता मनोज कुमार की अध्यक्षता में बैठक हुई. मनोज ने बताया कि झारखंड सरकार द्वारा गठित झारखंड स्टेट आरोग्य समिति के कार्यकारी निदेशक अबू इमरान ने अधिवक्ता कल्याण न्यास समिति के अध्यक्ष सह महाधिवक्ता राजीव रंजन को पत्र भेजकर बताया है कि जो अधिवक्ता कल्याण न्यास समिति के सदस्य होंगे, उन्हें स्वास्थ्य बीमा का लाभ प्राप्त होगा. इसी क्रम में 19 अक्टूबर को राजीव रंजन जमशेदपुर में सदस्यों को सर्टिफिकेट देंगे और स्वास्थ्य बीमा का लाभ लेने हेतु फार्म भी उपलब्ध कराया जाएगा. बैठक में पेंशन कमेटी के सदस्य परमजीत कुमार श्रीवास्तव, अक्षय कुमार झा, डॉ. वीरेंद्र कुमार, अमित कुमार, वरीय अधिवक्ता सुनील कुमार स्वाईं और झारखंड उच्च न्यायालय के अधिवक्ता मौजूद थे.

टेल्को में काली पूजा समिति ने किया खूंटी पूजन

जमशेदपुर। टेल्को में स्थित 22 फीट काली पूजा समिति ने बुधवार को वैदिक मंत्रोच्चार और परंपराओं के साथ भूमि सह खूंटी पूजन संपन्न किया. यह आयोजन न केवल जमशेदपुर, बल्कि झारखंड, बिहार, बंगाल और ओडिशा के श्रद्धालुओं के बीच प्रसिद्ध है. हर वर्ष दूर-दूर से भक्त मां भद्रकाली के दर्शन के लिए यहां आते हैं. 2024 में यह काली पूजा आयोजन अपने 49वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है, जो इसे और भी खास बनाता है. समिति के सदस्यों ने इस मौके पर आयोजन की भव्यता को और बढ़ाने के लिए कार्ययोजना तैयार की और अपनी तैयारियों को गति देने का निर्णय लिया. इस अवसर पर दिनेश कुमार, शिव शंकर सिंह, चिंटू सिंह, अंकित आनंद, पप्पू मिश्रा (अध्यक्ष), प्रदीप रजवार (महामंत्री), गोल्डन प्रसाद, पिंटू मिश्रा, अरविंद तिवारी, सनी सिंह, धीरज मिश्रा, मनोज, सुमित, अभिनव, रोहित, अंकित, टीपू मिश्रा, शशि सिंह सहित कई अन्य सदस्य उपस्थित रहे.

आदर्श आचार संहिता लागू होने से अवधेश कुमार को झटका

किरीबुरु । आदर्श आचार संहिता लागू होने से अवधेश कुमार का मुख्य अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष के रिक्त पद पर पदस्थापन का मामला लटक गया है. बैक डेट से अवधेश कुमार अधिसूचना जारी कराने के लिए देर रात तक विभाग में जमे रहे. विदित हो कि जल संसाधन विभाग ने पिछले सप्ताह कई अभियंताओं की सेवा ग्रामीण कार्य विभाग को दी है. विभाग ने नियम को ताक पर रखकर अधीक्षण अभियंता अवधेश कुमार को चालू स्वतंत्र मुख्य अभियंता बना कर ग्रामीण में सेवा दिया गया है, ताकि ग्रामीण विकास विशेष का पुनः पूर्ण रूप से मुख्य अभियंता के पद पर नियुक्त किया जा सके. अवधेश कुमार राज्य निर्वाचन आयोग में अपनी अधिसूचना के लिए सेटिंग गेटिंग भी करने में लगे हैं. अब सवाल उठता है कि क्या अवधेश कुमार को पुनः रांची और पलामू अंचल का अधीक्षण अभियन्ता के पद पर प्रभारी नियुक्त किए जाएंगे. सूत्रों की मानें तो पहले से संभाल रहे तीनों पद की चाह बनाए हुए हैं अवधेश कुमार. सूत्र बताते हैं कि विभागीय सचिव को तीनों पद के लिए बड़ा ऑफर अवधेश कुमार द्वारा दिये जाने की चर्चा जोरों पर है.

डाकघर में एटीएम कार्ड की किल्लत से उपभोक्ता परेशान

किरीबुरू । किरीबुरु डाकघर के दर्जनों उपभोक्ता एटीएम कार्ड की वैद्यता अवधि खत्म होने के बाद नया कार्ड नहीं मिलने से परेशान हैं. उल्लेखनीय है कि किरीबुरु एवं मेघाहातुबुरु डाकघर द्वारा अपने उपभोक्ताओं को एटीएम कार्ड उपलब्ध कराया गया था. इससे उपभोक्ताओं और डाकघर के पदाधिकारियों को भारी सुविधा थी. लेकिन दर्जनों उपभोक्ताओं के एटीएम कार्ड की समय सीमा सितंबर व अक्टूबर माह में खत्म हो गई है. जिससे उपभोक्ता परेशान होकर पैसा निकासी के लिए डाकघर पहुंच रहे हैं तथा नया एटीएम कार्ड उपलब्ध कराने का आग्रह कर रहे हैं. किरीबुरु डाकघर के पोस्टमास्टर ने बताया कि अभी नया एटीएम कार्ड उपलब्ध नहीं है. इसके लिये विभाग से कार्ड भेजने का आग्रह किया गया है.

ब्रीफ खबरें

सुरबुड़ा पंचायत के मुखिया जंगल सिंह लड़ेंगे चुनाव

चक्रधरपुर । झारखंड में विधानसभा चुनाव में मुखिया संघ ने भी चक्रधरपुर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने का ऐलान किया है. इसे लेकर बुधवार को बंदगांव प्रखंड की लांदूपोदा पंचायत के राजापारम गांव में मुखिया संघ की बैठक हुई. इसमें चक्रधरपुर व बंदगांव प्रखंड के विभिन्न पंचायत के मुखिया उपस्थित हुए. बैठक में चक्रधरपुर प्रखंड की सुरबुड़ा पंचायत के मुखिया जंगल सिंह गागराई को प्रत्याशी चुना गया. प्रत्याशी घोषित होने पर सभी मुखिया ने जंगल सिंह को बधाई दी.

बिजली चोरी करने वाले दो के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

किरीबुरु । विद्युत विभाग के कनीय अभियंता बिनोद कुमार सिंह के नेतृत्व में विद्युत विभाग ने बड़ाजामदा में बिजली चोरी के खिलाफ छापेमारी अभियान चलाया. इस क्रम में चोरी का बिजली इस्तेमाल करने वाले बड़ाजामदा निवासी कमला प्रसाद और कैलाश गुप्ता के खिलाफ विद्युत विभाग ने बिजली चोरी की प्राथमिकी बड़ाजामदा ओपी में दर्ज करायी है.

झारखंड विधानसभा 2024 की घोषणा के बाद जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बैठक कर जारी किया निर्देश

72 घंटे के अंदर निजी संपत्ति से पार्टी का झंडा, फ्लैक्स, बैनर हटा लें राजनीतिक दल

- राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को कार्यक्रम के लिए लेनी होगी ऑनलाइन अनुमति

संवाददाता । चाईबासा

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा झारखंड विधानसभा आम चुनाव-2024 की घोषणा के पश्चात जिला क्षेत्र में लागू आदर्श आचार संहिता का अनुपालन सुनिश्चित करने को लेकर बुधवार को जिला समाहरणालय स्थित सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त कुलदीप चौधरी की अध्यक्षता में स्टैंडिंग कमेटी की बैठक आहूत की गई. बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा उपस्थित कमेटी सदस्य एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को आदर्श आचार संहिता लागू होने के उपरांत भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आदर्श आचार संहिता का अनुपालन हेतु राजनीतिक दलों के लिए जारी मार्गदर्शन अंतर्गत क्या करें और क्या ना करें को विस्तार पूर्वक साझा किया गया.

इस दौरान राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों को किसी भी आयोजन हेतु ऑनलाइन अनुमति प्राप्त करने के लिए निर्मित सुविधा पोर्टल/एप के बारे में भी बिंदुवार कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया. बैठक में बताया गया कि जिले में आदर्श आचार संहिता लागू होने के उपरांत 72 घंटे के अंदर निजी संपत्ति पर राजनीतिक दलों द्वारा लगाए गए पार्टी झंडा, फ्लैक्स, बैनर, होडिंग, दीवार लेखन आदि को अपने स्तर से हटाने की नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित किया जाना है. बैठक में बताया गया कि गृह स्वामी द्वारा अनुमति प्राप्त स्थान पर ही पार्टी या व्यक्ति के द्वारा पार्टी झंडा, बैनर आदि रखा जा सकता है. उम्मीदवार की नाम वापसी की तिथि के बाद पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक के आवास पर झंडा विहित रीति का अनुशरण करते हुए लगाया जा सकता है तथा झंडा लगाने में होने वाले व्यय को उम्मीदवार के चुनाव व्यय खाते में शामिल किया जाएगा.

नोडल पदाधिकारियों के साथ बैठक करते डीसी कुलदीप चौधरी.

बैठक में बताया गया कि निर्वाचन आयोग के प्रावधान अनुसार पार्टी कार्यकर्ता/समर्थक के आवास पर किसी पार्टी या उम्मीदवार के केवल तीन झंडे ही इस्तेमाल किए जाने चाहिए, बिना अनुमति के कोई भी वाहन पर झंडा नहीं लगाएंगे. झंडा लगाने के लिए सक्षम प्राधिकार से अनुमति लेना आवश्यक है, जो निर्वाची पदाधिकारी, जिला निर्वाचन पदाधिकारी, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी होंगे. रैलियों में राष्ट्रीय ध्वज का उपयोग किए जाने की स्थिति में ध्वज संहिता, प्रतीक और नाम अधिनियम, 1950 और राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण अधिनियम, 1971 के प्रावधानों का अक्षरशः अनुपालन अनिवार्य है.

नोडल पदाधिकारी जिम्मेवार रहें : डीसी

पश्चिमी सिंहभूम जिला समाहरणालय स्थित सभागार में विधानसभा चुनाव के सफल एवं निष्पक्ष चुनाव के लिए गठित सभी कोषांग की बुधवार को बैठक हुई. बैठक की अध्यक्षता जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त (डीसी) कुलदीप चौधरी ने की. जिले में गठित अलग-अलग कोषांग के नोडल पदाधिकारी एवं प्रभारी पदाधिकारी के साथ अब तक संपादित कार्यों की समीक्षा की गई. उपायुक्त ने क्रमवार कार्मिक, प्रशिक्षण, सामग्री, वेलफेयर, परिवहन, मीडिया, मतपत्र व लॉजिस्टिक आदि कोषांग से चुनाव तैयारियों का जायजा लिया और आवश्यक दिशा निर्देश दिये. उपायुक्त ने प्रशिक्षण कोषांग के नोडल पदाधिकारी से कहा कि समस्त चुनाव गतिविधि में प्रतिनियुक्ति कर्मियों के लिए प्रशिक्षण अनिवार्य है. इसे अचूक रूप से सभी को उपलब्ध कराया जाए, ताकि समस्त निर्वाचन कर्मियों को अपने कार्य एवं दायित्व की स्पष्ट जानकारी रहे. वेलफेयर कोषांग के पदाधिकारी को दिव्यांग मतदाताओं की मैपिंग तथा मतदान दिवस को मतदान केंद्र पर उनके आगमन एवं वापसी हेतु सभी आवश्यक सुविधाओं को व्यवस्थित करने का निर्देश दिया. वाहन कोषांग के पदाधिकारी को निर्वाचन कार्य के दौरान प्रयोग में आने वाले अलग-अलग तरह के वाहनों की मैपिंग एवं प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया. इसके अलावा मीडिया कोषांग के नोडल पदाधिकारी को पेड न्यूज पर निगरानी रखने, प्रतिदिन समाचार पत्र का प्रेस कतरन जिला निर्वाचन पदाधिकारी के कोषांग को उपलब्ध कराने, सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाले समाचारों एवं संदेशों पर निगरानी रखने का निर्देश दिया गया. बैठक में उपायुक्त ने सभी कोषांग के नोडल पदाधिकारी एवं प्रभारी पदाधिकारी को निर्वाचन संबंधी कार्यों के प्रति जिम्मेदार रहने तथा तय किए गए दायित्व व कर्तव्य का निर्वहन अचूक रूप से करने का निर्देश दिया. बैठक में उप विकास आयुक्त संदीप कुमार मीणा, अपर उपयुक्त प्रवीण केरकट्टा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे.

जिले में चलाया गया जागरूकता अभियान

पश्चिमी सिंहभूम जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त कुलदीप चौधरी के निर्देशानुसार विधानसभा आम चुनाव- 2024 के मद्देनजर जिला अंतर्गत स्वीप गतिविधि के तहत मतदाताओं की वृहद भागीदारी सुनिश्चित करने की मुहिम चलाई है. नोडल पदाधिकारी स्वीप कोषांग सह सहायक समाहर्ता अर्णव मिश्रा द्वारा जागरूकता गतिविधि अंतर्गत बुधवार को बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम में खिलाड़ियों को मतदान करने के लिए प्रेरित किया. उन्होंने कहा कि पश्चिमी सिंहभूम जिले के सभी विधानसभा क्षेत्र में 13 नवंबर को मतदान है. इसमें बड़ी संख्या में सभी मतदान करें. इसके बाद उन्होंने जन वितरण प्रणाली दुकानदारों द्वारा मतदाता जागरूकता रैली का नेतृत्व करते हुए लोगों को मतदान करने के लिए प्रेरित किया. मौके पर उनके द्वारा ईवीएम मशीन की कार्य प्रणाली के बारे में डेमो के माध्यम से बताया गया कि ईवीएम और वीवीपीएटी दोनों ही मशीन कंट्रोल यूनिट के साथ जुड़ी होती है. जैसे ही आप ईवीएम मशीन में बटन दबाते हैं, एक बीप की आवाज आती है और साथ में लगी वीवीपैट मशीन में आपने जिस उम्मीदवार को वोट दिया है, उसकी एक पर्ची प्रिंट होकर दिखने लगती है. उन्होंने बताया कि जब भी कोई व्यक्ति वोट डालता है, तो वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल उर्फ वीवीपीएटी मशीन में स्लिप जेनरेट होती है. इस स्लिप को देखने से वोट देने वाले को एक तसल्ली हो जाती है कि उन्होंने जिस उम्मीदवार को वोट दिया है वोट उसी को गया है. कार्यक्रम में सदर प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी सदर, प्रभारी पदाधिकारी स्वीप कोषांग सहित अन्य मुख्य रूप से उपस्थित थे.

चाईबासा बिहारी क्लब के पास नो इंट्री के समय हुई सड़क दुर्घटना

हाइवा से बाइक टकराई, पति की मौत, पत्नी गंभीर

संवाददाता । चाईबासा

शहर के बिहारी क्लब के पास बुधवार को दर्दनाक सड़क दुर्घटना में तुईबीर निवासी पति की मौके पर ही मौत और उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई. नो इंट्री के बावजूद शहर में भारी वाहन को प्रवेश कराया गया था, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई. पति-पत्नी अपनी सीडी डीलक्स बाइक से लूथरान स्कूल की ओर जा रहे थे और उनकी बाइक अनियंत्रित होकर टाटा हाइवा से टकरा गई, जो बस स्टैंड की ओर जा रहा था. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दंपती सड़क पर नियंत्रण खो बैठे. इससे उनकी बाइक हाइवा से जा टकराई. पति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पत्नी के दोनों पैरों में गंभीर चोट लगी है.

स्थानीय लोगों ने तुरंत घायल महिला को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया. वहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है.

चाईबासा बिहारी क्लब के पास सड़क दुर्घटना.

इस हादसे से पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश है. स्थानीय नागरिकों ने टाटा हाइवा जैसे भारी वाहनों के नो इंट्री के समय शहर में घुसने पर नाराजगी जताई है. लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि नो इंट्री के समय को सख्ती से लागू किया जाए, ताकि इस तरह की दुर्घटनाओं से बचा जा सके. यह घटना एक बार फिर से यह याद दिलाती है कि सड़क पर सावधानी और सुरक्षा नियमों का पालन कितना महत्वपूर्ण है. पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और सुरक्षित ड्राइविंग के नियमों का पालन करें, ताकि इस तरह के हादसों से बचा जा सके.

राजनीतिक दल के नेताओं के हटाये गये पोस्टर-बैनर

चक्रधरपुर के पवन चौक से राजनीतिक दलों का हटाया गया बैनर-पोस्टर.

- नेताओं को आचार संहिता का पालन करने का निर्देश

संवाददाता । चक्रधरपुर

चुनाव आयोग की ओर से झारखंड में विधानसभा चुनाव की घोषणा किये जाने व आदर्श आचार संहिता लगने पर बुधवार को चक्रधरपुर में जगह-जगह पर लगे राजनीतिक दलों के नेताओं के पोस्टर व बैनर हटाये गये. चक्रधरपुर के विभिन्न जगहों पर राजनीतिक दल के नेताओं की ओर से पर्व-त्योहार की शुभाकामना को लेकर लगाये गये बड़े-बड़े होर्डिंग, बैनर, पोस्टर, झंडा को नगर परिषद की ओर से हटाया गया. साथ ही राजनीतिक दल के नेताओं को आदर्श आचार संहित का पालन करने को कहा गया. मौके पर नगर परिषद के सिटी मैनेजर के साथ-साथ कर्मचारी मौजूद थे.

न्यूज अपडेट

स्नातक छठे सेमेस्टर के हिन्दी के रिजल्ट में गड़बड़ी का आरोप

चांडिल । अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के जिला संयोजक समीर महतो की अगुवाई में स्नातक छठे सेमेस्टर के हिन्दी के रिजल्ट में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए बुधवार को प्राचार्य डॉ सरोज कुमार कैवर्त को ज्ञापन सौंपा गया. प्रतिनिधिमंडल ने जल्द से जल्द इसे ठीक करने का आग्रह किया. समीर महतो ने चेतावनी दी कि हिन्दी विभाग में इतनी अधिक संख्या में विद्यार्थियों को फेल करना जांच का विषय है. मौके पर पूजा सिंह महापात्र, बृहस्पति महतो, आकाश मिश्रा, विकाश गोप, बिमल चंद्र महतो, सैनिक प्रामाणिक, तारक प्रसाद महतो, मंजु वाला महतो, अमृता रानी महतो आदि मौजूद थे.

किरीबुरु-बड़ाजामदा मार्ग पर मिली बाइक

किरीबुरु । किरीबुरु-बड़ाजामदा मुख्य मार्ग पर शांति स्थल मंदिर के नीचे मुख्य सड़क किनारे एक बाइ लावारिस स्थिति में पाया गया है. यह बाइक किसकी है और यहां क्यों है इस संबंध में किसी को कोई जानकारी नहीं है. बाइक पर सवार कहीं कोई दुर्घटना का शिकार तो नहीं हुआ, अथवा नशे की वजह से बाइक छोड़ कर कहीं चला गया है क्या. इसको लेकर तरह-तरह की चर्चा हो रही है.

हिरणी जलप्रपात गेस्ट हाउस में कार्यशाला का आयोजन

चक्रधरपुर । बंदगांव प्रखंड की हिरणी जलप्रपात स्थित गेस्ट हाउस में बुधवार को एस्पायर संस्था के तत्वावधान में बाल अधिकार जागरुकता कार्यशाला का आयोजन किया गया. इस कार्यशाला में शिक्षा के महत्व को लेकर विशेष रूप से जानकारी दी गई. पंचायत समिति सदस्य सह बाल अधिकार के अध्यक्ष तीरथ जामुदा ने कहा कि बच्चों को शिक्षित करने व उनके अधिकार के लिए हम सभी को मिलकर कार्य करना है. मौके पर पंचायत की मुखिया रजनी पुष्पा, लांडूपोदा पंचायत के मुखिया कुश पूर्ति, सचिव अल्फा मुंडरी, महासचिव किरण गागराई, कोषाध्यक्ष प्रेम सिंह गागराई आदि मौजूद थे.

न्यू कॉलोनी में मृत पशु पड़ा होने से लोग परेशान

किरीबुरु । मेघाहातुबुरु स्थित सामुदायिक भवन सह क्लब के नीचे सेल की न्यू कॉलोनी आवासीय क्षेत्र में 107 ब्लॉक के पास 16 अक्टूबर की सुबह से ही एक पशु मृत अवस्था में पड़ा है, जिसे हटाया नहीं जा रहा है. उक्त आवासीय क्षेत्र के लोगों ने बताया कि टाउनशिप में मृत मवेशियों को हटाने की जिम्मेदारी सिविल विभाग की है. कई लोगों ने सिविल विभाग को पशु के मृत पडे.रहने की जानकारी दी है. इसके बावजूद समाचार लिखे जाने तक उसे नहीं हटाया गया है. सिविल विभाग से जल्द मृत पशु को हटाने का आग्रह किया गया है.

चाईबासा में चेस फॉर एवरीवन फिडे रेटिंग चैंपियनशिप शुरू

चेस प्रतियोगिता का उद्घाटन करते मुख्य अतिथि एसपी आशुतोष शेखर.

संवाददाता । चाईबासा

पश्चिमी सिंहभूम जिला शतरंज संघ के तत्वावधान और रुंगटा स्टील टीएमटी द्वारा प्रायोजित चेस फॉर एवरीवन फिडे रेटिंग चैंपियनशिप 2024 का शुभारंभ बुधवार को सेंट जेवियर्स वेलफेयर सेंटर में हुआ. समारोह के मुख्य अतिथि एसपी आशुतोष शेखर एवं विशिष्ट अतिथि जिला खेल पदाधिकारी रूपा रानी तिर्की ने दीप प्रज्वलित कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया. इस अवसर पर जिला शतरंज संघ के अध्यक्ष एवं समाजसेवी मुकुंद रूंगटा ने कहा कि इस वर्ष पिछले वर्ष की तुलना में अधिक खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया है. जिला शतरंज संघ बेहतर से बेहतर व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है. जिला शतरंज संघ के महासचिव बसंत खंडेलवाल ने बताया कि इस वर्ष 216 खिलाड़ी खेल रहे हैं. प्रतियोगिता में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी 91 वर्षीय तमिलनाडु के सुब्रमण्यम टीवी हैं, जबकि सबसे कम उम्र की खिलाड़ी केवल 6 वर्ष की है. प्रतियोगिता 20 अक्टूबर तक चलेगी.

उद्घाटन मैच में शाह स्पोर्ट्स ने गोप एंड सिंह क्लब को 124 रनों से हराया

संवाददाता । चाईबासा

पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में बुधवार से एसआर रूंगटा बी-डिवीजन क्रिकेट लीग शुरू हुआ. बुधवार को उद्घाटन मैच में चक्रधरपुर शाह स्पोर्ट्स क्रिकेट अकादमी की टीम ने गोप एवं सिंह क्लब बड़ाजामदा को एकतरफा मुकाबले में 124 रनों के भारी अंतर से पराजित दिया. शाह स्पोर्ट्स ने पूरे चार अंक हासिल किए. चाईबासा के बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम मैदान में खेले गए मैच में टॉस गोप एंड सिंह क्लब बड़ाजामदा के कप्तान ने जीता तथा विपक्षी टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया. पहले बल्लेबाजी करते हुए शाह स्पोर्ट्स अकादमी की टीम ने हर्ष बाजरा की शानदार शतकीय पारी की बदौलत निर्धारित 30 ओवर में आठ विकेट खोकर 246 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया. शतकवीर हर्ष बाजरा ने 13 चौकों और चार छक्कों की मदद से 102 रन बनाए. अन्य बल्लेबाजों में नीतेश पासवान ने चार चौकों एवं दो छक्कों की मदद से 34 रन, सर्बोजीत डे ने चार छक्कों की सहायता से 24 रन, जीशान अहमद ने एक चौका की मदद से 19 रन तथा डेविड सागर मुंडा ने 13 रनों का योगदान दिया. गोप एंड सिंह क्लब बड़ाजामदा की ओर से आकाश कुमार महतो ने 40 रन देकर तीन विकेट तथा धीरज कुमार ने 39 रन देकर दो विकेट हासिल किए. सरोज महतो एवं प्रकाश डांगील को एक-एक सफलता हाथ लगी. जीत के लिए निर्धारित 30 ओवर में 247 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गोप एंड सिंह क्लब की पूरी टीम 21.3 ओवर में मात्र 122 रन बनाकर ऑल आउट हो गई और 124 रनों के अंतर से मैच गंवा बैठी. शाह स्पोर्ट्स के महेश सुलेंद्र दास ने घातक गेंदबाजी करते हुए 14 रन देकर छह बल्लेबाजों को पैवेलियन भेजा.

उद्घाटन मैच में खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते मुख्य अतिथि.

गुमराह करने वाले नेताओं को मुंहतोड़ जवाब दे महिलाएं : मंत्री

बैठक में महिलाओं को संबोधित करते परिवहन मंत्री दीपक बिरुवा.

संवाददाता । चाईबासा

झींकपानी प्रखंड अंतर्गत चोया पंचायत के बेगनासाई मैदान में बुधवार को झामुमो महिला मोर्चा की बैठक हुई. बैठक में मंत्री सह झामुमो केंद्रीय महासचिव दीपक बिरुवा शामिल हुए. उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार द्वारा मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना, अबुआ आवास योजना समेत अन्य कई कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं. इसका लाभ लेते हुए लोग आगे बढ़ रहे हैं. महिलाएं भी सशक्त व सबल हो रही हैं. फिलहाल 54 लाख महिलाएं मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना से लाभान्वित हैं. लेकिन भाजपा को यह पच नहीं रहा है. इसे बंद कराने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपना रही है. अन्य राज्यों से आकर भाजपा नेता योजनाओं का गलत प्रचार कर लोगों को गुमराह करने का काम कर रहे हैं. इसका मुंहतोड़ जवाब हर महिला कार्यकर्ता को देना होगा. जनसमस्याओं के समाधान के लिए जनता के लिए लड़ना होगा. मौके पर प्रमुख प्रदीप तामसोय, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सोंगा बुड़ीउली, विनोद गोप, शिवा चौधरी, जगदीश आल्डा, अखिलेश कुम्हार, हरीश गोप, शशि मुंडा समेत अन्य उपस्थित थे.

दिशा-निर्देश विधानसभा चुनाव को लेकर निर्वाची पदाधिकारी ने सभी कोषांगों के पदाधिकारियों संग की बैठक

शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे अधिकारी

- कहीं किसी प्रकार की गड़बड़ी न हो इसके लिए टीमों का किया गया गठन

संवाददाता । चांडिल

आसन्न विधानसभा चुनाव को लेकर आदर्श आचार संहिता लागू होते ही प्रशासनिक महकमा एक्शन मोड में आ गया है. ईचागढ़ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में निष्पक्ष व शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने के लिए प्रशासन अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुट गया है. चुनाव के दौरान किसी प्रकार की गड़बड़ी ना हो, नियम के विरूद्ध कहीं भी किसी प्रकार का काम ना किया जाए,

इसके लिए अलग-अलग टीमों का गठन किया गया है. वहीं निष्पक्ष और शांतिपूर्ण रूप से चुनाव संपन्न कराने के लिए विभिन्न कोषांगों का गठन किया गया है. ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र में स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण तरीके से कराने के लिए निर्वाची पदाधिकारी सह चांडिल के अनुमंडल पदाधिकारी विकास कुमार राय, सहायक निर्वाची पदाधिकारी ईचागढ़ के अंचलाधिकारी दीपक प्रसाद, कुकड़ की प्रखंड विकास पदाधिकारी राजश्री ललिता बाखला और नीमडीह के अंचल अधिकारी अभिषेक कुमार अपने दायित्वों को पूरा करने में जुट गए हैं.

बैठक में उपस्थित विभिन्न कोषांगों के पदाधिकारी.

निर्देशों का पालन सुनिश्चित करें

इसके तहत बुधवार को निर्वाची पदाधिकारी सह चांडिल के अनुमंडल पदाधिकारी ने एफएसटी (फ्लाइंग स्क्वॉड टीम), एसएसटी (स्टेटिक सर्विलांस टीम), वीएसटी (वीडियो सर्विलांस टीम) और वीवीटी (वीडियो व्यूविंग टीम) के सदस्यों के साथ बैठक की. बैठक में निर्वाची पदाधिकारी ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन कर सतर्कता के साथ 24 घंटे कार्य करना है. बैठक में उन्होंने सभी टीमों के सदस्यों को उनके कार्य व दायित्व के बारे में बताया और आवश्यक निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन करते हुए आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराना है. गुरुवार से विभिन्न स्थानों में चेकनाका लगाकर जांच शुरू की जाएगी. कोई व्यक्ति आचरण संहिता का उल्लंघन करता है और कोई इसकी जानकारी निर्वाचन आयोजन को देना चाहता है, तो ऑनलाइन एप पर शिकायत दर्ज कराया जा सकता है.

संभावित उम्मीदवारों में ऊहापोह

अधिसूचना जारी होने के तीन दिन बाद से शुरू होने वाले नामांकन को लेकर संभावित उम्मीदवारों में ऊहापोह की स्थिति है. वैसे चुनाव को लेकर किसी भी राजनीतिक दल और गठबंधन ने बुधवार दोपहर तक अपने प्रत्याशियों के नामों की घोषणा नहीं की है. ऐसे में चुनाव लड़ने के इच्छुक उम्मीदवारों की धड़कनें बढ़ी हुई हैं. ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र में पहले चरण में 13 नवंबर को मतदान होना है. इसके लिए 18 अक्टूबर से नामांकन शुरू हो जाएगा. इसको लेकर चांडिल अनुमंडल मुख्यालय में व्यापक तैयारी की जा रही है. नामांकन की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर है. इसके बाद नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी 28 अक्टूबर को की जाएगी, जबकि नामांकन करने वाले प्रत्याशी 30 अक्टूबर तक अपना नाम वापस ले सकते हैं. इसके बाद 13 नवंबर को मतदान होगा. मतगणना 23 नवंबर को होगा. ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र में मतदान केंद्रों की कुल संख्या 340 है. यहां पुरुष मतदाता 1,44,601 और महिला मतदाता 1,43,789 हैं.

विधानसभा चुनाव : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त चंदन कुमार ने राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक, दिए जरूरी दिशा निर्देश

उपायुक्त का निर्देश, आदर्श आचार संहिता का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए

संवाददाता। रामगढ़

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त चंदन कुमार ने समाहरणालय सभा कक्ष में विभिन्न राजनीतिक दालों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक का आयोजन किया. इस दौरान सभी को जानकारी देते हुए कहा कि विधानसभा निर्वाचन की अधिसूचना जारी किए जाने के उपरांत आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गई है. विधानसभा क्षेत्र रामगढ़ जिले में 22 बड़कागांव, 23 रामगढ़ एवं 24 मांडू विधानसभा अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों की जानकारी दी गयी.

उपायुक्त ने सभी प्रतिनिधियों को पेड न्यूज मॉनिटरिंग, एक्सपेंडिचर मॉनिटरिंग आदि के तहत किए जाने वाले कार्यों की जानकारी दी वहीं उन्होंने आदर्श आचार्य संहिता का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करने की बात कही. बैठक के दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी रविंद्र कुमार गुप्ता ने उपस्थित सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को पीपीटी के माध्यम से आदर्श आचार संहिता के दौरान क्या करें क्या ना करें इस संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी दी. उपायुक्त ने उपस्थित सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को जानकारी देते हुए बताया कि आचार संहिता के बाद निम्न कार्यों पर पूर्ण प्रतिबंध है.

वाहनों में नहीं लगा सकेंगे झंडे : वाहनों और बैठकों में लाउडस्पीकर का प्रयोग करने की अनुमति सुबह 6 बजे से लेकर रात 10 बजे तक ही दी जाएगी. इसके बाद आचार संहिता का उल्लंघन माना जाएगा. किसी भी वाहन किसी भी पार्टी का झंडा नहीं लगाया जा सकेगा. केवल राजनैतिक दलों के पदाधिकारी आर ओ से अनुमति लेकर गाड़ी में झंडे का प्रयोग कर सकेंगे.

सरकारी वाहन राजनीतिक कार्य में प्रयोग नहीं : निर्वाचन के समय में कोई भी सरकारी कर्मचारी पॉलिटिकल एक्टिविटी में शामिल नहीं हो सकता है. अगर ऐसा होता है तो इसे भी अचार संहिता का उल्लंघन माना जाएगा और कड़ी कार्रवाई की जाएगी. मंत्रियों द्वारा ऑफिशियल वाहनों का प्रयोग राजनैतिक कार्यों के लिए रोक लगा दी गई है.

राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करते उपायुक्त चंदन कुमार.

लाउडस्पीकर के लिए लेनी होगी अनुमति : किसी भी दशा में बिना अनुमति के लाउडस्पीकर का प्रयोग निषेध किया गया है. वहीं किसी भी जुलूस व रैली के लिए जगह, समय और रूट का निर्धारण पहले से करके पुलिस प्रशासन से अनुमति लेना अनिवार्य है. बिना पूर्व सूचना के किसी भी जुलूस/रैली को अनुमति नहीं दी जाएगी.

200 मीटर के दायरे में प्रचार नहीं : पोलिंग स्टेशनों के 200 मीटर दायरे के अंदर किसी भी प्रकार की चुनावी मीटिंग, कन्वेंसिंग, कोई भी आपत्तिजनक कार्य या कोई भी कैम्पेनिंग करने की अनुमति नहीं होगी. निर्वाचन के दौरान शराब का वितरण नहीं किया जा सकेगा. नॉमिनेशन के दौरान केवल 3 वाहनों को ही आर ओ ए आर ओ के कार्यालय के 200 मीटर के दायरे में आने की अनुमति होगी.

इन कार्यों पर भी पूर्ण प्रतिबंध

- ऑफिशियल कार्यों को कैम्पेनिंग के कार्यों में मिक्स नहीं किया जाएगा.
- किसी भी प्रकार का प्रलोभन चाहे आर्थिक अथवा कोई और तरह से मतदाताओं को देने पर रोक है.
- निर्वाचक के द्वारा किसी भी प्रकार की जातीय और साम्प्रदायिक अपील नहीं की जाएगी.
- दूसरी पार्टियों व उनके कार्यकर्ताओं के द्वारा असत्यापित आरोपों और विकृतियों के आधार पर किसी की आलोचना नहीं की जाएगी.
- किसी भी धार्मिक स्थल का प्रयोग चुनाव प्रचार (जैसे भाषणों, पोस्टरों, बैनरों) के लिए नहीं किया जाएगा.
- ऐसे किसी भी जगह पर रैली की अनुमति नहीं दी जाएगी जहां पर पहले से किसी पार्टी की बैठक चल रही हो.
- बूथों और पोलिंग स्टेशनों के आस पास किसी भी प्रकार के झंडे, पोस्टर, चिन्हों या प्रचार सामग्री का प्रयोग करना निषेध है.
- सरकारी परिसर में किसी भी प्रकार का डिफेंसमेंट (जैसे वॉल पेंटिंग, बैनर, पोस्टर, होर्डिंग व झंडे) की अनुमति नहीं होगी.
- गेस्ट हाउसों में किसी भी प्रकार की पॉलिटिकल एक्टिविटी की अनुमति नहीं होगी.
- लाउड स्पीकर के प्रयोग के लिए अनुमति लेना अनिवार्य है. बिना अनुमति के लाउड स्पीकर का प्रयोग निषेध है.

ब्रीफ खबरें

बैठक में राजनीतिक प्रतिनिधि हुए शामिल

विष्णुगढ़। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर प्रखंड सह अंचल कार्यालय में बुधवार को सहायक निर्वाचक निबंधक सह अंचल अधिकारी नित्यानंद दास ने राजनीतिक दलों की बैठक बुलाई. इसमें बीडीओअखिलेश कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक सागेन मुर्मू तथा भाजपा के किशोर कुमार मंडल, सुशील महतो, कांग्रेस के अब्बास अंसारी, रामजन्म राय व माले के घनश्याम पाठक आदि शामिल हुए. समन्वय बनाकर चुनाव को सफलतापूर्वक संपन्न कराने को लेकर चर्चा हुई.

मध्यस्थता शिविर का आयोजन किया गया

प्रतापपुर (चतरा)। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वाधान में बुधवार को थाना परिसर में मध्यस्थता शिविर का आयोजन किया. इसमें थाना क्षेत्र जोगियारा, चन्द्रीगोविंदपुर, एघारा, बरूरा समेत अन्य पंचायतों से जमीन, धरेलू विवाद व मारपीट का मामले आये. पुलिस पदाधिकारी व पीएलवी विहारी कुमार ने चार मामले को दोनों पक्षों के बीच मध्यस्थता कर सुलह करा दिया. वहीं दो मामले को न्यायालय के लिए भेज दिया. शिविर में सअनि राम, जुबैरल गुडिया, गौतम कुमार आदि मौजूद थे.

बाइक दुर्घटना में डीलर गंभीर रूप से घायल

मयूरहंड(चतरा)। थाना क्षेत्र के जिहू इटखोरी मुख्य मार्ग तेतरीया मोड के समीप मोटरसाइकिल अनियंत्रित होने से पलट गई, जिससे पथरा गांव निवासी डीलर धनेश्वर भगत गंभीर रूप से घायल हो गया. जानकारी अनुसार भगत पदमा से अपने घर पथरा जा रहा था. तभी तेतरीया मोड़ के समीप मोटरसाइकिल दुर्घटनाग्रस्त हो गई. इस घटना में भगत के दाहिने पैर व कंधे में गंभीर चोट आई है. राहगीरों ने घायल डीलर को झामुमो नेता मनोज चंद्रा उपचार के लिए भेजवाया और हर संभव मदद का भरोसा दिया.

स्वीप के तहत निबंध प्रतियोगिता आयोजित

रामगढ़। आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त चंदन कुमार ने मतदाता जागरूकता के उद्देश्य से स्वीप नोडल पदाधिकारी इंदु प्रभा खालखो को विभिन्न प्रतियोगिता एवं कार्यक्रमों आदि के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक करने हेतु कई दिशा निर्देश दिए. इसी क्रम में स्वीप नोडल पदाधिकारी सह जिला समाज कल्याण पदाधिकारी इंदु प्रभा खालको के निर्देशानुसार जिले के विभिन्न विद्यालयों व महाविद्यालयों में मतदाता जागरूकता के उद्देश्य से निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया.

विधानसभा चुनाव : सिमरिया एससी सीट पर भाजपा ने चार बार दर्ज की है जीत

विस्थापन व सिंचाई बड़ी समस्या

संवाददाता। मयूरहंड/चतरा

झारखंड में विधानसभा चुनाव का बिगुल बजते ही चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है. इंडिया और एनडीए गठबंधन सियासी बिसात पर गोटियां चलाने लगे हैं. भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा को प्रभारी बनाकर झारखंड भेज दिया है. वहीं बात करें सिमरिया एससी सीट की तो यहां 4 बार भाजपा जीती है. इसके बावजूद विस्थापन और सिंचाई आज भी बड़ी समस्या बनी हुई है.

2019 में 12 साल बाद टूटा भाजपा का वनवास : वर्ष 2019 में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सिमरिया विधानसभा सीट जीतकर किशुनदास ने भाजपा का 12 वर्षों का वनवास तोड़ा था. इस सीट से उपेंद्रनाथ दास 4 बार विधायक रहे. पहली बार वर्ष 1977 में वे जीएनपी के टिकट पर जीते थे. इसके बाद 1990, 1995 व 2005 में उपेंद्रनाथ दास भाजपा के विधायक बने. उपेंद्रनाथ दास के निधन के बाद इस सीट से उप चुनाव में भाकपा के रामचंद्र राम जीत गये थे. इसके बाद हुए दोनों चुनाव में झारखंड विकास मोर्चा का कब्जा रहा था.

1977 में अस्तित्व में आया था सिमरिया विधानसभा : सिमरिया विधानसभा क्षेत्र 1977 में अस्तित्व में आया था. पहले यह इलाका बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र में ही आता था. यहां से भाजपा चार, कांग्रेस दो, जेवीएम दो और राजद, भाकपा, जीएनपी को एक-एक बार जीत मिली है. सिमरिया विधानसभा क्षेत्र की जनता समय-समय पर अपना प्रतिनिधि तो बदला है, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है.

क्या कहते हैं किसान

क्षेत्र में सिंचाई का कोई साधन नहीं हैं. किसान बारिश पर निर्भर हैं. साल भर खेती नहीं कर पाते हैं. सिंचाई का साधन रहता, तो किसान खेती कर अच्छी आमदनी करते.

–नरसिंह प्रसाद दांगी, किसान

नियमित बिजली नहीं मिलती हैं. शाम ढलते ही अंधेरा छा जाता है. बिजली की कमी से क्षेत्र के लोगों का जीवन और उद्योग धंधे और व्यवसाय प्रभावित है.

–सुरजीत सिंह, किसान

सिमरिया से अब तक के विधायक

चुनाव का वर्ष	विधायक का नाम	पार्टी का नाम
1990	उपेंद्रनाथ दास	भाजपा
1995	उपेंद्रनाथ दास	भाजपा
2000	योगेंद्रनाथ बैठा	राजद
2005	उपेंद्रनाथ दास	भाजपा
2007 (उपचुनाव)	रामचंद्र राम	भाकपा
2009	जयप्रकाश सिंह भोक्ता	जेवीएम
2014	गणेश गंझू	जेवीएम
2019	किशुन दास	भाजपा

विस्थापन और सिंचाई है सिमरिया की सबसे बड़ी समस्या : क्षेत्र में विस्थापन, सिंचाई और बेरोजगारी बहुत बड़ा मुद्दा है. क्षेत्र के विस्थापित रैयतों को उनका अधिकार नहीं मिल रहा है. कई समस्याओं से रैयत जूझ रहे हैं. इसी तरह सिंचाई का साधन नहीं होने से हजारों एकड़ भूमि परती है. सिंचाई के अभाव में किसान खेती नहीं कर पाते हैं, जबकि अधिकांश लोग कृषि कर अपना जीविकोपार्जन करते हैं. इसके अलावा पर्याप्त बिजली भी लोगों को नहीं मिलती है. वहीं एशिया की सबसे बड़ी कोयला परियोजना मगध व आम्रपाली टंडवा में स्थापित है, पर यहां के लोगों को इसका लाभ नहीं मिल रहा है. आज भी रैयत नौकरी व मुआवजा की मांग को लेकर आंदोलित हैं. मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं. क्षेत्र का विकास होना चाहिए, ताकि लोगों का जीवन स्तर ऊपर उठ सके.

वर्षों से बंद है प्राथमिक शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय : सिमरिया का प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय कई वर्षों से बंद पड़ा है. महाविद्यालय में प्रशिक्षण प्राप्त कर लोग शिक्षक बनते थे. यह रोजगार का बड़ा साधन था. प्राथमिक शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय को चालू कराने का मुद्दा हमेशा गरम रहा है. इसके लिए यहां कई बार आंदोलन भी किया गया है. सिमरिया विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत सात प्रखंड आते हैं, जिसमें सिमरिया, टंडवा, लावालौंग, पत्थलगड्डा, गिद्धौर, इटखोरी व मयूरहंड प्रखंड शामिल है.

वर्ष 2019 के चुनाव परिणाम

प्रत्याशी का नाम	पार्टी का नाम	प्राप्त मत
किशुन कुमार दास	भाजपा	61438
मनोज कुमार चंद्रा	आजसू	50442

वर्ष 2014 के चुनाव परिणाम

प्रत्याशी का नाम	पार्टी का नाम	प्राप्त मत
गणेश गंझू	जेवीएम	67404
सुजीत कुमार भारती	भाजपा	51764

वर्ष 2009 के चुनाव परिणाम

प्रत्याशी का नाम	पार्टी का नाम	प्राप्त मत
जयप्रकाश भोक्ता	जेवीएम	34007
गणेश गंझू	जेएमएम	25982

जनता की उम्मीद पर खरा उतरे हैं : किशुन दास

भाजपा विधायक किशुन कुमार दास ने कहा कि चुनाव के वक्त जनता से जो भी वादे किये थे, वे पूरे किये. बिजली, सड़क की मांग पूरी की गयी. चोरकारी पावर ग्रिड से पूरे जिले में बिजली बहाल की गयी. विधानसभा क्षेत्र में सड़कों का जाल बिछाया गया है. डीएमएफटी फंड से क्षेत्र में कई विकास कार्य किये गए हैं. 22 प्लस टू स्कूल भवन, चहारदीवारी का निर्माण कराया गया. टंडवा में इंडोर स्टेडियम का निर्माण किया गया. टंडवा व गाड़ीलौंग के लिए 19 करोड़ की पेयजलापूर्ति योजना की प्रक्रिया चल रही है, बहुत जल्द टेंडर किया जायेगा. क्षेत्र के लोगों के सुख-दुख में हमेशा साथ रहा और समस्याओं का समाधान किया.

पांच वर्षों में नहीं हुआ क्षेत्र का विकास : मनोज चंद्रा

वर्ष 2019 के विस चुनाव में दूसरे स्थान पर रहने वाले मनोज चंद्रा ने कहा कि पांच साल में क्षेत्र का कोई विकास नहीं हुआ. चुनाव के वक्त किये गये वादे पूरे नहीं हो पाये हैं. मुआवजा नीति नहीं बनी, जिसके कारण कोल वाहनों के कहर से मौत के गाल में समा रहे लोगों के परिजनों को समुचित मुआवजा नहीं मिल रहा है. बिजली, पानी, सड़क जैसी समस्या आज भी क्षेत्र में बरकरार है. क्षेत्र के विकास को लेकर विधायक द्वारा कोई उल्लेखनीय कार्य नहीं किया गया.

आचार संहिता लगते ही 6.22 लाख रु के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता। चौपारण

आचार संहिता लगते ही चौपारण सीओ सजंय यादव व प्रभारी थानाप्रभारी पुअनि बिंदेश्वरी महतो द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई. इस संबंध में प्रेस विज्ञप्ति जारी कर चौपारण पुलिस ने बताया कि आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव के मद्देनजर आदर्श आचार संहिता के दौरान बुधवार को करीब 08.30 बजे चौपारण थाना गेट के सामने अंचल अधिकारी संजय कुमार यादव चौपारण एवं प्रभारी थाना प्रभारी पुअनि बिन्देश्वर महतो एंव अन्य बलों के साथ सयुंक्त वाहन चेकिंग के दौरान महारानी बस में एक व्यक्ति के पास से एक बैग में रखे थैला से कुल

पुलिस द्वारा जब्त की गई राशि.

नगद राशि कुल 6,22,970 रुपये बरामद हुए. जांच करने पर पकड़ाये व्यक्ति कमलेश प्रसाद शर्मा, जिला-गया, बिहार द्वारा सही जानकारी एवं कैश से संबंधित कोई कागजात प्रस्तुत नहीं किया गया. छापामारी दल में अंचल पदाधिकारी संजय कुमार यादव, पुअनि विन्देश्वर महतो, सअनि बादल कुमार महतो, सअनि मो. कमरुद्दीन आदि शामिल थे.

राजनीतिक पार्टियों को 24 घंटे के अंदर बैनर-पोस्टर हटाने का निर्देश

संवाददाता। चौपारण

राजनीतिक पार्टियों को 24 घंटे के अंदर बैनर पोस्टर हटाने का निर्देश प्रखंड विकास पदाधिकारी सह निर्वाचन पदाधिकारी ने दिया है. इस संबंध में बीडीओ ने भाजपा, कांग्रेस, जेएमएम, आम आदमी पार्टी सहित सभी राजनीतिक दलों के प्रखंड अध्यक्षों को पत्र लिखा है. पत्र के आलोक में कहा गया है कि विधानसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही चौपारण प्रखंड में 15 अक्टूबर से आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गयी है. इस संबंध में आयोग से प्राप्त निर्देश के आलोक में प्रखंड क्षेत्रांतर्गत सार्वजनिक एवं निजी संस्थानों तथा अन्य सार्वजनिक स्थान यथा बस स्टैंड, रोड, पुल, पिलर, बिजली/टेलीफोन के पोल, पेट्रोल पंप, एम्बुलेंस इत्यादि स्थानों से अपने-अपने राजनीतिक पार्टी से संबंधित पोस्टर, बैनर, दिवार लेखन, होर्डिंग, फ्लैक्स, पोलटीसीएन के फोटो, नाम आदि 24 घंटे के भीतर हटाना / मिटाना/ कवर करने को कहा गया है. तय समय सीमा के अंदर ऐसा नहीं करने पर संबंधित पर सुसंगत धाराओं के अनुरूप कानूनी कार्रवाई की जायेगी.

चुनावी प्रक्रियाओं को साफ व स्वच्छ तरीके से संपन्न कराएं

- विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने की बैठक

संवाददाता। हजारीबाग

विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त नैंसी सहाय की अध्यक्षता में बुधवार को गठित सभी कोषांगों के नोडल पदाधिकारियों के साथ सभाकक्ष में बैठक की गई. इसमें कार्मिक कोषांग, प्रशिक्षण कार्यक्रम, ईवीएम प्रबंधन, मीडिया मॉनीटरिंग, कम्युनिकेशन प्लान, स्वीप प्लानिंग, आदर्श आचार संहिता, विधि व्यवस्था, एसएमएस मॉनिटरिंग एंड कम्युनिकेशन प्लान, परिवहन कोषांग, पोस्टल बैलेट कोषांग, मीडिया सेल समेत अन्य कोषांगों के दायित्व के निर्वहन और कर्तव्यों की विस्तृत जानकारी दी गई. उपायुक्त ने चुनावी प्रक्रियाओं को साफ-स्वच्छ, निष्पक्ष एवं निर्भीक होकर संपन्न कराने की बात कही. साथ ही उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारी से अपेक्षा की जाती है कि उन्हें मतदान केंद्र तक पहुंच मार्ग, मतदान केंद्रों का भौतिक सत्यापन, चुनावी प्रबंधन, मतदान प्रक्रिया, ईवीएम, वीवीपैट की कार्य प्रणाली,आदर्श आचार संहिता, मीडिया कोषांग की भूमिका, कानून व्यवस्था आदि का ज्ञान रहे। इसलिए सभी बातों को अच्छी तरह से समझ लें. मौके पर उप विकास आयुक्त इश्तियाक अहमद, उप निर्वाचन पदाधिकारी मां देव प्रिया, प्रशिक्षु आईएएस लोकेश बारंगे, एसडीएम सदर एवं बरही, डीसीएलआर, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी आदि मौजूद रहे.

गोमिया रेलवे स्टेशन के पास ओवरब्रिज का काम फिर से जल्द ही होगा शुरू

- विस्थापित संघर्ष समिति ने पूर्व मध्य रेलवे के उप मुख्य अभियंता निर्माण को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता। हजारीबाग

गोमिया के लोगों ने उप मुख्य अभियंता निर्माण पूर्व मध्य रेलवे, हजारीबाग को ज्ञापन सौंप रेलवे स्टेशन के पास ओवर ब्रिज बनाने काम पुनः शुरू करने की मांग की. बता दें कि गोमिया के लोग विस्थापित संघर्ष समिति बनाकर वर्षों से लगातार संघर्ष कर रहे हैं. उनके आंदोलन ने रंग लाया और एक दिसंबर 23 से ओवर ब्रिज निर्माण कार्य आरंभ हो गया. लेकिन अचानक एक सप्ताह काम चलने के बाद ओवर ब्रिज निर्माण का कार्य अचानक रोक दिया गया और निर्माण कार्य में लगी सभी मशीनों को वहां से हटा लिया गया. इसको देखते हुए विस्थापित

रेलवे के अधिकारी को ज्ञापन सौंपते विस्थापित संघर्ष समिति के लोग.

संघर्ष समिति गोमिया के लोगों ने लोकल स्तर पर रेलवे के सभी अधिकारियों से मिलकर काम आरंभ करवाने का आग्रह किया तो उन्होंने कहा कि अगर काम आरंभ करवाना है तो उप मुख्य अभियंता निर्माण, पूर्व मध्य रेलवे, हजारीबाग से जाकर मिले. बुधवार को विस्थापित संघर्ष समिति के सचिव राकेश कुमार और सीआईटीयू के उपाध्यक्ष गणेश सीटू के नेतृत्व में लोगों ने पूर्व मध्य रेलवे के उप मुख्य अभियंता से उनके कार्यालय में वार्ता की. उप मुख्य अभियंता ने कहा कि गोमिया वासियों को चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है. कुछ तकनीकी समस्या के कारण काम रोक दिया गया है. इस माह के अंदर काम पुणः आरंभ कर दिया जाएगा.

रेलवे यूनियन की मान्यता के लिए मुलाकात का दौर जारी रहा

संवाददाता। रामगढ़

4 एवं 5 दिसंबर को यूनियन की मान्यता के लिए होने वाले चुनाव के आलोक में ईसीआरकेयू ने रेलकर्मियों से मुलाकात करने का सिलसिला जारी रखा है. मंगलवार को ईसीआरकेयू के अपर महामंत्री मो ज़्याऊद्दीन तथा एआईआरएफ के जोनल सेक्रेटरी ओ पी शर्मा द्वारा टीसीआई कार्यालय पहुंचने पर सीटीसीआई अभय प्रकाश ने बुके और शॉल प्रदान कर स्वागत किया. मौके पर उपस्थित सिगनल व टेलकम विभाग के कई रेलकर्मी उपस्थित रहे. मौके पर शाखा सचिव महेन्द्र प्रसाद महतो, वरीय सदस्य सरयू प्रसाद, बिनोद बेदिया, चंदन कुमार, राहुल, बुटुक, गौतम, पबुत्तर, मंजु देवी, आशा देवी, सुमित्रा देवी, रवींद्र प्रसाद, कपिल कुमार, एच यू जोजो, डी के नायक, प्रदीप आनंद मांझी, संतोष, एम तिर्की, एस पी सिंह, आजाद, अमोल कुमार आदि मौजूद रहे.

समस्या गंदगी के कारण झील के साथ तालाबों की हो रखी है दुर्दशा

व्रतियों को अभी से सताने लगी छठ घाटों की सफाई की चिंता

संवाददाता। हजारीबाग

कार्तिक मास हिंदू समाज के लिए बेहद ही महत्वपूर्ण माना जाता है. इसी महीने आस्था का महापर्व छठ बहुत ही शुद्धता के साथ मनाया जाता है. हिंदू समाज का हर एक तबका आगे बढ़कर पर्व में हिस्सा लेता है और कोशिश करता है कि वह कुछ ऐसा करें जिससे छठ करने वाले को आराम मिले. इसके लिए सड़क की सफाई होती है और तालाबों को भी साफ किया जाता है. लेकिन हजारीबाग की झील के साथ तालाबों की दुर्दशा बनी हुई है.

दरअसल हजारीबाग में चार प्रमुख जल स्रोत हैं जहां अर्घ्य पड़ता है. पहला झील, दूसरा छठ तालाब, तीसरा मीठा तालाब और चौथा खजांची तालाब. इन चारों की स्थिति बहुत ही खराब है. झील में जलकुंभी इस तरह फैला हुआ है कि वहां अर्घ्य देने के लिए महिलाएं उतर नहीं सकतीं. छठ तालाब में पानी ही नहीं है और गंदगी का अंबार है. मीठा तालाब में गंदगी है. खजांची तालाब की भी स्थिति खराब है. ऊपर से चुनाव की घोषणा हो गयी. अधिकारी- कर्मी चुनाव की तैयारियों में जुट जायेंगे. ऐसे में सफाई कैसे होगी ये चिंता लोगों को खायी जा रही है. प्रशासन के रवैये को देखते हुए ऐसा लग रहा है जैसे उन्हें तालाबों की साप-सफाई खुद ही करनी पड़ेगी.

जलकुंभी की चादर से पटी पड़ी है झील : हज़ारीबाग़ झील में जलकुंभी दिनों दिन बढ़ती जा रही है. इसे हटाने के लिए नगर निगम से कई बार गुहार लगायी गयी, लेकिन निगम के अधिकारियों के कानों पर जू तक नहीं रेंग रही है. झील के सौंदर्यीकरण व सफाई के नाम पर करोड़ों रुपये का खेल हो गया. कितने ठेकेदार और अधिकारी मालामाल हो गए लेकिन झील की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ. झील के किनारों पर दूर-दूर तक जलकुंभी की परत देखी जा सकती है. झील में फैली जलकुंभी पक्षियों के लिए अभिशाप बन गई है. झील में पक्षियों का कलरव बंद हो गया है, उनके बैठने के लिए किनारे पर पर्याप्त जगह नहीं हैं. इन पक्षियों में ज्यादातर फिश फीडर है, यानी मछली खाने वाले हैं. जलकुंभी से ऑक्सीजन की कमी होने के कारण से मछलियां दम तोड़ रही हैं. ये मछलियां जलकुंभी के नीचे हैं, इसलिए पक्षियों को पर्याप्त भोजन नहीं मिल पा रहा है. जलकुंभी का असर मछलियों की सेहत पर पड़ रहा है.

निगरानी व उड़नदस्ता दल को दिया गया प्रशिक्षण

संवाददाता। रामगढ़

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा आम निर्वाचन 2024 की अधिसूचना जारी किए जाने के उपरांत बुधवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त चंदन कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय सभा कक्ष में चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के उद्देश्य से स्थैतिक निगरानी दल एवं उड़न दस्ता दल में प्रतिनियुक्ति पदाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों का जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया.

इस दौरान सभी को जानकारी देते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा आम निर्वाचन 2024 की अधिसूचना जारी

किए जाने के उपरांत से आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गई है. चुनाव को सफलता पूर्वक सम्पन्न कराने हेतु जिले के 7 चेक नाका स्थलों पर स्थैतिक निगरानी दल एवं 6 उड़न दस्ता दल का गठन किया गया है, जो जिले में आने जाने वाले वाहनों पर निगरानी रखेगी. इस दौरान किए जाने वाले सभी कार्यों को विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई. साथ ही उपस्थित सभी स्थैतिक निगरानी दल एवं उड़न दस्ता दल के प्रतिनियुक्ति प्रभारी पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारियों की कठिनाइयों को भी दूर किया गया. बैठक के दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी रविंद्र कुमार गुप्ता ने ईएसएमएस ऐप एवं सी विजिल ऐप की कार्यों को भी विस्तार पूर्वक सभी प्रतिनियुक्ति पदाधिकारियों को जानकारी दी गई. बैठक में मुख्य रूप से निर्वाची पदाधिकारी 23 रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र सह अनुमंडल पदाधिकारी, निर्वाची पदाधिकारी 22 बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र सह भूमि सुधार उप समाहर्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सहित अन्य उपस्थित थे.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष शाम से समय में विशेष सुधार होगा. सही मेहनत का सही फल मिलने का समय है. समय बहुत ही उत्तम है. धन का आगमन होगा, पर यात्रा में सावधानी रखें, नुकसान हो सकता है. वाद-विवाद से प्रतिष्ठा में कमी आयेगी. जोखिम-जमानत के कार्य न करें.

वृष गलत खर्च में नियंत्रण अति आवश्यक है. मानसिक तनाव खत्म होगा, पर खर्च में बृद्धि होगी. विरोधी हार मानेंगे, पर बहुत जल्दी आय के द्वार भी खुल रहे हैं. राजकीय कार्यों में गति आएगी. प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता मिलेगी. कोई छोटा निवेशादि लाभ देंगे.

मिथुन समय सामान्य है. जल्दबाजी में लिए हुए निर्णय ठीक नहीं होंगे, सोच-समझकर निर्णय लें. सुख के साधनों की चिंता हो सकती है. संपत्ति के कार्य सफल होंगे. धन लाभ होगा. कुछ धर्म और सत्कर्म भी किया विवाद से बचें.

कर्क समय बहुत ही उत्तम है. अधिक धन भी उन्माद का कारण बनता है. इस बात का ध्यान रखें. कर्म और भाग्य का अच्छा साथ मिलेगा. पराक्रम से वृद्धि होगी. विद्यार्थी वर्ग को अल्प प्रयास से सफलता मिलेगी. निवेशादि से लाभ होगा.

सिंह समय सामान्य है. किसी से विवाद से मानहानि हो सकती है. कुछ मानसिक तनाव हो सकता है. परिश्रम द्वारा सफलता मिलेगी, किसी वाद-विवाद से बचने का प्रयास करें. व्यापार-व्यवसाय में अचानक लाभ के योग हैं.

कन्या व्यापार में लाभ का योग है. आय में कुछ कमी होगा थोड़े समय के लिए. कोई कार्य करने या बोलने से पहले सोच समझ लें. खर्च बढ़ सकता है. पराक्रम में वृद्धि होगी. निवेश करने के लिए समय सही है. रोजगार की प्राप्ति हो सकती है.

तुला व्यापार में निवेश करने का समय बहुत ही अच्छा है. जीवनसाथी के चलते प्रतिष्ठा बढ़ेगी.परिवार का सुख सहयोग मिलेगा.निवेशादि से लाभ होगा. रोजगार प्राप्ति हो सकती है. बौद्धिक कार्य सफल होंगे. कार्य होगा, पर दूसरों की देखादेखी नहीं करें.

वृश्चिक गलत लोगों से बचें. नेत्र रोग से परेशानी होगी. खान पान पर विशेष ध्यान रखें. रोग शत्रु से बचें. अचानक कार्य बनने के योग उपस्थित होंगे. यदि कोई छोटी यात्रा हो तो यात्रा शुभ होगी. निवेशादि लाभदायक रहेंगे, व्यापार अच्छा चलेगा.

धनु प्रेम में मधुरता होगी. पर क्रोध से बचें. खास कर बच्चों से विशेष प्रेम करें. शिक्षा में सुधार होगा पर ज्यादा आत्मविश्वास घातक है. व्यय बढ़ने से क्लेश हो सकता है.निर्णय सोच समझ कर लें, जोखिम न लें. प्रतिष्ठित व्यक्ति से भेंट हो सकती है.

मकर रुका हुआ धन प्रयास करने पर वापस आएगा. पर इसके लिए विशेष प्रयास करना होगा. यात्रा शुभ रहेगी. निवेशादि से लाभ होगा. कार्य व्यवसाय में सफलता की संभावना है. पराक्रम सिद्ध करने का समय है.

कुंभ पराक्रम में वृद्धि होगी. आने वाले कुछ विवाद भी होगा. कार्य करें पर सजग रहें. राजकीय कार्यों की रुकावटें दूर होंगी. निवेशादि से लाभ होगा. नोकरी इन्टरव्यू में सफलता मिलेगी. आपके कार्य और प्रभाव से रूके हुए काम बन सकते हैं.

मीन पैतृक धन का आगमन होगा. धन आगमन के लिए दिन अच्छा है. धर्म मे व्यय होगा. बिगड़ते कार्य बनने लगेंगे. निवेशादि लाभ देंगे कार्य व्यवसाय ठीक चलेगा. वाहन का प्रयोग सावधानी से करें. आय अच्छी होगी.

खूंटी में दो बाइक की टक्कर में जम्हार चर्च के फादर की मौत

खूंटी। जिले के जरियागढ़ थानांतर्गत डोड़मा-गोविंदपुर रोड पर दो मोटरसाइकिलों के बीच हुई टक्कर में आरसी विद्यालय जम्हार के फादर फुलजेम्स बागे (49) की मौत हो गई. फादर फुलजेम्स बागे मंगलवार की शाम अपनी मोटरसाइकिल से मुरहू के हस्सा स्थित संत नॉबर्ट चर्च से जम्हार लौट रहे थे. इसी दौरान सामने से आ रही एक बाइक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी. इस दुर्घटना में पक्की सड़क पर गिरने से फादर के सिर पर गंभीर चोट लगी. उसे सदर अस्पताल खूंटी लाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया. बुधवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर उसे स्वजनों को सौंप दिया.

फंदे पर लटकता महिला का शव, हत्या का लगाया आरोप

खूंटी। कर्रा थाना क्षेत्र के कांटी पोड़ाटोली से मंगलवार की देर रात फंदे पर लटका महिला का शव मिला. मृतक महिला बुधन देवी (21) है. सदर अस्पताल में बुधवार को शव का पोस्टमार्टम कराया गया. बुधन देवी के मायके वाले इसे हत्या का मामला बता रहे हैं. उन्होंने आरोप लगाया है कि पति सहित सांस-ससुर और जेठ बुधनी को बराबर प्रताड़ित करते थे. ससुराल में उसके साथ हमेशा मारपीट की जाती थी. उन्होंने कहा कि बुधन देवी ने आत्महत्या नहीं की है, उसकी हत्या की गई है. घटनास्थल पर जमीन पर खून के निशान हैं. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

अधिकारियों-कर्मचारियों को दिया मतदान प्रक्रिया का प्रशिक्षण

खूंटी। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर प्रशिक्षण कोषांग ने बुधवार को लोयोला इंटर कॉलेज खूंटी और बिरसा कॉलेज खूंटी में मतदान प्रक्रिया से जुड़े प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया. प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य रूप से अड़की व कर्रा प्रखंड-अंचल कार्यालय के पदाधिकारियों, कर्मियों और शिक्षकों को निर्वाचन कार्य से संबंधित गहन प्रशिक्षण दिया गया. तीन पालियों में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस दौरान निर्वाचन प्रक्रिया, इवीएम वीवीपैट की तकनीकी जानकारी, निर्वाचन मार्गदर्शिका से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई.

एक से चार नवंबर तक चलेगा एफडीआई अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता मूट 2024

एनयूएसआरएल की टीम मध्यस्थता मूट में भाग लेने जाएगी बर्लिन

संवाददाता। रांची

नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ (एनयूएसआरएल) के छात्रों की एक उत्कृष्ट टीम ने एफडीआई अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता मूट 2024 (दक्षिण एशिया राउंड) में सेमीफाइनलिस्ट के रूप में शानदार प्रदर्शन किया है. इस टीम में सार्थक कुमार, लीजा गुप्ता, सूर्यांश सिंह, एयलाह सिंह और अभिनव शुक्ला शामिल हैं. कड़ी मेहनत और प्रतिभा के बदौलत इन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए बर्लिन जाने का अवसर मिला है. टीम ने अपनी उत्कृष्टता के बदौलत प्रतियोगिता के टॉप फोर में जगह बनाई है. इन्हें 1-4 नवंबर, 2024 को होने वाले अंतरराष्ट्रीय राउंड में हिस्सा लेना है.

छात्रों की सफलता सामूहिक प्रयास का प्रमाण है: सोनी भोला

एनयूएसआरएल के छात्रों ने न केवल अपने विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया, बल्कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से देश का मान भी बढ़ाया है. टीम ने जटिल कानूनी मुद्दों जैसे क्रमिक स्पष्टीकरण, तृतीय पक्ष फंडिंग, लागत की सुरक्षा और प्रतिकूल निष्कर्ष निकालने की शक्तियों को सफलतापूर्वक संबोधित किया. मूट कोर्ट की संयोजक सोनी भोला ने कहा कि हमारी टीम ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी जगह बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है. सभी सदस्यों ने एक साथ मिलकर रिसर्च किया और शिक्षकों के मार्गदर्शन से संदेहों का समाधान किया. उनकी यह सफलता केवल व्यक्तिगत प्रतिभा का परिणाम नहीं है, बल्कि विश्वविद्यालय के बेहतरीन माहौल और सामूहिक प्रयास का भी प्रमाण है.

छात्र आगे भी बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे : उपकुलपति

उपकुलपति डॉ प्रो अशोक आर पाटिल ने कहा कि हमारे छात्रों की प्रतिभा अब स्पष्ट रूप से सामने आ रही है. उनकी मेहनत के परिणाम सामने आ रहे हैं. मुझे विश्वास है कि वे आगे भी बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे. पूरे विश्वविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएं हैं कि वे इस प्रतियोगिता में सफल होकर लौटें. इस प्रकार, एनयूएसआरएल के छात्र न केवल शिक्षा के क्षेत्र में, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बना रहे हैं.

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने राजनीतिक दलों के लोगों के साथ की बैठक

सुविधा ऐप से नामांकन प्रक्रिया में मिलेगी सुविधा

रांची में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करते मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार.

संवाददात। रांची

बुधवार को विधानसभा चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने निर्वाचन सदन में सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के लोगों के साथ बैठक की. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि विधानसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है. इस दौरान सभी राजनीतिक दलों एवं निर्वाचन में भाग लेने वाले प्रत्याशियों के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा कुछ आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए हैं. इसका अनुपालन कर स्वच्छ, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित होगा. निर्वाचन प्रक्रिया में सभी के लिए समान अवसर प्राप्त हो, इस उद्देश्य से प्रत्येक प्रत्याशियों द्वारा निर्वाचन के दौरान 40 लाख रुपये की खर्च सीमा तय की गई है. प्रत्याशियों के खर्च में पारदर्शिता लाने के लिए खर्च के ब्योरा की पंजी जिला निर्वाचन पदाधिकारी के कार्यालय में जमा करानी होती है. इस पंजी का जिला निर्वाचन पदाधिकारी के द्वारा उनके कार्यालय की वेबसाइट पर सार्वजनिक की जाती है.

उन्होंने सभी को बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा सुविधा (SUVIDHA) ऐप बनाया गया है, जिसके इस्तेमाल से प्रत्याशियों द्वारा नामांकन प्रक्रिया में उपयोग होने वाले सभी आवेदनों को भरा जा सकता है. साथ ही नामांकन के दिन के लिए आरओ ऑफिस में अपॉइंटमेंट भी ली जा सकती है. इसके साथ इस माध्यम से अपना ब्योरा भरने एवं एफिडेविट बनाने में भी सहायता प्राप्त होगी. उन्होंने कहा कि सी–वीजिल एप्प के माध्यम से आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन मामलों पर त्वरित शिकायत भी दर्ज कर सकते हैं. उन्होंने कहा कि निर्वाचन के दौरान प्रत्याशियों द्वारा प्रचार-प्रसार, निर्वाचन प्रक्रिया, स्टार कैंपेनर, राजनीतिक दल आदि के लिए राज्य द्वारा कुछ नियम बनाए गए हैं, साथ ही भारत निर्वाचन आयोग द्वारा भी क्या करे, क्या नहीं करें की निर्देशिका जारी की गई है. मौके पर सिस्टम एनालिस्ट एस एन जमील ने चुनाव में उपयोग आने वाले ऑनलाइन एप्लीकेशन जैसे सी–विजिल, सुविधा एप्प, केवाईसी आदि प्रत्याशियों के उपयोग में आने वाले विभिन्न एप्लिकेशनों के इस्तेमाल के विषय में बिंदुवार जानकारी दी. इस अवसर पर अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. नेहा अरोड़ा, ओएसडी गीता चौबे, सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी देव दास दत्ता सहित विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे.

सड़क चकाचक करने का काम शुरू

शुभम संदेश इंपैक्ट

संवाददाता। मेदिनीनगर

लगातार न्यूज व शुभम संदेश में प्रकाशित खबर का असर हुआ. इस पर ग्रामीण विकास विभाग के कार्यपालक अभियंता (ईई) ने संज्ञान लेते हुए गुणवत्ताहीन सड़क को चकाचक करने का कार्य शुरू कर दिया है. गुणवत्ताहीन सड़क आज तय मानकों के अनुरूप बनाया जा रहा है.

स्थानीय ग्रामीणों की सक्रियता और जिला प्रशासन की निगरानी ने इस बेहतर सड़क के निर्माण में बेहद भूमिका अदा की है. बता दें कि लगातार न्यूज ने मंगलवार को कौड़िया ग्रामीणों की शिकायत पर एक खबर प्रसारित की थी. जिस पर पलामू उपायुक्त शशि रंजन और कार्यपालक अभियंता ने संज्ञान लेते हुए सड़क ठीक करने का आदेश दिया था. इसके बाद बुधवार को संबंधित ठेकेदार द्वारा फिर से सड़क को उखाड़ कर बनाया जा रहा है. इधर स्थानीय ग्रामीणों ने शुभम संदेश व लगातार न्यूज के इस प्रयास के लिए आभार प्रकट किया.

मुख्यालय में प्रतिनियुक्त हुए छह पुलिस पदाधिकारी

रांची। झारखंड पुलिस मुख्यालय में दो इंस्पेक्टर समेत छह पुलिस पदाधिकारी प्रतिनियुक्त किए. डीजीपी अनुराग गुप्ता के आदेश के बाद डीआईजी कार्मिक ने इससे संबंधित आदेश जारी कर दिया है. जिनको पुलिस मुख्यालय में प्रतिनियुक्त किया गया, उसमें इंस्पेक्टर अजय कुमार, महेंद्र दास के अलावा सब इंस्पेक्टर हेमंत भगत, ऋषिकेश कुमार सिन्हा, ललित खलखो और प्रीति कुमारी शामिल है.

बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी कल रांची में

रांची। बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव 18 अक्तूबर को रांची पहुंचेंगे. यहां वे राजद के नेताओ-कार्यकर्ताओं से विधानसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लेंगे. प्रदेश राजद के प्रधान महासचिव संजय प्रसाद यादव ने बताया कि तेजस्वी यादव सीट शेयरिंग पर भी चर्चा करेंगे.

चुनाव की घोषणा से पूर्व ही

भारतीय वन सेवा के 20 अफसरों को सौंपा गया अतिरिक्त प्रभार

संवाददाता। रांची

राज्य सरकार ने 20 आईएफएस अफसरों को अतिरिक्त प्रभार सौंपा है. चुनाव की घोषणा से पहले इन अफसरों को अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है. वन विभाग ने इससे संबंधित आदेश जारी कर दिया है.

नाम	कहां का मिला अतिरिक्त प्रभार
सत्यजीत सिंह	अध्यक्ष, झारखंड जैव विविधता पर्षद
डीके सक्सेना	अप्र निदेशक, प्रसार वानिकी, संथाल परगना, दुमका
पारितोष उपाध्याय	अप्र निदेशक, प्रसार वानिकी, दक्षिणी छोटानागपुर
संजीव कुमार	अप्र अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक कार्य नियोजना
रवि रंजन	अप्र निदेशक, प्रसार वानिकी, उत्तरी छोटानागपुर पलामू हजारीबाग
कुमार मनीष अरविंद	अप्र झारखंड सहभागी वन प्रबंधन परियोजना, रांची
एसआर नटेश	अप्र मख्य वन संरक्षक कार्मिक अराजपत्रित
आर थांगा पांडियन	महाप्रबंधक, लघु वन पदार्थ परियोजना अंचल, रांची
पीआर नायडू	अप्र निदेशक राज्य वन विकास निगम लिमिटेड
ममता प्रियदर्शी	महाप्रबंधक, लघु वन पदार्थ परियोजना अंचल, हजारीबाग
सौरभ चन्द्रा	अप्र, वन प्रमंडल पदाधिकारी, सामाजिक वानिकी वन प्रमंडल, दुमका
विजय शंकर दूबे	वन प्रबंधन परियोजना, रांची
मनीष तिवारी	अप्र वन संरक्षक, प्रादेशिक अंचल, गिरिडीह
विकास कु. उज्जवल	अप्र वन प्रमंडल पदाधिकारी सामाजिक वानिकी प्रमंडल हजारीबाग
श्रीकांत वर्मा	अप्र वन प्रमंडल पदाधिकारी, प्रचार एवं प्रसार प्रमंडल, रांची
मौन प्रकाश	अप्र, वन प्रमंडल पदाधिकारी, गोड्डा वन प्रमंडल, गोड्डा
अंकित कुमार सिंह	अप्र महाप्रबंधक, लघु वन पदार्थ अंचल, गिरिडीह
अवनीश कुमार चौधरी	अप्र वन संरक्षक, योजना अंचल, रांची
अहमद बिलाल अनवर	अप्र वन प्रमंडल पदाधिकारी, सिमडेगा
आलोक कुमार वर्मा	अप्र वन प्रमंडल पदाधिकारी, पोडाहाट वन प्रमंडल, पोडाहाट

नरबली के जुर्म में जेल में बंद थे तीनों

जेल में बंद साबिया, सबा और शहजादी सात साल बाद निकलेंगी जेल से बाहर

विनित आभा उपाध्याय। रांची

झारखंड हाईकोर्ट ने 6 वर्षीय मासूम की नरबली के जुर्म में जेल में बंद तीन दोषियों को जमानत दे दी है. दरअसल गुमला सिविल कोर्ट ने वर्ष 2017 में चार लोगों साबिया, सब्बा, शहजादी और जमील को नरबली के जुर्म में दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनायी थी. इसके खिलाफ तीनों दोषियों ने हाईकोर्ट में क्रिमिनल अपील दाखिल की थी. इस केस के चौथे दोषी जमील को हाईकोर्ट से पहले ही बेल मिल चुकी है. साबिया, सब्बा और शहजादी की अपील पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस नवनीत कुमार की बेंच में सुनवाई हुई. दोषियों की ओर से हाईकोर्ट की अधिवक्ता शौर्या द्विवेदी ने बहस की. साबिया, सब्बा और शहजादी तीनों सगी बहनें हैं. इनके खिलाफ एक छह वर्षीय मासूम की बली देने का जुर्म सिद्ध हुआ था. निचली अदालत द्वारा सजा सुनाये जाने के बाद तीनो दोषी सात वर्ष से जेल की सलाखों के पीछे थी. हाईकोर्ट लीगल सर्विस पैनल के जरिये दोषियों ने अधिवक्ता शौर्या द्विवेदी को अपना अधिवक्ता नियुक्त किया था.

झारखंड वित्त अवर अंकेक्षण सेवा नियमावली हो गई लागू

केंद्र सरकार के विभागों में भी होगी वित्त विभाग के अंकेक्षकों की प्रतिनियुक्ति

- शैक्षणिक संस्थानों के साथ स्थानीय निकाय, बोर्ड व सहकारी समिति में भी दे सकेंगे सेवा

प्रमुख संवाददाता। रांची

अब वित्त विभाग में अंकेक्षण सेवा के कर्मियों की प्रतिनियुक्ति स्थानीय निकाय, बोर्ड, सहकारी समिति और शैक्षणिक संस्थानों में भी की जा सकेगी. इसके साथ ही इस कैडर के कर्मियों की प्रतिनियुक्ति मांग एवं उपलब्धता के आधार पर राज्य या केंद्र सरकार के किसी भी विभाग में विभागीय सहमति के बाद की जा सकेगी. इसके लिए वित्त विभाग ने झारखंड वित्त अवर अंकेक्षण सेवा नियमावली लागू कर दी है. इस नियमावली के तहत केंद्र सरकार या किसी अन्य राज्य सरकार के पूर्णतः या अंशतः नियंत्रण वाले किसी कार्यालय में, उनकी मांग के अनुरूप प्रतिनियुक्ति की जा सकेगी.

सेवा संपुष्टि के लिए दो साल संतोषजनक पूरा करना होगा काम : सेवा संपुष्टि के लिए दो वर्षों की परीक्ष्यमान अवधि संतोषजनक रूप से पूर्ण करना होगा. कार्मिक विभाग द्वारा संचालित हिंदी टिप्पण व प्रारूपण परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य होगा. परीक्ष्यमान अवधि में निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना अनिवार्य होगा. इस संवर्ग के कर्मियों को राजस्व पर्षद द्वारा आयोजित कम्प्यूटर ज्ञान व टंकण परीक्षा भी पास होना अनिवार्य होगा. राजस्व पर्षद द्वारा आयोजित विभागीय परीक्षा में पास होने के बाद ही सेवा संपुष्टि की जायेगी. परीक्ष्यमान अवधि में किसी तरह का दंड अधिरोपित होने की स्थिति में परीक्ष्यमान अवधि बढ़ायी जा सकेगी, जो अधिकतम दो वर्ष तक होगी. सभी विभागीय परीक्षा उत्तीर्णता के बाद अधिकतम दो वेतन वृद्धि तक दी जायेगी व अगली वेतन वृद्धियों नियमित रूप से सेवा संपुष्टि के बाद यथा नियम अनुमान्य होगी.

■ सीधी नियुक्ति से भरे जाएंगे 145 अंकेक्षक के पद : नियमावली के तहत सीधी नियुक्ति से 145 अंकेक्षक के पद भरे जाएंगे. प्रथम प्रोन्नति से वरीय अंकेक्षक के 72 पद भरे जाएंगे. द्वितीय प्रोन्नति से अंकेक्षण पदाधिकारियों के 36 पद भरे जाएंगे. सीधी नियुक्त की प्रक्रिया झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा अनुशंसा प्राप्त होने के बाद पूरी की जाएगी.

नव प्रोन्नत एएसआई को बैच पहनाकर सम्मानित किया गया

संवाददाता। रांची

रांची पुलिस लाइन में आयोजित समारोह में नव प्रोन्नत एएसआई को बैच पहनाकर सम्मानित किया गया. मौके पर एसएसपी, सिटी एसपी, कोतवाली और सदर डीएसपी सहित कई अधिकारी मौजूद रहे. एसएसपी ने कहा कि नवप्रोन्नत एएसआई ऐसा बदलाव लायें, जिससे खुद के साथ-साथ रांची पुलिस की भी अच्छी छवि बन सके. सम्मानित किये गये नवप्रोन्नत पुलिसकर्मियों में खुशी साफ झलक रही थी. बता दें कि झारखंड पुलिस मुख्यालय ने बीते दिनों करीब दो हजार पुलिसकर्मियों को प्रोन्नतिदी थी.

राजनीतिक हलचल विधायक रामचंद्र सिंह के लिए खतरे की घंटी, हर तरफ इसकी चर्चा

कांग्रेस ने की जिलाध्यक्ष को मैदान में उतारने की तैयारी

आशीष टैगोर। लातेहार

मनिका के कांग्रेस विधायक रामचंद्र सिंह के लिए खतरे की घंटी बजती सुनाई दे रही है. कांग्रेस का एक बड़ा तबका अपना प्रत्याशी मैदान में उतारने की तैयारी में है. अगर ऐसा हुआ तो कांग्रेस विधायक रामचंद्र सिंह के लिए चुनाव की डगर आसान नहीं होगी. मनिका में कांग्रेसियों ने एक बैठक की है और कांग्रेस जिला अध्यक्ष मुनेश्वर उरांव को आसन्न विधानसभा चुनाव में मनिका से अपना प्रत्याशी बनाने का निर्णय लिया है. कांग्रेसियों ने कहा कि अगर संगठन मुनेश्वर यादव को टिकट नहीं देती है तो उन्हें निर्दलीय मैदान में उतारा जायेगा.

मुनेश्वर उरांव ने शुभम संदेश से कहा

जनता चाहेगी तो चुनाव अवश्य लड़ेंगे

इससे पहले भी चुनाव लड़ चुके हैं मुनेश्वर उरांव

बता दें कि कांग्रेस जिला अध्यक्ष मुनेश्वर उरांव पहले भी चुनाव लड़ चुके हैं. साल 2014 के विधानसभा चुनाव में मुनेश्वर उरांव ने कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ा था और 27,731 मत हासिल कर तीसरे स्थान पर रहे थे. भाजपा के हरिकृष्ण सिंह (31,583) ने राजद के रामचंद्र सिंह (30,500) को मात्र 1583 वोटों से हराया था. इससे पहले साल 2009 के विधानसभा चुनावों में मुनेश्वर उरांव ने झारखंड जनाधिकार मंच के टिकट से चुनाव लड़ा था और चौथे स्थान (7,425) पर रहे थे. भाजपा के हरिकृष्णा सिंह ने (18,645) कांग्रेस के रामेश्वर उरांव (16,876) को हराया था.

24अक्टूबर को नामिनेशन करेंगे मुनेश्वर उरांव : राजकिशोर सिंह

कांग्रेस पार्टी की एक बैठक मनिका में प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष राजकिशोर सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गयी. बैठक में बूथ व पंचायतों के कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने भाग लिया. बैठक में जिला अध्यक्ष मुनेश्वर उरांव को मनिका से कांग्रेस का प्रत्याशी बनाने की मांग की गयी. राजकिशोर सिंह ने कहा कि अगर संगठन मुनेश्वर उरांव को टिकट नहीं देती है तो मुनेश्वर उरांव निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में 24 अक्टूबर को अपना नामांकन पत्र दाखिल करेगें. बैठक में मोहन ठाकुर, मिथिलेश पासवान, अख्तर अंसारी, दिलीप राम व पवन कुमार समेत कई लोग उपस्थित थे. हालांकि इस संबंध में पूछे जाने पर शुभम संदेश से बात करते हुए कांग्रेस जिला अध्यक्ष मुनेश्वर उरांव ने कहा कि वे आम आवाम की इच्छा का सम्मान करते हैं. अगर जनता चाहेगी तो वे अवश्य चुनाव लड़ेगें.

40वीं सीनियर राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप पांडिचेरी में कल से

झारखंड ताइक्वांडो की टीम पुडुचेरी रवाना

संवाददाता। रांची

पुडुचेरी ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एसोसिएशन और भारतीय ताइक्वांडो महासंघ द्वारा आयोजित 40वीं सीनियर राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप 18 से 20 अक्टूबर को पुडुचेरी के राजीव गांधी इंदौर स्टेडियम में आयोजित होने वाली चैंपियनशिप के लिए झारखंड ताइक्वांडो की टीम रवाना हुई. टीम झारखंड ताइक्वांडो के वरीय सदस्य व रांची जिला के सचिव सैयद फारुक नदीम कोच के नेतृत्व में धनबाद अल्लपुजा एक्सप्रेस से रवाना हुई. देवघर, हजारीबाग, रांची, धनबाद जमशेदपुर, गोड्डा के खिलाड़ियों का चयन देवघर में आयोजित स्टेट चैंपियनशिप में किया गया था. खिलाड़ियों, जो झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे, उनमें अविनाश नारायण सिंह,आदित्य नारायण सिंह, रोशन कुमार चौहान, उत्कर्ष सिंह, हर्षित राज, चेतन कुमार, दीपक कुमार, मनजीत सिंह, अकीब जावेद. महिला खिलाड़ीयों में बुधेश्वरी कुमारी, राजनंदिनी, नीरा कुमारी, अंजली केशरी शामिल है. सभी खिलाड़ियों को झारखंड ताइक्वांडो के सचिव नीरज कुमार, उपाध्यक्ष मनोज कुमार, कोषाध्यक्ष बमबम कुमार देव, संयुक्त सचिव रबीउल हुसैन, दिलीप कुमार, राजीव रंजन, देवघर ताइक्वांडो के अध्यक्ष अनूप कुमार, संरक्षक जेसी राज ने खिलाड़ियों को बधाई दी. साथ ही जीत के लिए शुभकामनाएं भी दी.

आत्म चिंतन का सुझाव

मुख्य चुनाव आयुक्त ने मीडिया सहित सभी संबंधित संस्थानों को आत्म चिंतन करने का सुझाव दिया है. चुनावों की पारदर्शिता, स्वतंत्रता, निष्पक्षता और सभी के लिए समान जमीन की उपलब्धता को ले भारत में अनेक तबकों के बीच से सवाल उठते रहे हैं. इस बार तो इलेक्ट्रॉनिक मशीनों को ले कर हरियाणा में जिस तरह के सवाल उठे हैं,उसके जवाब की प्रतीक्षा अब तक की जा रही है. देश के लोकतांत्रिक इतिहास में पहली बार कांग्रेस ने हरियाणा के चुनाव परिणामों को लेकर जिस तरह की प्रतिक्रिया दी और उस पर चुनाव आयोग ने जिस तरह का जवाब दिया,उसे ले कर भी अनेक सवाल उठाए जा रहे हैं. इस बीच झारखंड और महाराष्ट्र विधान सभा चुनावों के एलान के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ने एग्जिट पोल,उसकी प्रक्रिया,सर्वेक्षण सैंपल और उसकी प्रमाणिकता को ले कर सवाल उठाया है. इसके साथ ही हरियाणा का उल्लेख करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ने वोटों के गिनती और रुझानों के मीडिया पर आने के समय को ले कर जो सवाल उठाए हैं, वह भी ऐतिहासिक है. चुनाव आयोग ने लोगों के बीच संशय को खत्म करने के बजाय और पेचीदा हालात तो नहीं बना दिए हैं. यह सवाल भी उठ रहा है क्या सच में हकीकत का सामना किया जा रहा है. दरअसल यह बात अनेक महत्वपूर्ण हलकों से कही जा रही है. लोकतंत्र में चुनावों को हर हाल में निष्पक्ष बनाना चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है. किसी तरह का संदेह और सवाल न उठे इसकी गारंटी भी चुनाव आयोग ही कर सकता है. महाराष्ट्र और झारखंड के चुनाव को पूरी तरह निष्पक्ष बना कर चुनाव आयोग अपनी गरिमा में वृद्धि ही करेगा. अतीत में चुनाव आयोग ने समय-समय पर उठने वाले सवालों को ले कर संजीदगी का प्रदर्शन किया है और चुनाव की प्रक्रिया को पूरी तरह गरिमामयी बनाने के लिए प्रयास किए हैं. यही कारण है कि दुनिया भर में भारत के चुनाव आयोग की साख है, लेकिन देश के भीतर पिछले कुछ समय से इस साख पर संशय के बादल मंडराते रहे हैं. चुनावों में मतदान खत्म होने से लेकर वोटों की गिनती वाले दिन तक एग्जिट पोल आने, फाइनल रिजल्ट आने से पहले रुझानों और परिणामों के ट्रेंड बताए जाने को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार की कड़ी प्रतिक्रिया एक अच्छी शुरुआत कही जा सकती है. राजीव कुमार ने कहा कि एग्जिट पोल्स के एक उम्मीद सेट करने से बहुत बड़ा अवरोध पैदा हो रहा है. मीडिया के लिए भी यह बड़ा आत्ममंथन का विषय है. मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि पिछले कुछ चुनावों से दो-तीन चीजें एक साथ हो रही हैं. अगर हम इस पूरे संदर्भ को एक साथ देखें तो यह समझना सभी के लिए बेहद जरूरी है, जिसमें पहले एग्जिट पोल आते हैं, जिसके बारे में कुछ पता नहीं कि उसका सैंपल साइज क्या था, उसका सर्वे कहां हुआ और उसका रिजल्ट कैसे आया. ऐसे में अगर कोई एग्जिट पोल नतीजों से मैच नहीं हुआ तो क्या आयोग की जिम्मेदारी है? इस पर चिंतन करने की जरूरत है.

> लोकतंत्र में चुनावों को हर हाल में निष्पक्ष बनाना चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है. किसी तरह का संदेह और सवाल न उठे इसकी गारंटी भी चुनाव आयोग ही कर सकता है.

सुभाषित

न प्रहृष्यति सन्माने नापमाने च कुप्यति।
न क्रुद्धः परूषं ब्रूयात् स वै साधूत्तमः स्मृतः॥

मनुस्मृति में श्रेष्ठ सज्जन को इस प्रकार परिभाषित किया गया है. जिन्हें सम्मान दिये जाने पर हर्ष नहीं होता. जिन्हें अपमानित किये जाने पर भी क्रोध नहीं आता. जो अत्यधिक क्रोध आने पर भी कठोर वचन नहीं बोलते, वैसे ही लोगों को सज्जनों में श्रेष्ठ कहा गया है.

जानलेवा है कार्यस्थल का तनाव

पुणे की घटना भी सुर्खियों में नहीं आती अगर मृत महिला कार्यपालक की माता ने अपने मार्मिक एवं विस्तृत पत्र के माध्यम से घटना को उजागर नहीं किया होता. पत्र के अनुसार उक्त कर्मी पर कार्य का दबाव उसकी बर्दाश्त करने की क्षमता से अधिक था, जिसकी परिणति इस दुखद घटना में हुई. श्रम एवं नियोजन मंत्रालय ने ऐसे संकेत तो दिए हैं कि घटना की गंभीरता से जांच की जाएगी.

• देश-काल

डॉ. प्रमोद पाठक

तेज रफ्तार के इस दौर में समाज का संस्कार और समाज की मानसिकता बदल गई है. मनुष्य बस एक मशीन बन गया है.एक पागलपन का दौर चल रहा है. प्रबंधन विज्ञानी इसे रैट रेस यानी चूहा दौड़ कहते हैं.इस चूहा दौड़ के परिणाम घातक साबित हो रहे हैं.अत्यधिक तनाव इस चूहा दौड़ की बड़ी त्रासदी है, जिससे बचना नामुमकिन है.लेकिन जीवन एक लंबी दूरी की रेस है और बहुत तेज दौड़ने वाले बहुत दूर तक नहीं दौड़ पाएंगे किंतु यह सोचने की फुर्सत किसे है.पिछले दिनों एक बहुराष्ट्रीय कंपनी की पुणे की शाखा में कार्यरत एक युवा महिला कार्यपालक इसी मानसिकता का शिकार हुई और उसे जान से हाथ धोना पड़ा. कार्यस्थल के अत्याधिक तनाव का दबाव वह नहीं झेल पाई .दरअसल आज के कार्यस्थल पूरी तरह से मशीनी हो गए हैं जिसमें इंसानी भावनाओं के लिए जगह है ही नहीं.सूचना प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धि के इस युग में इन कार्यस्थलों में काम करने वाले लोग रोबोट की तरह हो गए हैं. उन पर अधिक से अधिक उत्पादन करने का अनावश्यक दबाव दिया जाता है जिसे प्रबंधन की भाषा में टारगेट कहते हैं. उत्पादकता बढ़ाने के चक्कर में इंसान का मशीनीकरण हो गया है. बहुराष्ट्रीय कंपनियां कर्ण प्रिय मुहावरे बनाकर अपनी छवि युवाओं के लिए तो आकर्षक बनाती हैं लेकिन वहां के कार्य संस्कृति की सच्चाई कुछ और ही है.पुणे की घटना तो महज एक उदाहरण है .आज के कार्यस्थल की भयावह परिस्थिति को दर्शाने वाले ऐसे कई उदाहरण मिल जाएंगे.

पुणे की घटना भी सुर्खियों में नहीं आती अगर मृत महिला कार्यपालक की माता ने अपने मार्मिक एवं विस्तृत पत्र के माध्यम से घटना को उजागर नहीं किया होता. पत्र के अनुसार उक्त कर्मी पर कार्य का दबाव उसकी बर्दाश्त करने की क्षमता से अधिक था जिसकी परिणीति इस दुखद घटना में हुई. श्रम एवं नियोजन मंत्रालय ने ऐसे संकेत तो दिए हैं कि घटना की गंभीरता से जांच की जाएगी.लेकिन प्रश्न है कि क्या इस तरह के अनावश्यक दबाव से पीड़ित कार्यपालक खुद को बचा पाएंगे. उक्त घटना के बाद बहुत से ऐसे अन्य जगह के कर्मियों ने अपने अनुभव साझा किए हैं और कार्यस्थल की यह दबी हुई सच्चाई आज सामने आ रही है.उत्पादकता बढ़ाने का दबाव आज के प्रबंधकों की सबसे बड़ी प्राथमिकता है. इसके पीछे अवधारणा यह है कि इस तरह से कार्यपालकों से अधिक से अधिक काम लेकर उत्पादन प्रक्रिया को अधिक लाभदायक बना दिया जा सकता है.किंतु ऐसी नीतियां कर्मियों पर अनावश्यक दबाव डालती हैं जिसका नतीजा पुणे जैसी दुखद घटनाओं में हम देख सकते हैं. विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस तरह के दबाव से उत्पन्न मानसिक स्थिति को वर्ष 2019 में बर्नआउट का नाम दिया था.बर्नआउट अत्यधिक दबाव से पैदा हुए मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव को कहा जाता है जिसके चलते कर्मियों को स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याएं हो सकती हैं. कैसी विडम्बना है कि उत्पादन बढ़ाने के लिए दिया गया यह दबाव अंततः कार्य के प्रति अरुचि बढ़ाता है और कार्य क्षमता को घटा देता है. अक्सर कर्मचारी इन परिस्थितियों में चुका हुआ महसूस करते हैं. मनोविज्ञान के शोध में आज से 100 साल से भी ज्यादा पहले यह स्थापित किया गया है कि उत्पादकता बढ़ाने के लिए दबाव नहीं, बल्कि कार्यस्थल को खुशहाल बनाना ज्यादा जरूरी है. कर्मियों की उत्पादकता उनके सुखद मानसिकता पर अधिक निर्भर है ना कि दबाव द्वारा उत्पन्न हुए भय, असुरक्षा और तनाव के माहौल पर.पर सुनता कौन है.

अब पुणे की ही घटना की बात करें. जिस कंपनी में यह दुखद घटना घटी वहां कर्मियों को चेतावनी दी जा रही है कि इस मामले पर कुछ भी बोलना उनके लिए नुकसानदेह होगा. जिस प्रबंधक के नेतृत्व में वह काम करती थी उनका कथन था की उसे उतना ही काम दिया गया जितना दूसरों को दिया गया था.अतः कार्य की अधिकता उसके दबाव का कारण नहीं थी. प्रबंधकीय भाषा में यह पूरा प्रकरण औद्योगिक संगठन की कार्य संस्कृति से जुड़ा है. प्रबंध विज्ञान की दुनिया भर में मानी हुई पत्रिका हॉवर्ड बिजनेस रिव्यू की एक शोध में यह पाया गया कि जब कोई कर्मचारी दबाव महसूस कर रहा हो या क्षुब्ध हो तो उसके वरिष्ठ प्रबंधक क्या कहते या करते हैं इसका बहुत असर पड़ता है.आज की ज्यादातर बहुराष्ट्रीय कंपनियां मुनाफा के दौड़ में कर्मचारियों की आहुति देने से भी परहेज नहीं करते.इस मामले में टाटा कंपनी के प्रबंधन से बहुत कुछ सीखा जा सकता है. किसी भी संगठन की कार्य संस्कृति उसके शीर्ष प्रबंधकों के व्यवहार पर निर्भर करती है. आज आवश्यकता है कार्य स्थलों को कर्मी हितैषी बनाने की ताकि कोई भी कर्मी अपने मन की बात शीर्ष प्रबंधन से कह सके. किंतु आज के प्रबंधन की दुनिया में इसके विपरीत बोलना मना है का सिद्धांत प्रचलित है.आज मुनाफा और उत्पादकता की अंधी दौड़ में मानवीय संवेदनाएं लुप्त हो रही हैं एवं कर्मियों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है. खास करके, जहां पेंशन की व्यवस्था नहीं है वहां अधिक से अधिक काम करके भविष्य के लिए इंतजाम करने के लिए लोग अपना जीवन दांव पर लगा देते हैं. यदि कर्मचारी भविष्य की सुरक्षा के प्रति आशान्वित रहेगा तो अधिक उत्पादक तो रहेगा ही साथ ही उसके उत्पादन की गुणवत्ता भी बेहतर होगी. दुर्भाग्यपूर्ण तो यह है की कई बार सरकारें भी इस सच्चाई को स्वीकार नहीं करतीं कि पेंशन की सुरक्षा कर्मियों को अपने कार्य जीवन में अधिक लगन से काम करने को प्रेरित करती है.आंकड़े बताते हैं कि भारत में कार्यस्थल मशीनी बन गए हैं. कोई 51 फ़ीसदी कर्मी प्रति सप्ताह 49 घंटे या उससे अधिक काम करते हैं. इस लिहाज से कई पश्चिमी देश काफी बेहतर स्थिति में है जहां ज्यादातर लोग 32 से 33 घंटे प्रति सप्ताह काम करते हैं. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

• बोधि-वृक्ष | डॉ. सत्यकेतु संजय

अलौकिक प्रेम

श्रीकृष्ण अब राजा बन गए थे. स्वाभाविक है कि राजकाज के लिए समय देना ही पड़ता. स्वयं भगवान ही जिन्हें राजा के रूप में मिल गए हों, उनकी प्रसन्नता की कोई सीमा होगी. द्वारकावासी दिनभर उन्हें घेरे रहते. जो एक बार दर्शन कर लेता, वह तो जाने का नाम नहीं लेता. बार बार आता. प्रभु मना कैसे करें और क्यों करें? ब्रज से दूर श्रीकृष्ण हमेशा अकेलापन महसूस करते. उन्हें गोकुल और ब्रज हमेशा याद आता. जिस भी ब्रजवासी के मन में अपने लल्ला से मिलने की तीव्र इच्छा होती, श्रीकृष्ण उसे स्वप्न में दर्शन दे देते. स्वप्न में आते तो उलाहना मिलती, इतने दिनों से क्यों नहीं आए. यही सिलसिला था. भक्त और भगवान वैसे तो दूर दूर थे. फिर भी स्वप्न में ही दर्शन हो जाएं तो ऐसे भाग्य को कोई कैसे न सराहे. श्रीकृष्ण से विरह से सबसे ज्यादा व्याकुल तो राधाजी थीं. राधा और कृष्ण मिलकर राधेकृष्ण होते थे पर दोनों भौतिक रूप से दूर थे. एक दिन की बात है. राधाजी सखियों संग कहीं बैठी थीं. अचानक एक सखी की नजर राधाजी के पैर पर चली गई. पैर में एक घाव से खून बह रहा था. राधा जी ने गोपियों को बहलाने का प्रयास तो किया पर सफल नहीं रहीं. किसी ने भी उनकी इस बात का विश्वास न किया. प्रश्नों से भाग रही थीं, अब पलटकर फिर से प्रश्न शुरू हो गए. सखियों ने पूछा, यदि यह घाव कान्हा के पैरों के नाखून से हुआ तो अबतक सूखा क्यों नहीं? कान्हा को गए तो कई बरस हो गए हैं. इतने में तो कोई भी घाव सूख जाए. देखो कुछ छुपाओ मत. हमसे छुपा न सकोगी. आज नहीं तो कल पता तो चल ही जाएगा. सो अच्छा है कि आज ही बता दो. राधा जी समझ गईं कि सखियों को आधी बात बताकर बहलाया नहीं जा सकता. वह तो अपने कन्हैया से आज ही रात स्वप्न में पूछ लेंगी. बात तो खुल ही जाएगी इसलिए बता ही देना चाहिए. राधा जी बोलीं, घाव तो सूखता तब न, जब मैं इसे सूखने देती. मैं रोज इसे कुरेदकर हरा कर देती हूं. सखियों की तो आंख फटी रह गई, यह सुनकर कि राधा जी घाव को हरा कर रही हैं. यह तो बड़ी विचित्र बात हुई. सबके चेहरे पर एक साथ कई भाव आए. अब राधा जी से फिर से प्रश्नों की झड़ी लगने वाली थी. इससे पहले कि कोई कुछ कहे राधाजी ने ही बात पूरी कर दी. राधा जी के पैर में चोट लगी है, घाव से खून बह रहा है. सभी चिंतित हो गए कि उन्हें यह चोट लगी कैसे. लगी भी तो किसी को पता क्यों न चला.

शालीनता और सादगी की एक मिसाल

• स्मृति

जगदीश रत्नानी

पद्म विभूषण रतन नवल टाटा का निधन टाटा समूह और भारतीय व्यापार व उद्योग की व्यापक दुनिया के लिए एक युग का अंत है. टाटा समूह का उन्होंने दो दशकों से अधिक समय तक नेतृत्व किया. टाटा समूह के प्रमुख के रूप में रतन टाटा का कार्यकाल उदारीकरण के युग के साथ का सह-टर्मिनस था जिसने भारतीय व्यापार परिदृश्य को नाटकीय रूप से बदल दिया और उसे साहसिक दांव, गहरे बदलाव और नई दिशाओं में ले गया. इनमें से कुछ भी आसान नहीं था, विशेष रूप से यह देखते हुए कि रतन टाटा को उस समूह को स्थानांतरित करने का काम सौंपा गया था जो हिंदू विकास दर की भारतीय कहानी का इतर हिस्सा था. उन्होंने इसे तेजी से आगे बढ़ाने और उच्च स्तर पर देखने की जिम्मेदारी उठाई.

इसका मतलब था बदलाव करना. अर्थात रतन टाटा पहले टाटा कंपनी को पुराने नियंत्रण से मुक्त कर अपने पूर्ण नियंत्रण ले सकें और फिर संगठन को दायरे और आकार पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित कर सकें. दुनिया की सबसे सस्ती कार का निर्माण (या लोगों की कार, जैसा नैनो को कहा जाता था), सॉफ्टवेयर दिग्गज टीसीएस को सार्वजनिक करना, टेटली और जगुआर लैंड रोवर को खरीदना उनके करियर की कुछ झलकियां हैं जिन्होंने समूह को हिलाकर रख दिया लेकिन इसके बावजूद जहाज को स्थिर रखा. यह एक चुनौतीपूर्ण यात्रा थी. रतन टाटा शांति के साथ काम करना पसंद करते थे इसलिए इस यात्रा को इसके सभी विस्तार के साथ कभी भी पूरी तरह से नहीं बताया गया. अपने पूर्ववर्ती जेआरडी टाटा के आकर्षण और चुंबकत्व के बिल्कुल विपरीत रतन टाटा अपने पूरे जीवन में अंतर्मुखी बने रहे.

जेआरडी स्पष्ट रूप से करिश्माई थे लेकिन रतन टाटा अभी भी एक शालीन नेता के रूप में खड़े थे जिन्होंने आज की बड़बोली और तेजतर्रार व्यापारिक दुनिया में शिष्टता और समझदार तरीके को बनाए रखा था. एक ऐसे युग में जब व्यापारिक नेता सोशल मीडिया पर अनिवार्य रूप से बोलते हैं, अपनी भड़कीली रुचियों के बारे में बताते हैं या अपनी पहुंच और शक्ति का प्रदर्शन करते हैं, तो ऐसे मामलों में रतन टाटा अलग थे. वे हमेशा सुर्खियों से दूर और अलग-थलग रहे. लगभग बंद दरवाजों के पीछे उन्होंने अपने जीवन के 86 साल बिताये.

> दुनिया की सबसे सस्ती कार का निर्माण (या लोगों की कार, जैसा नैनो को कहा जाता था), सॉफ्टवेयर दिग्गज टीसीएस को सार्वजनिक करना, टेटली और जगुआर लैंड रोवर को खरीदना उनके करियर की कुछ झलकियां हैं जिन्होंने समूह को हिलाकर रख दिया लेकिन इसके बावजूद जहाज को स्थिर रखा. यह एक चुनौतीपूर्ण यात्रा थी.

टाटा समूह के जाने-माने इतिहासकार स्वर्गीय रूसी एम लाला ने एक बार बातचीत में कहा था- 'रतन टाटा के पास गर्व करने के लिए बहुत कुछ है,' और यह कि 'जेआरडी को रतन पर गर्व होगा.' लाला ने कहा था, 'कुछ अर्थों में यह हो सकता है या यह तर्क देना संभव है कि रतन ने जो हासिल किया है- बिना करिश्मे, व्यक्तित्व या जेआरडी के चुंबकत्व के- वह जेआरडी की उपलब्धि से अधिक है. हालांकि हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि जेआरडी लाइसेंस राज से बंधे थे जबकि रतन उदारीकृत युग के तहत प्रदर्शन करने के लिए अपेक्षाकृत स्वतंत्र थे.'

टाटा समूह के अंदरूनी सूत्र के इस आकलन ने रतन टाटा की अनूठी उपलब्धियों के बारे में बहुत कुछ कहा. ये बातें उस समय कही गई थीं जब रतन टाटा ने अपनी सेवानिवृत्ति की घोषणा की थी और सायरस मिस्त्री को अध्यक्ष नामित किया गया था. उत्तराधिकार की यह कहानी जो अंततः समूह के लिए, सायरस मिस्त्री के लिए और व्यक्तिगत रूप से रतन टाटा के लिए बहुत गलत साबित हुई. फिर भी रतन टाटा इस झटके से भी उभरे और समूह को लगातार स्थिर रखा. उन्होंने 2017 में समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा सन्स के अध्यक्ष के रूप में टीसीएस के तत्कालीन अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक एन चंद्रशेखरन को नियुक्त किया और खुद चेयरमैन एमेरिटस का पद संभाला.

चंद्रशेखरन ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा है- 'टाटा समूह के लिए श्री टाटा एक चेयरपर्सन से कहीं अधिक थे. मेरे लिए वे एक संरक्षक, मार्गदर्शक और दोस्त थे. वे उदाहरण बनकर प्रेरित करते थे. टाटा समूह ने उनके नेतृत्व में उत्कृष्टता, सत्यनिष्ठा और नवाचार के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के साथ अपनी नैतिकता के प्रति हमेशा सच्चे रहते हुए अपने वैश्विक पदचिह्न का विस्तार किया.' **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

फिलिस्तीन मसले पर गहरी चुप्पी के मायने

• विमर्श

शेखर गुप्त

गाजावासियों और खासतौर पर फिलिस्तीनियों के लिए भारतीयों के मन में सहानुभूति इतनी कम क्यों है? हिजबुल्ला प्रमुख हसन नसरल्ला के मारे जाने का समय छोड़ दें तो कोई खास विरोध प्रदर्शन क्यों नहीं हो रहा है? नसरल्ला के मारे जाने पर भी ज्यादातर विरोध कश्मीर घाटी और लखनऊ के शिया बहुल इलाकों में ही हुआ. कोई प्रमुख राजनीतिक दल, कांग्रेस या मुस्लिम मतों पर भरोसा करने वाला कोई अन्य दल मसलन समाजवादी पार्टी या तृणमूल कांग्रेस इस पर नाराजगी तक नहीं दिखा पाया, विरोध प्रदर्शन तो दूर की बात है. कुछ वामपंथी समूहों ने जरूर पिछले दिनों जंतर मंतर पर फिलिस्तीन के लिए एकजुटता दिखाते हुए प्रदर्शन किया, लेकिन वह बेहद छोटा था. जो 'धर्मनिरपेक्ष' दल शुरू में इस पर बोले, वे जल्द ही वापस अपने खोल में चले गए. वे ऊहापोह में फंस गए और मुझे लगता है कि भारत में बहुसंख्यकों के इजरायल समर्थक रुख को देखकर वे सतर्क हो गए.

कांग्रेस ने वही किया जो वह अक्सर करती है. पहले एक्स पर कुछ कहा गया फिर दूसरों ने इससे इनकार कर दिया और बाद में बहुत संभालकर कुछ लिखा या कहा गया. केवल प्रियंका गांधी ने नाराजगी जाहिर की. उन्हें वायनाड से चुनाव भी लड़ना है, जहां 40 फीसदी से ज्यादा मतदाता मुसलमान हैं. हम विपक्ष की चिंता और सावधानी समझ सकते हैं. सभी को मुसलमानों के वोट चाहिए मगर हिंदुओं को अलग जाने देने की हिम्मत भी किसी के पास नहीं है. इसीलिए बड़ा सवाल यह हैः व्यापक भारतीय जनमानस इतना उदासीन क्यों है? क्या मानवीय त्रासदी अब हमें द्रवित नहीं करती? या तमाम बड़ी शक्तियों की तरह हम भी हर परिस्थिति को राजनीति के चश्मे से देखना सीख गए हैं? तो क्या हिंदू इसे केवल इजरायल बनाम मुस्लिम मसला मान रहे हैं? दलील यह भी हो सकती है कि इसे केवल सांप्रदायिक नजरिये से नहीं देखा जा रहा है बल्कि इसे राष्ट्रीय हित की नजर से भी देखा जा रहा है. अगर फिलिस्तीनी भारत का समर्थन चाहते हैं तो पहले उन्हें पाकिस्तान, ईरान तथा तुर्किये और मलेशिया (हालांकि अब वे कश्मीर का नाम नहीं लेते) जैसे अपने दोस्तों तथा ओआईसी से आग्रह करना होगा कि वे उनके साथ कश्मीर का जिक्र बंद कर दें. वरना भारत को उनकी परवाह क्यों हो?

कश्मीर और फिलिस्तीन को समान बताकर इस्लामिक दुनिया की सहानुभूति जुटाने की पाकिस्तान की कोशिश के कारण ही भारत में कश्मीर पर सहानुभूति खत्म हो गई है. भारत के लोग पाकिस्तान द्वारा कश्मीर का मुद्दा बार-बार उठाए जाने पर नाराज हैं. कश्मीर घाटी के बाहर पूरे भारत की जनता यही कहती हैः 'आखिर कौन सा कश्मीर मुद्दा?' अगर वहां कुछ था भी तो वह 5 पांच अगस्त 2019 को खत्म हो चुका है और अब वहां के चुनाव में 63.88 फीसदी मतदान तथा भाजपा की हार के साथ बात पूरी हो गई है. घाटी में भी पाकिस्तान के नजरिये को मिलने वाला समर्थन तेजी से घट रहा है.

> विदेश मंत्रालय की वेबसाइट पर भारत-इजरायल रिश्तों के बारे में पढ़िए. इसकी शुरुआत इस पंक्ति के साथ होती है कि हम अहम साझेदार हैं. उसके बाद भारत की अन्य व्यापक और अहम साझेदारियों पर नजर डालिए. संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और मिस्र जैसे सबसे ताकतवर इस्लामिक और अरब देश इसमें शामिल हैं.

हमने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि हमें इसे 'मुसलमान शत्रु का शत्रु यहूदी हमारा मित्र है' जैसा सरल नहीं मानना चाहिए. ऐसा इसलिए क्योंकि इस्लामिक दुनिया और भारत के बीच समीकरण बदल गए हैं. सोवियत संघ के पतन के बाद इजरायल शायद भारत में सबसे लोकप्रिय देश है.

विदेश मंत्रालय की वेबसाइट पर भारत-इजरायल रिश्तों के बारे में पढ़िए. इसकी शुरुआत इस पंक्ति के साथ होती है कि हम अहम साझेदार हैं. उसके बाद भारत की अन्य व्यापक और अहम साझेदारियों पर नजर डालिए. संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और मिस्र जैसे सबसे ताकतवर इस्लामिक और अरब देश इसमें शामिल हैं. ये सभी इजरायल के पड़ोसी भी हैं. वे इजरायल पर हमलावर ईरान और उसके सहयोगियों की मिसाइलों को मार गिराते रहे हैं. इस स्तंभ में हम ने अक्सर कहा भी है कि राष्ट्रहित हमेशा इस्लाम वाद पर भारी रहा है. ईरान, उसकी शिया बुनियाद और मुस्लिम ब्रदरहुड के साथ उसके रिश्ते उन सभी के लिए साझा खतरा हैं. (बिजनेस स्टैंडर्ड से साभार)

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

मीडिया में अन्यत्र

परमाणु निरस्त्रीकरण पर बहस छिड़नी चाहिए

हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बम गिराने की अमेरिकी करतूत के बाद इन शहरों को अभूतपूर्व तबाही से गुजरना पड़ा था, जिसके 79 साल पश्चात निहोन हिदानक्यो को 2024 का नोबेल शांति पुरस्कार प्रदान किया गया. इस संगठन ने बच गये लोगों (जिन्हें हिबाकुशा कहा जाता है) के कल्याण के लिए काम किया और परमाणु हथियारों के उन्मूलन की जरूरत पर आम सहमति बनाने की अथक कोशिश की. आज, बम हमलों में बचे लोगों की संख्या बमुश्किल एक लाख से ऊपर है, और हिबाकुशा की औसत उम्र 86 साल से ज्यादा है. बम हमलों में अनुमानतः 1.5 लाख लोगों की मौत हुई और बहुत से अन्य लोगों की मौत रेडियोएक्टिविटी के संपर्क में आने के पश्च-प्रभावों के चलते बाद में हुई. परमाणु बम हमलों की भयावहता और युद्धोपरांत सरकार की निष्क्रियता (जिसका मुख्य कारण हिबाकुशा की पीड़ा की खबरों पर अमेरिकी प्रतिबंध था) हिदानक्यो के गठन के रूप में सामने आयी. उसने हिबाकुशा को चिकित्सकीय एवं कल्याणकारी लाभ दिये जाने की पैरवी की और आंदोलन चलाया तथा परमाणु हथियारों के खिलाफ अडिग रुख अपनाया. उनके नारे में इस पर जोर दिया गया है, "अब और हिबाकुशा नहीं". जापान में अपनी सक्रियता (एक्टिविज्म) के अलावा, हिदानक्यो अपनी पीड़ा साझा करने और दुनिया को परमाणु हथियारों की भयावहता के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए कई देशों की यात्राओं पर भी गया, जिनमें भारत भी है. नोबेल कमेटी की सराहना करनी होगी कि उसने हिदानक्यो के योगदान को स्वीकार किया. जैसा कि कुछ विद्वान दावा करते हैं, हिदानक्यो की सक्रियता ने जापान में राजनीतिक विमर्श को बृहत्तर लोकतंत्र और न्याय की ओर ले जाने तथा शांतिवाद के उस सिद्धांत के प्रति जनता को संवेदनशील बनाने में मदद की जिसे द्वितीय विश्व युद्ध में पराजय के बाद जापान के संविधान में शामिल किया गया.युद्ध-विरोधी संगठनों की सक्रियता और सामाजिक आंदोलनों (इनमें हिदानक्यो की निःस्वार्थता और यह तथ्य कि वे परमाणु हथियारों के इस्तेमाल के सीधे भुक्तभोगी थे, एक अलग मुकाम रखते हैं) के बावजूद, परमाणु-शक्ति से लैस राष्ट्रों ने अपने शस्त्रागारों में परमाणु हथियारों को तैयार रखना और इनका इस्तेमाल सैन्य शक्ति के प्रदर्शन के लिए करना जारी रखा है. इसका ताजा उदाहरण रूस का यह साफ बयान है कि वह पारंपरिक हमले के खिलाफ जवाबी कार्रवाई के लिए अपने परमाणु हथियारों के इस्तेमाल से हिचकेगा नहीं. उसने इस धमकी का इस्तेमाल यूक्रेन पर अपना आक्रमण बेशर्मी से जारी रखने के लिए किया है. **(द हिंदू)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

सहस्र/सहस्त्र

हजार को संस्कृत भाषा में सहस्र कहा जाता है, लेकिन इस शब्द के बोलने और लिखने में बहुत सारे लोग गलतियां करते हैं. वे सहस्र को सहस्त्र बोलते और लिखते पाये जाते हैं. इसका कारण अज्ञानता भी हो सकता है और भ्रम भी. अज्ञानता इसलिए कि वैसे लोगों को इस शब्द का सही ज्ञान नहीं है. भ्रम इसलिए कि सहस्र और सहस्त्र शब्द देखने में एक जैसे लगते हैं. यदि अर्थ के दृष्टिकोण से देखें तो सार्थक शब्द सहस्र ही है, सहस्त्र नहीं. इस संबंध में विचार अपेक्षित है. सहस्र शब्द के अंत में 'स्' और 'र' है, वहीं सहस्त्र के अंत में स्+त्र है. गौर करने की बात यह है कि 'स्र' और 'स्त्र' वाले शब्द संख्या में बहुत कम हैं. जैसे 'स्त्र' वाले शब्द हैं अस्त्र, शस्त्र, वस्त्र, मिस्त्री, शास्त्र आदि. इसी प्रकार 'स्र' से बने शब्द भी अधिक संख्या में नहीं हैं. जैसे सहस्र, स्रोत, स्राव, मिस्र, इस्राइल आदि. इसी प्रकार का भ्रम स्रोत के मामले में भी होता है, जिसे बहुत सारे लोग स्त्रोत बोलते हैं और लिखते भी हैं. स्रोत का मतलब है उद्गम स्थल यानी वह स्थान या वस्तु जहां से कुछ निकलता है या प्राप्त होता है. अगर आप स्रोत की जगह स्त्रोत लिखते हैं तो उसका कोई अर्थ नहीं होता. हां, इससे मिलता-जुलता शब्द है स्तोत्र, जिसका मतलब होता है किसी की स्तुति या प्रशंसा में लिखा गया श्लोक या ग्रंथ. यदि इन शब्दों की वर्तनी और उच्चारण को दिमाग में बैठा लिया जाये तो भविष्य में 'स्र' और 'स्त्र' को लेकर भ्रमित होने की संभावना समाप्त हो जाएगी. आश्चर्य की बात तो यह है कि हिंदी शब्द सागर के ऑन लाइन संस्करण में कहीं सहस्र तो कहीं सहस्त्र ही लिखा मिलता है. ऐसा लगता है कि जिन लोगों ने इस शब्द को कंपोज किया होगा, वे स्वयं ही सहस्त्र ही लिखने-बोलनेवाले होंगे और उसकी ढंग से प्रूफ रीडिंग नहीं की गयी होगी.

जब हुआ मेरा पुतला-दहन

• तीर-तुक्का

प्रमोद यादव

जब-जब देश, राज्य या शहर-कस्बे में कोई बड़ा घोटाला होता है, भ्रष्टाचार होता है या कोई बड़ा नेता कोई बड़ा ही बेतुका बयान बकता है तब 'पुतला-दहन' का पावन पर्व शुरू हो जाता है और फिर सियासत गरमा जाती है. देश स्तर पर होता है तो यह कार्यक्रम बिजली की गति से शहर-दर-शहर सफ़र करता है(टीवी न्यूज के माध्यम से) और कसबे या शहर स्तर का होता है तो राज्य के किसी मंत्री-संत्री या मुख्य- मंत्री का पुतला फूंक अपनी अंतरात्मा को शांत कर लेते हैं. पुतला-दहन से हमेशा की तरह होता कुछ नहीं...ना सरकार कभी इससे जलती (गिरती) है ना ही कोई मंत्री-संत्री मरता या इस्तीफा देता है. ,ना ही फूंकने वाले किसी पुण्य के भागीदार बन ' स्वर्गीय' स्थिति को प्राप्त होते हैं बल्कि अगले चुनाव के बाद पासा पलट जाता है और पुतले फूंकने वाले खुद पुतलों की शक्ल में फूंके जाते हैं. पुतला-दहन के इतिहास के विषय में केवल इतनी जानकारी है कि बचपन में पहली बार दशहरे के दिन रावण के पुतले को दहकते देखा...तब इसे एक पर्व की भांति ही जाना .इस पर्व के मर्म से मैं सर्वथा अनभिज्ञ था.पर साल-दर साल यही सब देखते-देखते समझदार होता गया तो पुतले के मर्म को समझता गया .. राम -रावण की कहानी से भिज्ञ हुआ.. जाना कि एक छोटी सी चिंगारी आग का दरिया कैसे बनती है..भाई लखन ने रावण की बहन शूर्पनखा की नाक काट दी तो नौबत यहां तक पहुंची कि लंका-दहन हो गया और रावण रिवेन्ज लेने के मूड में बेवकूफी पर बेवकूफी और अन्याय पर अन्याय करता गया पर रामजी के न्याय के आगे टिक ना सका और देवों के देव महादेव के अनन्य भक्त रावण फिसड्डी साबित हो भस्म हो गया . मोराल ऑफ़ द स्टोरी ये है कि न्याय अन्याय पर भारी पड़ता है, सच का बोलबाला, झूठे का मुंह काला होता है. अच्छाई की बुराई पर सदैव जीत होती है. इसी बात को रिमाईंड कराने हर साल दशहरे पर रावण का पुतला–दहन करते हैं. पर रावण कभी मरता नहीं, बल्कि हर साल कुछ अधिक ऊंचाई के साथ खड़ा हो जाता है. आज के दौर में सत्य-असत्य, न्याय-अन्याय, अच्छाई- बुराई के बीच का फर्क समझ से परे है. जो बुरे हैं, बुरा काम करते हैं – वे ही मलाई खा रहे हैं. पड़ोस का ठाकुर कुछ नहीं करता सिवा तिकड़म के..मोहल्ले में कोई उसे पसंद भी नहीं करता. फिर भी रोज बिरयानी की सोंधी-सोंधी खुशबू केवल उसी के घर से आती है. नए युग के नए-नए सारे उपकरण केवल उसी के घर इंट्री मारते हैं. अच्छाई के साथ चलने वाले बेचारे टेंशन में होते हैं. किसी सड़क दुर्घटना में घायल आदमी का हेल्प कर दीजिये, पुलिस के धारावाहिक इंटरव्यू से आप पागल हो जायेंगे..बार-बार थाने जाने के चक्कर में अपना घर भी भूल जायेंगे. तब कान पकड़ यही कहेंगे- 'नहीं... दुबारा ऐसी भूल नहीं करूंगा कोई मरता है तो मरे. '

लाइफ लाइन

झारखंड के औषधीय वृक्ष

पीड़ा, कफ, पित्त तथा रुधिर विकार नाशक है कुचला

कुचला एक झारखंड की औषधीय वृक्षों में से एक महत्वपूर्ण वृक्ष है. लेकिन आज वन प्रदेश में खोजने पर भी देखने को नहीं मिलता है और इसकी पहचान लगभग झारखंड के जनजाति लोगों के बीच से विलुप्त हो गई है. इसे हिंदी में कुचला कहते हैं. अंग्रेजी में प्वाइजन नट और लैटिन में स्ट्रिकनास नक्स भोमिका कहते हैं. यह एक के जहरीला फल है और इसका उपयोग गोमूत्र में शोध करके लकवा अर्थात पैरालिसिस में उपयोग पारंपरिक वैद्य जन सैकड़ों वर्षों से करते आ रहे हैं. आज भी आयुर्वेदिक की दुकानों में शोधित कुचला से बनी हुई दवा मिल जाती है.

अनिल कुमार पाठक
पारंपरिक चिकित्सक

कुचला का फल अत्यंत पीड़ा को दूर करने वाला, कफ, पित्त तथा रुधिर विकार को नाश करने वाला होता है. पाश्चात्य मत के अनुसार कुचला के बीच उत्तेजक, स्नायु बलदायक होता है. वात, अजीर्ण, ध्वज भंग, शूल, आंतों की दुर्बलता, श्वास, शुक्र प्रमेह, मनोविकार, आक्षेप, नशा को रोकने के लिए के साथ साथ कई प्रकार के रोगों में हित कारक है. इसका उपयोग होमियोपैथी दवा के रूप में भी किया जाता है. मैं भी कुचला के बीज को शोधित कर उपयोग में लाता हूं.

कुचला के वृक्ष ऊंचे ऊंचे होते हैं. मटमैले रंग की इसकी त्वचा या छाल होती है. इसके पत्र गोल और 3-4 शिराएँ दिखाई पड़ती हैं. पुष्प हरिदाभ श्वेत एवं छोटे पुष्पदंड में लगा रहता है. इसके फल लड्डू की आकृति में छोटे नारंगी की तरह रहते हैं. पकने पर रक्ताभ पित वर्ण का दिखता है. फल के भीतर सफेद गूदा प्राप्त होते हैं. इसके बीज चपटा चक्राकार होता है और आसानी से इसका चूर्ण नहीं बनाया जा सकता है. झारखंड राज्य के वन प्रदेश से लगभग विलुप्त हो गया है और बहुत खोजने पर शायद कहीं कहीं देखने को मिल जाए. चूंकि कुचला बहुत ही उपयोगी पौधा है, इसलिए झारखंड सरकार के साथ-साथ राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड को इसके संवर्धन संरक्षण पर एक विशेष योजना बनाकर काम करने की आवश्यकता है.

(औषधीय पौधा की खेती एवं संवर्धन संरक्षण के जानकार)

सभी तस्वीर : अनिल कुमार पाठक

सिंघाड़ा खा कर दिल के रोगों का भगाइए

जल्द ही झारखंड के बाजारों में सिंघाड़े बिकते नजर आएंगे. बरसात के बाद मिलने वाला यह छोटा सा यह फल बेहद गुणकारी है. इसे यूं ही कच्चा छीलकर खाते हैं. इसे उबालकर हरी चटनी के साथ या नमक, चाट मसाला, नींबू और काली मिर्च आदि डाल कर भी खाते हैं. इसकी सब्जी, सलाद और अचार भी बनाए जाते हैं.

सिंघाड़े में 74 फीसदी तक पानी होता है. एंटी ऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है. ये वो मॉलिक्यूल होते हैं जो शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले फ्री रेडिकल्स की मात्रा को भी कम करते हैं. इसमें पोटैशियम की मात्रा अधिक होने से ब्लड प्रेशर और हार्ट डिजीज की आशंका घटती है. 100 ग्राम सिंघाड़े में मात्र 97 कैलोरी होती है. इसमें फाइबर, प्रोटीन, मैगनीज, पोटैशियम, कॉपर, विटामिन बी 6 भरपूर मात्रा में मिलता है. फाइबर अधिक होने से इनको खाने के बाद लंबे समय तक भूख नहीं लगती है. वजन घटाने में भी मददगार होते हैं.

इओसिनोफिलिस

मुश्किल से पहचान में आते लक्षण, जानिए बचाव के तरीके

इओसिनोफिलिस एक शारीरिक असमान्यता है जिसमें हमारे शरीर में इओसिनोफिलिस कोशिकाओं की संख्या बढ़ जाती है. सवाल है कि इओसिनोफिलिस कोशिका क्या होती है. इओसिनोफिल श्वेत रक्त कोशिका यानी वाइट ब्लड सेल्स का एक प्रकार है. ये कोशिकाएं हमारी रोग प्रतिरोध व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जो शरीर में मौजूद बैक्टीरिया, वायरस व संक्रमण से हमारा बचाव करता है. जब किसी कारण खून में इसकी संख्या बढ़ जाती है, तो इस स्थिति को इओसिनोफिलिया कहते हैं. इओसिनोफिल कोशिकाओं के बढ़े हुए स्तर को "ब्लड इओसिनोफिलिया" कहा जाता है. यही इओसिनोफिलिया ऊतकों को प्रभावित करे तो इस स्थिति को "टिश्यू इओसिनोफिलिया" कहा जाता है. इओसिनोफिलिया मरीज के फेफड़ों, दिल, रक्त वाहिकाओं साइनस, गुर्दे और मस्तिष्क को प्रभावित कर सकता है. इसलिए इसके इलाज के लिए यथाशीघ्र चिकित्सक से संपर्क किया जाना चाहिए.

डॉ राजेश कुमार सिंह
फिजीशियन व गहन रोग विशेषज्ञ, मेडिका, रांची

इओसिनोफिलिया के कारण

इओसिनोफिल की स्थिति में पीड़ित के रक्त में इओसिनोफिल्स की संख्या बढ़ जाती है. रक्त में इओसिनोफिल्स की संख्या बढ़ने के लिए कई कारक जिम्मेदार हो सकते हैं. आइए, इन कारकों की चर्चा करें-

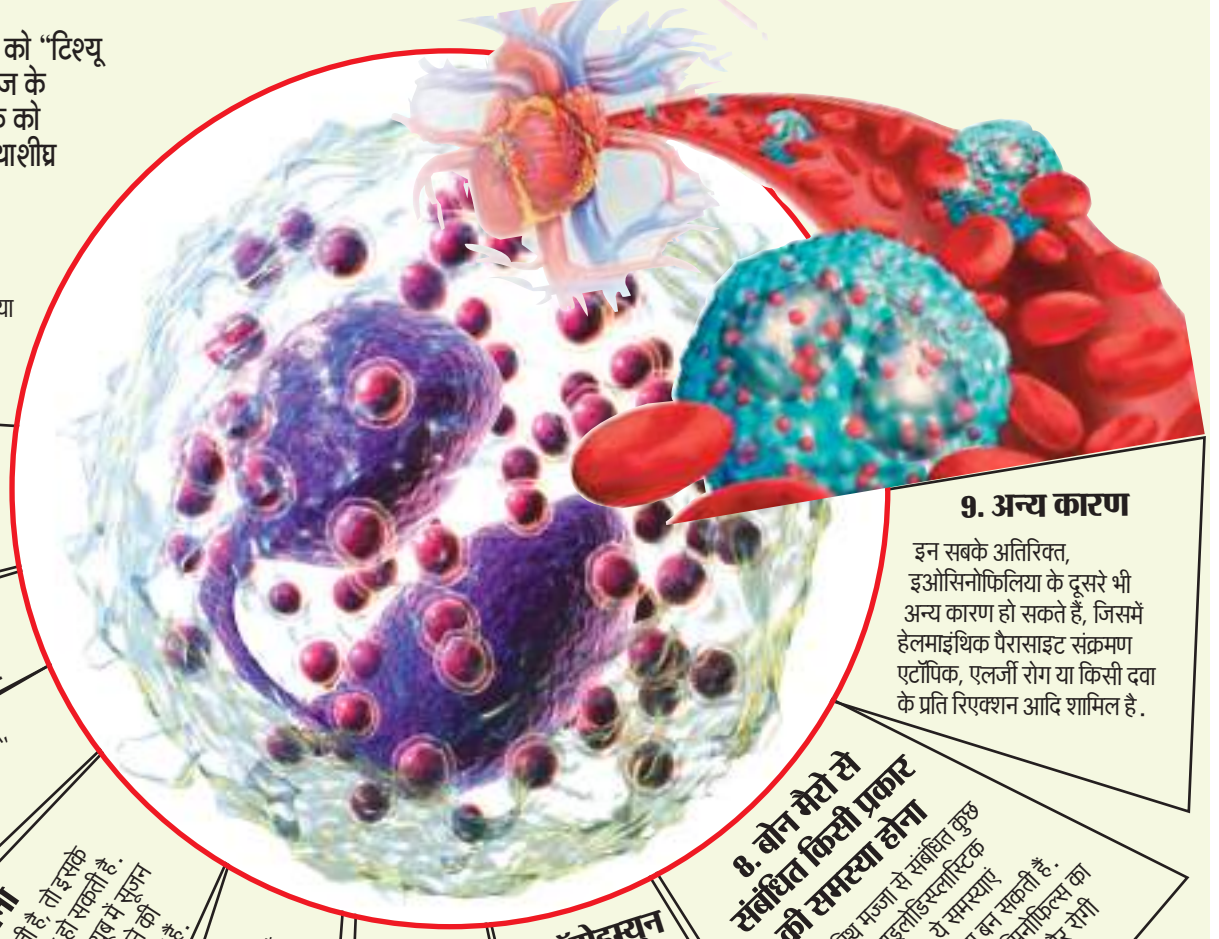

1. एलर्जी से संबंधित विकार
कई बार जब पीड़ित एलर्जी से ग्रसित रहता है तो उसके रक्त में इओसिनोफिल्स की मात्रा बढ़ जाती है. अस्थमा, एलर्जिक राइनाइटिस, और एटोपिक डर्मेटाइटिस कुछ ऐसे एलर्जी है, जिससे एक व्यक्ति गंभीर रूप से प्रभावित हो सकता है.

2. पैरासाइट और फंगल इंफेक्शन
पैरासाइट और फंगल संक्रमण भी इओसिनोफिलिया के प्रमुख कारणों में शरीक हैं.

3. कैंसर
कुछ खास प्रकार के कैंसर जैसे ल्यूकेमिया, लिम्फोमा, और मैलानेट मेलानोमा आदि से ग्रस्त होने पर भी रक्त में इओसिनोफिल्स की मात्रा बढ़ जाती है.

4. दमा की शिकायत होना
यदि आपको दमा की शिकायत रहती है, तो इसके कारण इओसिनोफिलिया की समस्या हो सकती है. दरअसल दमा की वजह से ब्रांकियल ट्यूब में सूजन आ सकती है. रक्त में इओसिनोफिल्स बढ़ने की वजह से दमा पीड़ित अधिक परेशान हो सकते हैं.

5. एलर्जिक राइनाइटिस
एलर्जिक राइनाइटिस में इओसिनोफिल्स नाक में सूजन और खुजली जैसी समस्या उत्पन्न हो सकती है.

6. त्वचा से संबंधित कोई समस्या होना
त्वचा से संबंधित समस्याएं, जैसे कि एक्जिमा और सोरायसिस, इओसिनोफिलिया के मुख्य कारणों में से एक है.

7. ऑटोइम्यून डिजीजसमस्या होना
कुछ ऑटोइम्यून बीमारियां, जैसे रूमेटिक आर्थराइटिस और सिस्टमिक ल्यूपस एरिथेमेटोसस, इओसिनोफिलिया जैसे रोग के मुख्य कारण बन सकते हैं.

8. बोन मैरो से संबंधित किसी प्रकार की समस्या होना
बोन मैरो या अस्थि मज्जा से संबंधित कुछ समस्याएं हैं, जैसे माइलोडिस्प्लास्टिक सिंड्रोम और ल्यूकेमिया. ये समस्याएं इओसिनोफिलिया का कारण बन सकती हैं. इन स्थितियों में, बोन मैरो इओसिनोफिल्स का उत्पादन करने में असमर्थ रहते हैं और रोगी को बहुत परेशान करते हैं.

9. अन्य कारण
इन सबके अतिरिक्त, इओसिनोफिलिया के दूसरे भी अन्य कारण हो सकते हैं, जिसमें हेलमाइंथिक पैरासाइट संक्रमण एटॉपिक, एलर्जी रोग या किसी दवा के प्रति रिएक्शन आदि शामिल है.

इओसिनोफिलिया के लक्षण

आमतौर पर इओसिनोफिलिया के लक्षण स्पष्ट नहीं होते हैं. मरीज यदि खुद ध्यान दे तो कुछ लक्षणों की पहचान कर सकता है. ऐसे ही कुछ प्रमुख लक्षण हैं शरीर में सूजन होना, खुजली होना, दिल संबंधी परेशानी होना, नर्व डैमेज होना आदि. दरअसल कारणों के अनुसार मरीज में अलग अलग लक्षण भी सामने आ सकते हैं. जैसे अस्थमा के कारण इओसिनोफिलिया होने पर घबराहट होना, सांस फूलना और सांस लेने में दिक्कत होना जैसी समस्याएं हो सकती हैं. वहीं किसी दवा के प्रति रिएक्शन होने पर त्वचा संबंधित लक्षण दिख सकते हैं जैसे कि त्वचा पर लाल चकत्ते होना. परजीवी संक्रमण के कारण इओसिनोफिलिया होने पर पेट में दर्द होना, बुखार, खांसी, दस्त और त्वचा पर चकत्ते होना आदि आदि लक्षण सामने आते हैं. इनके अलावा इओसिनोफलिया के कुछ दुर्लभ लक्षण भी होते हैं जो बहुत कम देखे जाते हैं. ऐसे लक्षणों में वजन घटना, रात को पसीना आना, लिम्फ नॉड्स का आकार बढ़ना और नसों को नुकसान पहुंचने के कारण प्रभावित अंगों में झुनझुनी या सुन्न महसूस होना आदि शामिल हैं. महत्वपूर्ण बात तो यह है कि हम किसी लक्षण के उभरने पर आमतौर इसकी खास जांच नहीं कराते. होता आमतौर पर यह है कि जब डॉक्टर किसी और रोग की जांच के लिए रक्त का परीक्षण करते हैं तब कराए गए ब्लड टेस्ट में खुलासा होता है कि मरीज को इओसिनोफिलिया भी है. ऐसे में पाठकों को सलाह दी जाती है कि कुछ खास लक्षण यदि आप भी महसूस करते हैं तो तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें और उनकी सलाह पर रक्त की जांच कराएं. ये खास लक्षण हैं घरघराहट होना या सांस फूलना, पेट दर्द, दस्त, बुखार, खांसी या त्वचा पर किसी दूसरे प्रकार की समस्या, शरीर के किसी भाग का सुन्न हो जाना या उसमें झुनझुनी जैसी सनसनी महसूस होना, अपने आप शरीर का वजन कम होना आदि.

कैसे करें बचाव

बेशक इओसिनोफिलिया के पीछे कई कारण हो सकते हैं, जिससे बचाव संभव नहीं है. फिर भी कुछ सामान्य सावधानियां अपना कर हम इस रोग से बचाव कर सकते हैं. ऐसी ही कुछ सावधानियां है-

- एलर्जी पैदा करने वाले पदार्थों से दूरी बनाएं.
- बाहर से घर आने के बाद अपने हाथों को अच्छी तरह से धोएं.
- अपने शरीर के साथ-साथ घर की सफाई का खास ध्यान रखें.
- मौसम में बदलाव के समय खान-पान का ख़ास ध्यान रखें.
- कच्चे फलों और सब्जियों को खाने से पहले उन्हें अच्छी तरह धोएं.
- बाहर की चीजों और फास्ट फूड एवं कोल्ड ड्रिंक्स का अत्यधिक सेवन करने से बचें.
- खाने और पानी की स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें. आवश्यकता के अनुसार पानी को उबाल कर पीएं.
- यौन संबंधी गतिविधियों में विशेष रूप से सावधानियां बरतें.
- दूध और अन्य डेयरी उत्पाद के सेवन पर खास ध्यान रखें.

इओसिनोफिलिया का परीक्षण

इओसिनोफिल्स कोशिकाओं की बढ़ती मात्रा के निदान के लिए डॉक्टर मरीज के शरीर से ऊतकों का सैंपल ले सकते हैं और उनकी जांच कर सकते हैं। परीक्षण के परिणाम के आधार पर ही डॉक्टर इलाज की योजना बनाते हैं। इतना ही नहीं इओसिनोफिलिया की जांच के लिए डॉक्टर शरीर में मौजूद अन्य द्रवों की जांच भी कर सकते हैं। इसके साथ साथ इओसिनोफिल्स (eosinophils) कोशिकाओं का बढ़ा हुआ स्तर खून की जांच के दौरान मिल सकता है। इओसिनोफिल्स या इसके कारण की पुष्टि के लिए कुछ अन्य टेस्ट भी डॉक्टर करवा सकते हैं, जैसे -लिवर फंक्शन टेस्ट, छाती का एक्स रे, अल्ट्रासाउंड, या एमआरआई कैंसर के कारण की पहचान कर सकते हैं. यूरिन टेस्ट, अन्य प्रकार के खून टेस्ट, ऊतक व बोन मेरो का बायोप्सी टेस्ट, स्टूल टेस्ट, ट्यूमर मार्कर टेस्ट आदि के जरिए डॉक्टर एक व्यापक मूल्यांकन करेंगे और स्थिति के आधार पर इलाज की योजना बनाएंगे.

इओसिनोफिलिया पीड़ित का कैसा हो आहार

क्या खाएं

- **फल :** सेब, संतरे, अंगूर, ब्लूबेरी, केला, पपीता, और अनानास
- **सब्जियां :** पालक, ब्रोकोली, गाजर, टमाटर, खीरा, और मूली
- **होल ग्रेन :** जई, ओट्स, क्विनोआ, और ब्राउन राइस
- **हेल्दी फैट :** अलसी का तेल, जैतून का तेल, और एवोकाडो
- **प्रोटीन :** चिकन, मछली, टोफू, और बीन्स

क्या न खाएं

- **एलर्जी पैदा करने वाले खाद्य पदार्थ :** डेयरी उत्पाद, अंडे, नट्स, बीज, फलियां, और सीफूड.
- **पैरासाइट संक्रमण वाले खाद्य पदार्थ :** कच्चे या आधे पके हुए मांस या समुद्री जीव का भोजन. कच्चे या अधपके अंडे, और बिना धोए हुए फल और सब्जियां भी स्थिति को खराब कर सकती हैं.
- **कैंसर वाले खाद्य पदार्थ :** प्रोसेस्ड फूड, रेड मीट, तला हुआ भोजन, और शर्करा युक्त पेय पदार्थ.

ढूंढने से नहीं मिलेगी पेट की चर्बी

बैली फैट यानी पेट की चर्बी को लेकर बड़ी संख्या में लोग बेहद चिंतित रहते हैं. खास कर महिलाएं इस समस्या से अधिक परेशान रहती हैं. बैली फैट को कम करने के लिए योग-व्यायाम और डाइट के साथ दिनचर्या में भी बदलाव लाने चाहिए. योग विशेषज्ञों से हमने जाना चार योगासन के बारे में जिन्हें नियमित करने से बेली फैट की समस्या से छुटकारा मिल सकता है. आइए, इन योगासन के बारे में जाने...

भुजंगासन

इस योग को करने से पेट पर अधिक बल पड़ता है. इससे पाचन तंत्र बहुत मजबूत होता है. इससे कब्ज, अस्थमा, महिलाओं को होने वाली मासिक धर्म में समस्या को दूर किया जा सकता है. शुरुआती दौर में भुजंगासन योग की मुद्रा में करीब 15- 20 सेकंड के लिए रहने की सलाह दी जाती है. कुछ समय अभ्यास के बाद समय सीमा को धीरे-धीरे बढ़ाकर एक मिनट करें.

ऐसे करें : भुजंगासन करने के लिए आपको सबसे पहले योग मैट पर पेट के बल लेटकर अपने दोनों पैरों के अंगूठों और एड़ियों को मिलाते हुए दोनों हथेलियों को सीने के सामने जमीन पर रखें. अब सांस लेते हुए हथेलियों पर दबाव डालें और सिर, छाती और नाभि तक पेट को ऊपर उठाएं. इस स्थिति में आसमान की तरफ देखें. गर्दन को सीधी रखें. कुछ देर इस स्थिति में बने रहें और फिर सांस छोड़ दें. धीरे-धीरे सामान्य अवस्था में आ जाएं. इस योगासन को 3-5 बार दोहरा सकते हैं.

धनुरासन

धनुरासन करने से ना केवल पेट की बल्कि पीठ की चर्बी भी कम की जा सकती है. इसके अलावा इस योगासन के नियमित अभ्यास से ब्लड सर्कुलेशन भी बेहतर होता है, यह कब्ज, अपच और लिवर की सुस्ती को कम कर सकता है. ध्यान रखें कि जिन लोगों को सिरदर्द, माइग्रेन या अनिद्रा की समस्या है, उन्हें इसे नहीं करना चाहिए.

ऐसे करें : धनुरासन के अभ्यास के लिए सबसे पहले पेट के बल लेट जाएं. अब हाथों को पैरों के पास रखते हुए घुटनों को मोड़ें. मुड़े हुए घुटनों को पकड़कर रखें. अब श्वास लेते हुए सीने को ऊपर की ओर उठाएं और हाथों से पैरों को खींचें. श्वास की गति पर ध्यान केंद्रित करें. अब 15-20 सेकेंड तक इस अवस्था में रहें, फिर पूर्व की स्थिति में आ जाएं.

मार्जरी आसन

इस योगासन को कैट पोज भी कहते हैं. इस आसन को करने से पाचन तंत्र मजबूत होता है. इसे करने से रीढ़ की हड्डी मजबूत बनती है. महिलाएं प्रसव के बाद इस योगासन को करेंगी तो बेली फैट कम होगा.

ऐसे करें : मार्जरासन करने के लिय आप सबसे पहले फर्श पर एक योगा मैट को बिछा कर अपने दोनों घुटनों को टेक कर या वज्रासन की मुद्रा में बैठ जाएं. अब अपने दोनों हाथों को फर्श पर आगे की ओर रखें. अपने दोनों हाथों पर थोड़ा सा भार डालते हुए अपने हिप्स (कूल्हों) को ऊपर उठाएं. अपनी जांघों को ऊपर की ओर सीधा करके पैर के घुटनों पर 90 डिग्री का कोण बनाए. इस स्थिति में आपकी छाती फर्श के समान्तर होगी और आप एक बिल्ली के समान दिखाई देगें. अब आप एक लंबी सांस लें और अपने सिर को पीछे की ओर झुकाएं, अपनी नाभि को नीचे से ऊपर की तरफ धकेलें और टेलबोन (रीढ़ की हड्डी का निचला भाग)) को ऊपर उठाएं. अब अपनी सांस को बाहर छोड़ते हुए अपने सिर को नीचे की ओर झुकाएं और मुंह की ठुड्डी को अपनी छाती से लगाने का प्रयास करें. इस स्थिति में अपने घुटनों के बीच की दूरी को देखें और ध्यान रखें की इस मुद्रा में आपके हाथ झुकने नहीं चाहिए. अपनी सांस को लम्बी और गहरी रखें. अब फिर से अपने सिर को पीछे की ओर करें और इस प्रक्रिया को दोहराहएं. इस क्रिया को आप 10-20 बार दोहराएं.

अर्ध मत्स्येन्द्रासन

रीढ़ की हड्डी और पैरों सहित लगभग पूरा शरीर इस आसन में शामिल होता है. इसलिए स्वास्थ्य की दृष्टि से यह शरीर के विभिन्न अंगों के लिए फायदेमंद होता है. मधुमेह के रोकथाम में अहम भूमिका निभाता है. अगर पेट की चर्बी कम करनी हो तो इस आसन का अभ्यास जरूर करें.

ऐसे करें : इस आसन को करने के लिए आप जमीन बैठ जाएं और पैरों को सीधा कर लें. इस समय आप रीढ़ की हड्डी को सीधा रखें. इसके बाद बाएं पैर को मोड़े और इससे कुल्हे के नीचे दबाएं. अब दाएं पैर को ऊपर की मोड़े, इसका घुटना ऊपर की ओर रखें. इसके बाद जो पैर ऊपर की ओर है, उस ओर शरीर के ऊपरी हिस्से को घुमाएं. ऐसा करते समय आप ऊपर वाले पैर को नीचे वाले पैर से क्रॉस करें और तलवे को घुटने के पास ले आएं. बाएं हाथ को जमीन पर रखें और गहरी सांस को अंदर भरें. इस पोजिशन में करीब 20 से 30 सेकेंड तक शरीर स्थिर रखें. इसके बाद ठीक विपरीत दिशा में आसन को दोहराएं. शुरुआत में आसन को ज्यादा देर तक न करें. इसके बाद धीरे-धीरे समय को बढ़ाएं.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

एशेज टेस्ट सीरीज : पर्थ में 21 नवंबर से खेला जाएगा पहला टेस्ट

एजेंसी। सिडनी

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की एशेज टेस्ट सीरीज वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के पर्थ में शुरू होगी. यह पहली बार होगा जब एशेज टेस्ट का आयोजन नयी जगह पर किया जाएगा. पर्थ स्टेडियम 1882 से चली आ रही प्रतिद्वंद्विता में एशेज टेस्ट आयोजित करने वाला आठवां ऑस्ट्रेलियाई मैदान बन जाएगा. पहला टेस्ट 21 नवंबर 2024 से 25 नवंबर तक पर्थ में खेला जायेगा, जबकि दूसरा टेस्ट चार से आठ दिसंबर तक ब्रिसबेन में होगा, जो दिन रात का टेस्ट होगा. एडीलेड ओवल में तीसरा टेस्ट 17 से 21 दिसंबर के बीच खेला जायेगा. मेलबर्न में पारंपरिक बॉक्सिंग डे टेस्ट 26 दिसंबर से और सिडनी में पांचवां टेस्ट चार से आठ जनवरी के बीच खेला जायेगा. एशेज इस समय ऑस्ट्रेलिया के पास है जिसने 2023 में इंग्लैंड में ड्रॉ खेला था.दोनों टीमों का ऐलान अभी नहीं हुआ. सीरीज से 15 दिन पहले दोनों टीमों का ऐलान हो सकता है. पिछली बार जब इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया की टीम एशेज में भिड़ी थी, तो 5 मैचों की सीरीज 2-2 से बराबरी रही थी. 5वां और अंतिम टेस्ट 5 दिन तक चला. अंतिम सेशन में मेजबान इंग्लैंड को 49 रनों से जीत मिली. इस तरह से 5 मैचों की सीरीज 2-2 से बराबरी रही. एक समय ऑस्ट्रेलिया की टीम सीरीज में 2-0 से आगे थी.

एशेज सीरीज हेड टू हेड

अब तक इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच 73 एशेज सीरीज खेली जा चुकी हैं, जिनमें से ऑस्ट्रेलिया ने 34 बार जीत हासिल की है, जबकि इंग्लैंड ने 32 बार बाजी मारी है. सात सीरीज ड्रॉ पर खत्म हुई हैं. दोनों ही टीमों ने एशेज में लगातार आठ-आठ बार जीत दर्ज करने का रिकॉर्ड बनाया है. इंग्लैंड ने यह कारनामा 1882-83 से 1890 तक किया था, इस दौरान इंग्लैंड ने 16 टेस्ट मैचों में जीत दर्ज की और केवल चार मैच हारे थे. गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलिया ने 2023 में इंग्लैंड के साथ 2-2 की ड्रॉ सीरीज के बाद एशेज ट्रॉफी अपने पास बनाए रखी है. अब देखना होगा कि 2025-26 में कौन सी टीम एशेज ट्रॉफी पर कब्जा करती है.

एशेज 2025-26 का शेड्यूल

- **पहला टेस्ट :** पर्थ स्टेडियम, 21-25 नवंबर 2025
- **दूसरा टेस्ट (डे-नाइट) :** गाबा, 4-8 दिसंबर 2025
- **तीसरा टेस्ट :** एडिलेड ओवल, 17-21 दिसंबर 2025
- **चौथा टेस्ट :** मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड, 26-30 दिसंबर 2025
- **पांचवां टेस्ट :** सिडनी क्रिकेट ग्राउंड, 4-8 जनवरी 2026

क्या है एशेज का इतिहास?

एशेज टेस्ट क्रिकेट के इतिहास की सबसे पुरानी सीरीज है, जिसका अभी तक आयोजन होता है. इस रोमांचक सीरीज की शुरुआत 1882-83 में हुई थी. 1882 में ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड खेलने आई थी. उस सीरीज का पहला टेस्ट मैच इंग्लैंड के ओवल स्टेडियम में खेला गया था. यह मुकाबला कंगारुओं ने जीत लिया था. इंग्लैंड पहली बार अपने घर पर कोई टेस्ट मैच हारी थी. इसके बाद इंग्लिश मीडिया का एक बोल्ड स्टेटमेंट सामने आया था. इंग्लैंड की कंगारुओं से मिली इस हार को इंग्लिश क्रिकेट की मृत्यु कहा गया था. न्यूजपेपर द स्पोर्ट्स टाइम्स में छपा, इंग्लिश क्रिकेट की 29 अगस्त 1882 को ओवल में मौत हो गई. बॉडी के आखिरी राइट्स करने के बाद राख-एशेज को ऑस्ट्रेलिया ले जाया जाएगा. गौरतलब है कि इसके बाद 1883 में इंग्लैंड की टीम ने ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया था. टूर पर जाने से पहले इंग्लिश कप्तान इवो ब्लिंग ने इस बात का एलान किया था कि वह एशेज लेने जा रहे हैं.

भारत-न्यूजीलैंड बेंगलुरु टेस्ट : बारिश के कारण पहला दिन टॉस भी नहीं हो सका

बारिश की भेंट चढ़ा पहले दिन का खेल

एजेंसी। बेंगलुरु

बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले जा रहे भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला के पहले मैच का पहला दिन बारिश से धुल गया. बारिश के कारण पहला दिन टॉस भी नहीं हो सका. अब मैच का टॉस भी 17 अक्टूबर को होगा. मैदान पर पूरे दिन बारिश की वजह से कवर्स मौजूद थे. कई बार ऐसा अपडेट भी आया कि मैच शुरू हो सकता है, लेकिन करीब ढाई बजे मैच के प्रसारण के दौरान पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर सबा करीम ने घोषणा की 16 अक्टूबर का खेल रद्द हो गया है. दूसरे दिन का खेल 17 अक्टूबर को सुबह 9:15 पर शुरू होगा.

इससे पहले अंपायर दिनभर लगातार मैदान का निरीक्षण करते रहे. पिच के चारों ओर पैच और नमी दिखी. भारतीय टीम इस महीने की शुरुआत में बांग्लादेश को हराने के बाद आत्मविश्वास से भरी हुई है. न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज भारतीय दल के लिए अपनी कमियों को दूर करने और नवंबर में ऑस्ट्रेलिया की यात्रा से पहले अपनी ताकत को परखने के लिए महत्वपूर्ण होगी.

सभी की निगाहें अनुभवी रोहित शर्मा और विराट कोहली पर होंगी, जो बांग्लादेश सीरीज में कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए थे और 4 पारियों में अर्धशतक बनाने में विफल रहे थे. जबकि यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल और ऋषभ पंत जैसे युवाओं ने बांग्लादेश के खिलाफ प्रभावशाली प्रदर्शन किया, लेकिन गेंदबाजों और ऑलराउंडरों ने खूब वाहवाही बटोरी. बांग्ला टाइगर्स के खिलाफ पहले टेस्ट में रविचंद्रन अश्विन की शानदार बल्लेबाजी और दो टेस्ट में जसप्रीत बुमराह की तेज गेंदबाजी ने मेहमान टीम को बुरी तरह से परेशान कर दिया था.

भारत और न्यूजीलैंड का टेस्ट इतिहास

जब भी न्यूजीलैंड की टीम भारत दौरे पर आई और उसने यहां टेस्ट सीरीज खेली है, तब-तब उसे रोना ही पड़ा है. फैंस को यहां सीधे-सरल शब्दों में बता दें कि न्यूजीलैंड की टीम अब तक भारतीय जमीन पर कोई भी द्विपक्षीय टेस्ट सीरीज नहीं जीत सकी है. कीवी टीम ने पहली बार 1955 में भारत का दौरा किया था, तब उसे 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-0 से हार झेलनी पड़ी थी. इस सीरीज के तीन मुकाबले ड्रॉ रहे थे. इसके बाद न्यूजीलैंड टीम 1965 में भारत आई और इस बार भी उसे एक भी टेस्ट जीतने का मौका नहीं मिला. तब भारत ने 4 टेस्ट की सीरीज में 1-0 से हराया था. 3 टेस्ट ड्रॉ रहे थे. फिर 4 साल बाद यानी 1969 में एक बार कीवी टीम ने भारत का दौरा किया और इस बार भारतीय जमीन पर उसने पहला टेस्ट जीता. इस बार न्यूजीलैंड 3 मैचों की टेस्ट सीरीज 1-1 से बराबर करने में सफल रही थी. एक मैच इस बार भी ड्रॉ रहा था.

भारत में न्यूजीलैंड टीम का टेस्ट मैचों में रिकॉर्ड

- कुल सीरीज : 12
- भारत जीता : 10
- न्यूजीलैंड जीता : 00
- ड्रॉ : 2

न्यूजीलैंड टीम को पिछली सीरीज में हार मिली

भारत और न्यूजीलैंड के बीच आखिरी टेस्ट सीरीज नवंबर 2021 में हुई थी. यह सीरीज भारतीय जमीन पर ही हुई थी, जहां न्यूजीलैंड को 2 मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 से हार झेलनी पड़ी थी. यदि ओवरऑल टेस्ट सीरीज और मैचों का रिकॉर्ड देखा जाए तो इसमें भी भारतीय टीम का ही पलड़ा भारी नजर आता है.

भारत-न्यूजीलैंड के बीच ओवरऑल सीरीज रिकॉर्ड

- कुल टेस्ट सीरीज : 23
- भारत जीता : 12
- न्यूजीलैंड जीता : 7
- ड्रॉ : 4

भारत-न्यूजीलैंड के बीच ओवरऑल टेस्ट रिकॉर्ड

- कुल टेस्ट मैच : 62
- भारत जीता : 22
- न्यूजीलैंड जीता : 13
- ड्रॉ : 27

न्यूजीलैंड का भारत दौरा

- **16 अक्टूबर से :** पहला टेस्ट, बेंगलुरु
- **24 अक्टूबर से :** दूसरा टेस्ट, पुणे
- **1 नवंबर से :** तीसरा टेस्ट, मुंबई

एडी टी10 लीग में पदार्पण के लिए तैयार है यूपी नवाब

एजेंसी। नयी दिल्ली

एडी टी10 लीग में नई फ्रेंचाइजी यूपी नवाब अपना पदार्पण करने के लिए तैयार है. टीम के मालिक वेंचर कैपिटलिस्ट लविश चौधरी हैं. मूल रूप से उत्तर प्रदेश के रहने वाले चौधरी की गाजियाबाद और मुजफ्फरनगर से यात्रा उनकी जड़ों से उनके गहरे जुड़ाव और क्रिकेट के प्रति आजीवन जुनून को दर्शाती है. यह नया उद्यम उन्हें खेल के प्रति अपने प्यार को अपने रणनीतिक निवेश दृष्टिकोण के साथ जोड़कर एक ऐसी टीम बनाने का मौका देता है जो उत्तर प्रदेश की भावना और लचीलेपन का प्रतिनिधित्व करती है. लविश चौधरी ने टीम के लिए अपनी आकांक्षाओं को साझा करते हुए एक बयान में कहा, क्रिकेट मेरे जीवन का एक मूलभूत हिस्सा रहा है, और एडी टी10 लीग में एक फ्रैंचाइजी का मालिक होना एक सपने के सच होने जैसा है. यूपी नवाबों के साथ, मेरा लक्ष्य उत्तर प्रदेश के गौरव को वैश्विक मंच पर लाना और लीग में एक मजबूत दावेदार के रूप में अपनी उपस्थिति स्थापित करना है.

डेलानी की जगह गैबी लुईस बनीं आयरलैंड की कप्तान

एजेंसी। डबलिन

गैबी लुईस को आयरलैंड महिला क्रिकेट टीम का नया कप्तान नियुक्त किया गया है, जो अब तक की सबसे अनुभवी खिलाड़ी लॉरा डेलानी की जगह लेंगी. डेलानी ने सभी प्रारूपों में आयरलैंड का 207 बार प्रतिनिधित्व किया है और पिछले आठ वर्षों से वह उनकी कप्तानी भी कर रही हैं. वे महिला टी20 विश्व कप में जगह बनाने में असमर्थ रहीं, लेकिन हाल ही में उन्हें सफलता मिली है, अगस्त में श्रीलंका के साथ द्विपक्षीय मुकाबले में 1-1 से बराबरी की, जब लुईस ने शतक बनाया और उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गईं. इसके बाद उनकी टीम ने वनडे में श्रीलंका को 2-1 से हराया. लुईस, जो वर्तमान में मेलबर्न में क्लब क्रिकेट खेल रही हैं, ने कहा, मुझे पता है कि जब मैं पहली बार सीनियर टीम में आई थी, तो डेल्स उन टीम-साथियों में से एक थीं जिनसे आप प्रेरणा लेते थे. शौकिया से पेशेवर युग में जाने के बाद, उन्होंने लगातार अपने खेल को विकसित करने और सुधारने की कोशिश की है, और मैं डेल्स के साथ कई और मौकों पर खेलने के लिए उत्सुक हूं.

हरमनप्रीत को कप्तानी से हटाने की मांग

नयी दिल्ली । आईसीसी इवेंट में भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लिए ऑस्ट्रेलिया सबसे बड़ी परेशानी का सबब बन चुकी है. पिछले कुछ वर्षों से भारत और ट्रॉफी के बीच यह टीम एक ऐसी दीवार बन गई है क्रिकेट/खेल हरमनप्रीत कौर को कप्तानी से हटाने की मांग, क्या होगा बीसीसीआई का फैसला? 16 अक्टूबर (आईएएनएस). आईसीसी इवेंट में भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लिए ऑस्ट्रेलिया सबसे बड़ी परेशानी का सबब बन चुकी है. पिछले कुछ वर्षों से भारत और ट्रॉफी के बीच यह टीम एक ऐसी दीवार बन गई है, जिसे लांघना हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम के लिए नामुमकिन बन गया. अब महिला टी20 विश्व कप 2024 के ग्रुप स्टेज से बाहर होने के बाद टीम की कप्तान पर एक्शन लिया जा सकता है.

डिविलियर्स, कूक व नीतू हॉल ऑफ फेम में

एजेंसी। दुबई

आईसीसी ने एक बड़ा ऐलान किया है. उसने बुधवार को तीन नए दिग्गज क्रिकेटर्स को हॉल ऑफ फेम में शामिल किया है. इस बार ये सम्मान साउथ अफ्रीका के दिग्गज खिलाड़ी एबी डिविलियर्स, इंग्लैंड के एलिस्टर कूक के साथ भारतीय दिग्गज नीतू डेविड को मिला है. आईसीसी की हॉल ऑफ फेम की लिस्ट में कुक 113वें, नीतु डेविड 114वें और डिविलियर्स 115वें नंबर हैं. इस सम्मान समारोह का जश्न महिला टी20 विश्व कप 2024 टूर्नामेंट के अंतिम चरण के दौरान दुबई में मनाया जाएगा. बता दें आईसीसी हॉल फेम की शुरुआत 2009 में हुई थी. इसके जरिए आईसीसी क्रिकेट दिग्गजों को सम्मानित करती है. नीतु डेविड बनीं दूसरी भारतीय महिला

भारतीय महिला क्रिकेट की लेजेंड नीतु डेविड आईसीसी हॉल ऑफ द फेम की लिस्ट में शामिल होने वाली भारत की दूसरी महिला खिलाड़ी हैं. वह टीम इंडिया की बेहतरीन स्पिनर्स में से एक थीं. उन्होंने भारतीय टीम के लिए 97 वनडे और 10 टेस्ट मैच खेल चुकी हैं. नीतु ने अपने करियर के दौरान वनडे में 16.34 की औसत से 141 और टेस्ट में 18.90 की औसत से 41 विकेट चटकाए थे. इतना ही नहीं वह 100 वनडे विकेट हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकटर भी हैं. नीतु का करियर 13 सालों का रहा. उन्होंने 1995 में इंटरनेशनल डेब्यू किया था, वहीं आखिरी मुकाबला 2008 में खेला था.

आईपीएल 2025 से ठीक पहले मुंबई इंडियंस ने टीम में कई अहम बदलाव किए

पारस महाम्ब्रे बने मुंबई इंडियंस के नये बॉलिंग कोच

एजेंसी। मुंबई

मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2025 से ठीक पहले टीम में कई अहम बदलाव किए हैं. मुंबई ने टीम के लिए नया बॉलिंग कोच नियुक्त किया है. मुंबई इंडियंस ने टीम इंडिया के पूर्व कोच पारस महाम्ब्रे को मौका दिया है. वे टीम के नए बॉलिंग कोच हैं. पारस से पहले महेला जयवर्धने को भी अहम जिम्मेदारी मिली थी. वे टीम के हेड कोच हैं. पारस की बात करें तो उनका कोचिंग में अब तक शानदार रिकॉर्ड रहा है. वे टी20 विश्व कप 2024 के दौरान टीम इंडिया के साथ थे. मुंबई इंडियंस ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट के जरिए बताया कि पारस को बॉलिंग कोच बनाया गया है. मुंबई के लसिथ

मलिंगा भी हैं. मलिंगा के साथ पारस के आने से कोचिंग स्टाफ काफी मजबूत हो गया है. पारस इससे पहले भी मुंबई इंडियंस का हिस्सा रह चुके हैं. उनका क्रिकेट करियर भी अच्छा रहा है. पारस मुंबई के लिए घरेलू मैचों में राइम-आर्म मीडियम पेसर की भूमिका निभाते थे. टी20 वर्ल्डकप विनिंग टीम इंडिया का हिस्सा रह चुके हैं पारस

रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम इंडिया ने टी20 विश्व कप 2024 का खिताब जीता था. भारत ने दमदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराया था. पारस इस टीम का हिस्सा थे. वे बॉलिंग कोच की भूमिका में थे.

ऐसा रहा है पारस का क्रिकेट करियर

पारस का क्रिकेट करियर बहुत ज्यादा लंबा नहीं रहा. उन्होंने टीम इंडिया के लिए 2 टेस्ट और 3 वनडे मैच खेले. पारस ने फर्स्ट क्लास मैचों में 284 विकेट झटके हैं. वे 105 पारियों में 1665 रन भी बना चुके हैं. पारस ने लिस्ट ए के 83 मैचों में 111 विकेट लिए हैं. वे अपने क्रिकेट करियर के बाद कोच की भूमिका में आ गए.

महेला जयवर्धने को मुंबई ने बनाया हेड कोच

मुंबई इंडियंस का आईपीएल 2024 में काफी निराशाजनक प्रदर्शन रहा था. लेकिन इससे पहले टीम दमदार प्रदर्शन कर चुकी है. मुंबई ने अगले सीजन से ठीक पहले महेला जयवर्धने को हेड कोच बना दिया. अब टीम कप्तान भी बदल सकती है.

बड़ी घोषणा कैटिच को एक साल का अनुबंध विस्तार मिला, क्लब तैयारी में जुटा

मैनचेस्टर ओरिजिनल्स पुरुष टीम के प्रभारी बने रहेंगे साइमन कैटिच

एजेंसी। मैनचेस्टर

मैनचेस्टर ओरिजिनल्स ने साइमन कैटिच को एक साल का अनुबंध विस्तार दिया है, जबकि इस सत्र में उनकी पुरुष टीम ने केवल एक जीत हासिल की थी, हालांकि क्लब ने स्टीफन पैरी को महिला टीम के कोच पद से हटा दिया है. पैरी ने दो साल तक महिला टीम की कमान संभाली थी. दोनों कोचों के भविष्य पर निर्णय ओरिजिनल्स बोर्ड द्वारा लिए गए, जिसे 2025 से लंकाशायर के साथ उनके घनिष्ठ संबंधों को दर्शाने के लिए पुनर्गठित किया गया है. काउंटी अगले सत्र में ओरिजिनल्स में बहुसंख्यक शेयरधारक बन जाएगी,

खास बातें

- मैनचेस्टर से इस सत्र में सिर्फ एक मैच जीत सका
- स्टीफन पैरी को महिला टीम के कोच पद से हटाया

जब उन्हें ईसीबी द्वारा 51% हिस्सेदारी सौंपी जाएगी, जबकि शेष 49% एक निजी निवेशक को बेची जाएगी. लंकाशायर के क्रिकेट निदेशक मार्क चिल्टन को पैरी के उत्तराधिकारी के रूप में महिला टीम के मुख्य कोच की नियुक्ति प्रक्रिया का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी दी गई

है. लंकाशायर बोर्ड में शामिल जेम्स शेरिडन ने ब्रॉडकास्टर मार्क चैपमैन से ओरिजिनल्स के अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला है, हालांकि चैपमैन बोर्ड में बने रहेंगे. ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज कैटिच ने 2021 में हंड्रेड के उद्घाटन सत्र से ओरिजिनल्स के पुरुषों को कोचिंग दी है, और कहा कि 2025 में वापसी के लिए सहमत होने के बाद उनका अधूरा काम रह गया है. कैटिच ने ईएसपीएनक्रिकइंफो के हवाले से कहा, पिछले तीन वर्षों में मैनचेस्टर ओरिजिनल्स का नेतृत्व करते हुए मुझे बहुत मज़ा आया और मैं अगले साल का बेसब्री से इंतज़ार कर रहा हूं. ओरिजिनल्स पुरुषों के हंड्रेड के 2022 और 2023 सीजन में उपविजेता रहे, ट्रेंट रॉकेट्स और ओवल इनविंसिबल्स के खिलाफ़ कड़े फ़ाइनल में हार गए. लेकिन वे इस साल चोटिल जोस बटलर की अनुपस्थिति से उबरने में विफल रहे, फिल साल्ट की कप्तानी में अपने आठ मैचों में से केवल एक में जीत हासिल करने के बाद सातवें स्थान पर रहे. कैटिच ने कहा, हम सभी इस बात से निराश हैं कि यह सीजन कैसा रहा, खास तौर पर 2022 और 2023 में हम इतने करीब आ गए थे. मुझे लगता है कि हंड्रेड के पिछले तीन संस्करणों की घटनाओं को देखते हुए हमारे पास अधूरा काम है और ओरिजिनल्स में हम सभी यह सुनिश्चित करेंगे कि हम अगले साल फिर से पटरी पर लौटें... हम मैनचेस्टर के लिए इसे जीतने के लिए दृढ़ हैं. इस बीच, पैरी को इस सीज़न में महिला हंड्रेड में छठे स्थान पर रहने के बाद बदल दिया गया है.

मैंने अपने भविष्य के बारे में कोई समय सीमा तय नहीं की है : मेसी

ब्यूनस आयर्स। फीफा विश्व कप 2026 के लिए दक्षिण अमेरिकी क्वालीफायर में बोलिविया पर 6-0 की जीत के साथ अर्जेंटीना के लिए अपनी 10वीं अंतरराष्ट्रीय हैट्रिक लगाने के बाद लियोनेल मेसी ने कहा कि जब भी वह नेशनल टीम के लिए खेलते हैं, तो उन्हें एक बच्चे जैसा महसूस होता है. आठ बार के बैलन डी''ओर विजेता ने बोलिविया पर कॉनमेबोल विश्व कप क्वालीफाइंग जीत में अपनी हैट्रिक के अलावा दो असिस्ट भी दर्ज किए. मैच के बाद मेसी ने कहा, यहां आकर हमारे लिए लोगों का सपोर्ट महसूस करके बहुत अच्छा लग रहा है. जिस तरह से वे मेरा नाम पुकारते हैं, उससे मैं बहुत खुश हूं. हम सभी लोगों के साथ जुड़ाव का आनंद लेते हैं और हमें अर्जेंटीना में खेलना बहुत पसंद है.

अफ्रीकी कप ऑफ नेशंस के लिए युगांडा ने किया क्वालीफाई

एजेंसी। जुबा

युगांडा ने रोमांचक मुकाबले में दक्षिण सूडान को 2-1 से हराकर मोरक्को में होने वाले 2025 अफ्रीकी कप ऑफ नेशंस (एएफसीओएन) के लिए क्वालीफाई कर लिया है. युगांडा ने 11 अक्टूबर को कंपाला में हुए उलट मुकाबले में दक्षिण सूडान को 1-0 से हराया था. दक्षिण सूडान के मुख्य कोच निकोलस डुपुइस ने कहा कि युगांडा व्यक्तिगत मुकाबलों में बेहतर टीम थी, उन्होंने कहा कि मैच का फैसला करने में यह महत्वपूर्ण था. दक्षिण सूडान की राजधानी जुबा में एक ब्रीफिंग में डुपुइस ने कहा, हमारे लिए यह बहुत मुश्किल था क्योंकि युगांडा हमसे बेहतर था, इसलिए मुझे लगता है कि परिणाम सामान्य है. व्यक्तिगत रूप से वे बेहतर थे, लेकिन हमने कड़ी मेहनत की. यह पर्याप्त नहीं है लेकिन हमने एक अच्छी टीम के खिलाफ खेला.डुपुइस ने कहा कि उनकी टीम का ध्यान अब 25 अक्टूबर को टोटल एनर्जीज अफ्रीकन नेशंस चैंपियनशिप में केन्या के खिलाफ होने वाले आगामी मुकाबले पर केंद्रित है. युगांडा के मुख्य कोच पॉल जोसेफ पुट ने कहा कि उन्हें इस बात पर गर्व है कि उनकी टीम ने मैच की शुरुआत से लेकर अंत तक दबदबा बनाए रखा.

ब्रीफ खबरें

स्मार्ट मीटर के विरोध में कांग्रेस ने दिया धरना

भागलपुर । स्मार्ट मीटर के विरोध में भागलपुर के समाहरणालय चौक पर बुधवार को जिला कांग्रेस कमेटी के सदस्यों ने एक दिवसीय धरना दिया. धरना का नेतृत्व भागलपुर जिला कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष परवेज जमाल कर रहे थे. मौके पर जिलाध्यक्ष ने कहा कि स्मार्ट मीटर के अंदर अंबानी और अडानी का लोगो लगा हुआ है. इससे साफ जाहिर होता है कि यह स्मार्ट मीटर अंबानी और अडानी कंपनी के द्वारा ही सप्लाई किया जाता है. बिहार से बड़े राज्य में भी अभी स्मार्ट मीटर नहीं लगाया गया है लेकिन बिहार में स्मार्ट मीटर चालू है. इससे लोगों का शोषण हो रहा है.

तीन दिन बाद किया गया मगरमच्छ का रेस्क्यू

पूर्वी चंपारण । जिले अरेराज अनुमंडल क्षेत्र के गंडक दियरा से सटे पीपरा पंचायत में बीते तीन दिनों से हडकंप मचाये मगरमच्छ का बुधवार सुबह रेस्क्यू किया गया. बीते तीन दिन पूर्व आधी रात में अचानक गांव में मगरमच्छ के घुसने के बाद ग्रामीणों में दहशत का माहौल कायम था. हालांकि ग्रामीणों ने आग का लुक दिखाकर मगरमच्छ को खदेड़ना शुरू किया तो मगरमच्छ भाग कर जितवारपुर गांव स्थित एक पोखरा में प्रवेश कर गया. जिसके बाद ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी. हालांकि वन विभाग पहुंचा और पोखरा से मगरमच्छ का रेस्क्यू करने में जुटा रहा. लेकिन मगरमच्छ नहीं मिला. जिससे ग्रामीणों में दहशत में व्याप्त रहा.

किशनगंज सांसद को जान से मारने की धमकी

किशनगंज । किशनगंज लोकसभा सीट से कांग्रेस सांसद मो. डा. जावेद आजाद को जान से मारने की धमकी मिली है. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर 12 अक्टूबर को धमकी भरा पोस्ट किया गया है. इस मामले में अब सांसद के निजी सचिव ने दिल्ली स्थित पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन में 15 अक्टूबर को इस संबंध में आवेदन दिया है. सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर किए गए पोस्ट में लिखा गया है, मोहम्मद जावेद तू अल-कायदा का आतंकी है. तुम्हारे जैसे आतंकियों के लिए गिरिराज भईया ठीक बोलते हैं. इस देश में जितने भी दाढ़ी-टोपी और हिजाब वाला मदरसा छाप आतंकी है उनके लिए इस देश में कोई जगह नहीं है.

तरारी विस सीट से एसके सिंह होंगे जन सुराज के उम्मीदवार

प्रेस वार्ता के दौरान प्रशांत किशोर ने कहा- पूरी पार्टी इनके साथ है, तीन सीटों पर फैसला बाद में लिया जाएगा

संवाददाता । पटना

बिहार की चार विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है. चारों सीटों पर जन सुराज पार्टी लड़ेगी. बुधवार को घोषणा की गई कि तरारी विधानसभा सीट से रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल एसके सिंह उम्मीदवार होंगे. बाकी तीन सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा अभी नहीं की गई है. प्रेस कॉन्फ्रेंस कर नाम का ऐलान किया गया. इस दौरान जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर जीत का फॉर्मूला बताते हुए कहा कि एसके सिंह जनता के आशीर्वाद से तरारी सीट से जीतेंगे.

प्रत्याशी बनते ही एसके सिंह ने कहा कि मैं अग्निवीर योजना के पक्ष में नहीं हूं. इस पर पुनर्विचार करने की जरूरत है. इसमें सुधार करने की जरूरत है. इसमें जवान उस जज्बे से काम नहीं कर पाएंगे जैसे पहले करते थे. उनसे पूछा गया था कि इस योजना पर आपकी क्या राय है. इस मौके पर मौजूद प्रशांत किशोर ने कहा कि रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल एसके सिंह बिहार के लाल हैं. उनसे बेहतर तरारी का लाल कोई नहीं हो सकता है. अगर आपकी नजर में कोई है तो खोज कर दिखा दीजिए. उनकी पत्नी नहीं, दो बच्चे विदेश में रहते हैं. दिल्ली में सब सुख-सुविधा इनके पास है. सब छोड़कर तरारी आए हैं ताकि जनता की सेवा कर सकें.

मेरी पूरी ताकत इनके साथ है : प्रशांत किशोर ने कहा कि मेरी पूरी ताकत इनके साथ है. पीके से पूछा गया कि रिटायर्ड लोगों पर ही आप भरोसा जता रहे. युवाओं को मौका क्यों नहीं दे रहे हैं? इस पर उन्होंने कहा कि यह तपे तपाए सोना हैं. हर परिस्थिति का सामना कर चुके हैं. अन्य तीन सीटों पर भी उम्मीदवारों के नाम का ऐलान 2-3 दिन में करेंगे. युवाओं को भी मौका देंगे. पीके ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हम चाहते तो राज्यसभा जा सकते थे, लेकिन नया बिहार बनाने के लिए अपनी मिट्टी बिहार में आकर काम कर रहे हैं. इस सवाल पर कि बिहार में स्थापित पार्टियों के तिलिस्म को कैसे तोड़िएगा? इस पर कहा कि 23 नवंबर को उप चुनाव के नतीजे आएंगे. आप लोग और हम भी यहीं रहेंगे. देखिएगा कैसे तिलिस्म तोड़ेंगे. बिहार में बीजेपी का भविष्य अंधकार में है. इस सवाल पर कि 2025 में विधानसभा चुनाव है. उससे पहले इसी साल चार सीटों पर उपचुनाव है. सेमी फाइनल मानते हैं? पीके ने कहा कि यह उपचुनाव ही फाइनल सेमी फाइनल सब है. जो हारा वह गया.

विस चुनाव को देखते हुए तेजस्वी ने रद्द की दूसरे चरण की यात्रा

संवाददाता । पटना

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने अपने दूसरे चरण की यात्रा को रद्द करने का फैसला कर लिया है. बुधवार से ही उन्होंने दूसरे चरण की यात्रा की शुरुआत बांका से की है. इस बीच बड़ी जानकारी सामने आई है कि वे अब आगे की यात्रा नहीं करेंगे. इसे बीच में उन्होंने रोकने का फैसला किया है. आरजेडी की ओर से भी इसकी जानकारी दी गई है. बताया जा रहा है कि झारखंड में विस का चुनाव है जबकि बिहार में भी चार सीटों पर उपचुनाव होने वाला है. इसी को देखते हुए तेजस्वी यादव का 'कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम' में अब संशोधन किया गया है. आरजेडी प्रवक्ता चितरंजन गगन ने बताया कि 16 से 26 अक्टूबर तक के घोषित कार्यक्रम में केवल 16 अक्टूबर और 17 अक्टूबर का कार्यक्रम पहले की तरह जारी रहेगा. 18 से 26 अक्टूबर तक का जो कार्यक्रम था उसे तत्काल स्थगित कर दिया गया है.

बताया गया कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव बुधवार को बांका में आयोजित 'कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम' में शामिल हो रहे हैं. आज जमुई में आयोजित 'कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम'' भी होगा. इसके बाद आगे वाला कार्यक्रम फिलहाल नहीं होगा. आरजेडी प्रवक्ता ने बताया कि बिहार के उपचुनाव के साथ ही झारखंड में होने जा रहे चुनाव में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की व्यस्तता को देखते हुए कार्यक्रम में संशोधन किया गया है.

बिहार में जहरीली शराब ने फिर बरपाया कहर

छपरा में एक की जान गई, दो की हालत गंभीर, कई भर्ती

संवाददाता । पटना

मरने वाले आठ लोगों के नाम आये सामने

बिहार में जहरीली शराब कांड फिर भीषण रूप में सामने आया है. सारण में एक की मौत और दो के गंभीर होने की पुष्टि हुई, जबकि सीवान में मरने वाले सात लोगों का नाम सामने आ चुका है. सीवान के ही एक मृतक के ग्रामीण ने 15-16 लोगों की मौत की बात कही है. प्रशासन की ओर से पुष्टि के बाद मौत का आंकड़ा स्पष्ट हो सकेगा.

मरने वालों में कौड़िया वैश्य टोला के अरविंद सिंह (40), रामेंद्र सिंह (30), माघर पोखरा के संतोष महतो उम्र (35), मुन्ना (32), बृज मोहन सिंह और दिनेश राम शामिल है. वहीं सीवान के भगवानपुर हाट थाने के माघर निवासी गंगा साह के पुत्र मोहन साह की पीएमसीएच पटना के जाने के क्रम में रास्ते में मौत हो गई है. इधर, ग्रामीणों ने पुलिस के डर से कुछ शवों का अंतिम संस्कार कर दिया गया है. वहीं, सारण में घटना मशरक थाना क्षेत्र के इब्राहिमपुर गांव में हुई है, जो सीवान जिले के भगवानपुर हाट और सारण जिले के मशरक थाना क्षेत्र की सीमा पर है. जहरीली शराब पीने से मशरख थाना क्षेत्र के इब्राहिमपुर गांव निवासी लतीफ मियां के 30 वर्षीय पुत्र इस्लामुद्दीन अंसारी की मौत हुई है. आलम अंसारी के 29 वर्षीय पुत्र मुमताज अंसारी और रियाज अंसारी के 18 वर्षीय पुत्र शमशाद अंसारी का इलाज चल रहा है. दोनों युवकों से पुलिस शराब के मंगाने, पीने और बीमार होने तक के बारे में पूछताछ कर रही है.

सीवान में छह मृतकों का नाम सामने आया : सीवान में भगवानपुर थाना क्षेत्र के दो गांव मगरी और बाइस कट्ठा गांव में कई लोगों की मौत की जानकारी आ रही है. जहरीली शराब पीने से हुई मौतों की पुष्टि प्रशासनिक स्तर पर नहीं हुई है, लेकिन मृतकों के यह नाम सामने आए हैं कौड़िया वैश्य टोला के अरविंद सिंह 40 वर्ष, रामेंद्र सिंह 30 वर्ष, माघर पोखरा के संतोष महतो उम्र 35 वर्ष, मुन्ना 32, बृज मोहन सिंह, भगवानपुर हाट थाने के माघर निवासी गंगा साह के पुत्र मोहन साह.

मिलावटी शराब की बात जिला प्रशासन ने मानी : सारण जिला प्रशासन की ओर से जारी बयान के अनुसार सारण जिले के मसरक थाना क्षेत्र अंतर्गत मिलावटी शराब पीने से इब्राहिमपुर गांव के एक व्यक्ति की संदिग्ध हालत में मृत्यु होने की सूचना मिली है. दो अन्य व्यक्तियों का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मशरक के चिकित्सक कर रहे हैं. पुलिस टीम एक व्यक्ति की संदिग्ध मौत के संबंध में जांच कर रही है. मशरक स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए उक्त दोनों युवकों को छपरा स्थित सदर अस्पताल रेफर कर दिया है. साथ ही नियमों का पालन करते हुए अन्य कार्यवाही की जा रही है.

हथियार व कारतूस के साथ एक गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण । जिले के छतौनी थाना पुलिस ने हथियार और जिंदा कारतूस के साथ एक अपराधी को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार बदमाश थाना क्षेत्र के भवानीपुर जिरात मोहल्ला निवासी आदित्य कुमार है. उसके पास से एक देसी पिस्टल, चार कारतूस बरामद किया गया है. उक्त जानकारी देते छतौनी थानाध्यक्ष धनंजय कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना पर भवानीपुर जिरात स्थित स्टेडियम के भीतर से उक्त अपराधी को हथियार लेकर घूमते हुए गिरफ्तार किया गया. गिरफ्तार अपराधी आदित्य ने पूछताछ में कई अहम खुलासा किया है.

लूटकांड का आरोपी दो कारतूस के साथ धराया

फारबिसगंज । अररिया के भरगामा पुलिस ने मधेपुरा जिला के श्रीनगर थानाक्षेत्र के लक्ष्मीपुर भगवती वार्ड संख्या 10 से मास्टरमाइंड मो एजाज उर्फ चुन्ना को एक देसी कट्टा एवं दो कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है. फारबिसगंज एसडीपीओ मुकेश कुमार साह ने बताया कि गुप्त सूचना मिलने पर एक टीम का गठन किया गया और पुलिस ने नाटकीय अंदाज में आर्म्स एक्ट व लूटकांड के मास्टरमाइंड मो एजाज उर्फ चुन्ना को गिरफ्तार कर लिया. उन्होंने बताया कि मो एजाज भरगामा थाने में दर्ज चार मामलों के अभियुक्त है.

सनकी युवक ने अधेड़ का प्राइवेट पार्ट ही काट डाला

गया । गया में एक सनकी युवक ने एक शख्स का प्राइवेट पार्ट काट दिया. आनन-फानन में घायल अधेड़ शख्स को इलाज के लिए पहले सीएचसी में भर्ती कराया गया. इसके बाद यहां से रेफर एएनएमएमसीएच में भर्ती कराया गया. यह पूरा मामला बेलागंज थाना क्षेत्र का है. बेलागंज थाना क्षेत्र के सिंदानी गांव में हुई. पीड़ित व्यक्ति ने बेलागंज थाने में प्राथमिकी दर्ज करने के लिए आवेदन दिया है. हालांकि युवक मौके से फरार हो गया. लोगों का कहना है कि सनकी युवक हमेशा ग्रामीणों के साथ मारपीट करता है.

नवादा में हाइवा-स्कॉर्पियो की सीधी टक्कर

एक ही परिवार के 8 घायल, एक की मौत

संवाददाता । नवादा

जिले में रजौली थानाक्षेत्र के हरदिया सेक्टर-ए स्थित सुगा होटल के समीप राष्ट्रीय राज्यमार्ग-20 पर बुधवार को हाइवा और स्कॉर्पियो में भीषण टक्कर हो गई. जिसमें एक व्यक्ति की मौत घटनास्थल पर ही हो गई और स्कॉर्पियो में सवार एक ही परिवार के आठ अन्य सदस्य बुरी तरह से घायल हो गए. घायलों को इलाज के लिए अनुमंडलीय रजौली अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद चिंताजनक हालत में छह लोगों को बेहतर इलाज के लिए पावापुरी स्थिति विम्स रेफर कर दिया गया. मृतक की पहचान पटना जिले के बख्तियारपुर थानाक्षेत्र के घनसुपुर निवासी शनिचर महतो के (60 वर्षीय) पुत्र राजेंद्र महतो के रूप में की गई है. घायलों में बख्तियारपुर निवासी बिपिन कुमार, संजय राउत, दीपक कुमार, चंदन कुमार, दीपक कुमार और अभिषेक कुमार, अवधेश कुमार और पवन कुमार शामिल है.

घटना की सूचना के बाद रजौली थानाध्यक्ष राजेश कुमार दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और सभी घायलों को ग्रामीणों के सहयोग से इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया. वहीं शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नवादा भेज दिया.

प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो हाईवा ट्रक और स्कॉर्पियो में टक्कर इतनी जबरदस्त थी की स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए. स्कॉर्पियो हाईवे ट्रक में फस गया है. जिसे हाइवा ट्रक चालक ने भागने के दौरान लगभग 100 मीटर तक स्कॉर्पियो को घसीटता रहा.

कारोबार

भारत का कॉफी निर्यात 55 प्रतिशत बढ़ गया

नयी दिल्ली । भारत का कॉफी निर्यात चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में सालाना आधार पर 55 प्रतिशत बढ़कर 7,771.88 करोड़ रुपये हो गया है, यह पिछले वित्त वर्ष की सामन अवधि में 4,956 करोड़ रुपये पर था. इसमें बढ़त की वजह दुनिया में भारतीय कॉफी की मांग में इजाफा होना है. कॉफी बोर्ड ऑफ इंडिया की ओर से जारी किए गए डेटा में बताया गया कि अप्रैल से सितंबर की अवधि में भारत द्वारा 2.2 लाख टन कॉफी का निर्यात किया गया है. बीते वित्त वर्ष की समान अवधि में यह आंकड़ा 1.91 लाख टन था.

बीईएमएल बनाएगी पहली स्वदेशी बुलेट ट्रेन

नयी दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की पब्लिक सेक्टर कंपनी बीईएमएल लिमिटेड देश में ही भारत का पहला स्वदेशी बुलेट ट्रेन बनाने वाली है. बीईएमएल को दो हाई स्पीड ट्रेन सेट्स बनाने का कॉन्ट्रैक्ट मिला है. चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री ने इस सरकारी कंपनी को दो बुलेट ट्रेन की डिजाइन, मैन्युफैक्चरिंग, और स्टॉक एक्सचेंजों के पास दाखिल किए गए रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि इंटीग्रल कोच फैक्ट्री, चेन्नई से उसे दो हाई-स्पीड ट्रेनसेट्स की मैन्युफैक्चरिंग के लिए आर्डर मिला है.

एनसीएलएटी के खिलाफ फैसला सुरक्षित रखा

नयी दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और अन्य की उस याचिका पर अपना फैसला बुधवार को सुरक्षित रख लिया जिसमें राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) के आदेश को चुनौती दी गई थी. एनसीएलएटी ने बंद पड़ी विमानन कंपनी जेट एयरवेज की समाधान योजना को बरकरार रखते हुए इसका स्वामित्व जालान कलरॉक गठजोड़ (जेकेसी) को हस्तांतरित करने को मंजूरी दी थी. भारत के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने फैसला सुरक्षित रखने से पहले दोनों पक्षों की दलीलें सुनीं.

बुधवार को आई रिपोर्ट : सामने आयीं कई जानकारियां

जेन जेड आबादी 1.8 ट्रिलियन डॉलर करेगी खर्च

एजेंसी । नयी दिल्ली

भारत को एक युवा राष्ट्र माना जाता है. देश की 377 मिलियन आबादी जनरेशन जेड से आती है. जनरेशन जेड देश की कंजप्शन ग्रोथ को लेकर एक बड़े योगदानकर्ता होंगे. बुधवार को आई एक रिपोर्ट के अनुसार, जेन जेड 2025 तक 1.8 ट्रिलियन डॉलर का प्रत्यक्ष खर्च लाने में सक्षम होंगे. बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) के साथ साझेदारी में स्नैप इंक की रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में, जनरेशन जेड का प्रत्यक्ष खर्च 250 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा. इस समय तक हर दूसरा जनरेशन जेड कमाई कर रहा होगा. जेन जेड की सामूहिक व्यय क्षमता 860 बिलियन डॉलर तक पहुंच गई है, जो 2035 तक 2 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ जाएगी.

जनरेशन जेड, मिलेनियल्स के बराबर ही खरीदारी करता है. वे अपने खर्च पर 1.5 गुना ज्यादा रिसर्च करते हैं. स्नैप इंक के भारत में प्रबंध निदेशक पुलकित त्रिवेदी ने कहा, "भारत एक युवा राष्ट्र है, जिसकी 377 मिलियन जनरेशन जेड आबादी है, जो अगले दो दशकों में भारत के विकास के भविष्य को आकार देगी. जेन जेड को सेवा देने वाले प्लेटफॉर्म के रूप में हम ब्रांड और बिजनेस के साथ काम करने को तैयार हैं." लगभग 45 प्रतिशत व्यवसाय जनरेशन जेड की क्षमता को पहचानते हैं, लेकिन केवल 15 प्रतिशत ही सक्रिय रूप से उन्हें संबोधित करने के लिए कार्रवाई करते हैं, जो एक बड़े अवसर का संकेत देता है.

स्नैपचैट के डेली एक्टिव यूजर्स में 90 प्रतिशत की आयु 13-34 वर्ष है, जिससे पता चलता है कि यह प्लेटफॉर्म भारत में युवाओं का लोकप्रिय मंच बन गया है. बीसीजी इंडिया की सीनियर पार्टनर और मैनेजिंग डायरेक्टर निमिषा जैन ने कहा, जनरेशन जेड पहले से ही भारत के उपभोक्ता खर्च का 43 प्रतिशत हिस्सा चला रही है.

फोटो सेशन

मुंबईः अभिनेत्री राधिका मदान व अनन्या पांडे मुंबई में फिल्म सीटीआरएल की सफलता पार्टी में शामिल हुईं.

इलेक्ट्रिक फ्लाइंग टैक्सियों के जरिए भारत में क्रांति लाएगा सरला एविएशन

नई दिल्ली । भारत में ट्रैफिक एक बड़ी समस्या है. इस समस्या से निजात दिलाने के लिए सरला एविएशन अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेक-ऑफ और लैंडिंग (ईवीटीओएल) विमान विकसित करने पर काम कर रहा है, जो शहरी यातायात परिवर्तन के लिए एक क्रांतिकारी कदम साबित होगा. एड्रियन श्मिट द्वारा सह-संस्थापक कंपनी का उद्देश्य बेंगलुरु, मुंबई, दिल्ली और पुणे सहित भारत के सबसे भीड़भाड़ वाले शहरों में तेज, स्वच्छ और अधिक कुशल परिवहन प्रदान करना है. सरला एविएशन की प्रमुख पहल में सात सीटों वाली इलेक्ट्रिक फ्लाइंग टैक्सियां शामिल हैं, जो यात्रा के समय में कटौती का वादा करती हैं. उदाहरण के तौर पर बेंगलुरु एयरपोर्ट से इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी तक की यात्रा में आमतौर पर सड़क मार्ग से 150 मिनट से अधिक का समय लगता है.

शीर्ष 30 में से 19 बड़े आईपीओ रिटर्न देने में असफल

मुंबई । देश के शीर्ष 30 बड़े आईपीओ में से 19 ने सीएनएक्स 500 इंडेक्स से कम रिटर्न दिया है. बुधवार को आई एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई. वेल्थ मैनेजमेंट फर्म कैपिटलमाइंड फाइनेंसियल सर्विसेज की रिपोर्ट में जानकारी दी गई कि देश में अब तक आए बड़े 30 में से आठ बड़े आईपीओ ने नकारात्मक रिटर्न दिया है. हाई-प्रोफाइल आईपीओ में रिलायंस पावर ने निवेशकों को सबसे ज्यादा नकारात्मक रिटर्न दिया है. यह अपने समय का सबसे बड़ा आईपीओ था. शीर्ष 10 आईपीओ में केवल दो आईपीओ ने सीएनएक्स500 से ज्यादा रिटर्न दिया है. कोल इंडिया का शेयर पिछले 14 वर्षों में दोगुना हुआ है. अगर इसके द्वारा दिए गए डिविडेंड को मिला दिया जाए तो कोल इंडिया ने इंडेक्स के बराबर रिटर्न दिया है. रिपोर्ट में आगे कहा गया कि शीर्ष 10 में से जोमैटो ही निवेशकों को शानदान रिटर्न दे पाया है. इसके बाद शीर्ष 30 बड़े आईपीओ में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स, इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉरपोरेशन, सोना बीएलडब्ल्यू प्रिसिजन फोर्जिंग्स और आईसीआईसीआई लोम्बार्ड ने भी निवेशकों को इंडेक्स से अच्छा रिटर्न दिया है. रिपोर्ट में आगे बताया गया कि बीते दो वर्षों में आए 10 सबसे बड़े आईपीओ में बजाज हाउसिंग फाइनेंस, भारती हैक्साकॉम और ब्रेनबीज (फर्स्ट क्राई) ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है. सर्च हेड अनूप विजयकुमार कहना है कि तेज के बाजारों के अंतिम चरण में बड़े आईपीओ देखने को मिलते हैं.

भारत में दूसरी तिमाही में दोपहिया वाहनों की बिक्री बढ़ी

एजेंसी । नयी दिल्ली

इस वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में दोपहिया और तिपहिया वाहनों की बिक्री में वृद्धि दर्ज हुई है. बुधवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, दूसरी तिमाही में सालाना आधार पर दोपहिया वाहनों की बिक्री में मजबूत दोहरे अंकों की वृद्धि देखी गई. दूसरी ओर, तिपहिया वाहनों की बिक्री में एक अंक में वृद्धि दर्ज हुई. थोक मात्रा का रुझान मिश्रित रहा. जुलाई से सितंबर के बीच, ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स (ओईएम) के राजस्व और मुनाफे में अलग-अलग वृद्धि हुई.

दोपहिया वाहनों ने अन्य वाहनों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया. बीएनपी पारिबा इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, हम अभी भी सेक्टर की अनुकूल परिस्थितियों को देखते हुए यात्री वाहनों (पीवी) के प्रति दीर्घकालिक रूप से सकारात्मक हैं और वाणिज्यिक वाहनों (सीवी) में कमजोरी को एक अस्थायी बाधा के रूप में देखते हैं. यात्री वाहनों की मात्रा में मामूली गिरावट आई और वाणिज्यिक वाहनों की मात्रा भी कमजोर रही, जो लम्बे समय तक मानसून रहने और बुनियादी ढांचे की गतिविधियों में मंदी के कारण प्रभावित हुई. होंडा मोटरसाइकिल ने दोपहिया में सबसे अधिक बाजार हिस्सेदारी (खुदरा) हासिल की, जबकि हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में सबसे अधिक नुकसान उठाया. यात्री वाहनों में, महिंद्रा एंड महिंद्रा ने सबसे अधिक बाजार हिस्सेदारी हासिल की, जबकि मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड और हुंडई को नुकसान हुआ.

रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में दो पहियों वाले वाहन की बिक्री में तेजी से वृद्धि होने की उम्मीद है, जबकि महिंद्रा को छोड़कर यात्री वाहनों की बिक्री में थोड़ी कमी आ सकती है. यात्री वाहन इन्वेंट्री के उच्च स्तर, बढ़ती छूट और त्योहारी मांग को लेकर नजर रखना महत्वपूर्ण होगा. रिपोर्ट में कहा गया है, वैश्विक स्तर पर कमजोर होती ऑटो मांग को देखते हुए, अब हम जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) द्वारा अपने वित्त वर्ष 2025 के मार्गदर्शन में कटौती करने का जोखिम देखते हैं.

बाजार

आईटी ऑटो शेयरों ने बिगाड़ा बाजार का मूड, सेंसेक्स-निफ्टी गिरावट के साथ हुआ बंद

निवेशकों को लगा 80,000 करोड़ रुपये का झटका

- बीएसई सेंसेक्स 319 अंकों की गिरावट के साथ 81,501 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 86 अंकों की गिरावट के साथ 24,971 अंकों पर बंद हुआ
- निफ्टी के 50 शेयरों में 16 तेजी के साथ और 34 गिरावट के साथ बंद हुए

एजेंसी । मुंबई

निवेशकों की मुनाफावसूली के चलते भारतीय शेयर बाजार बुधवार के कारोबारी सत्र में गिरावट के साथ बंद हुआ है. बैंकिंग, आईटी और ऑटो शेयरों में गिरावट के चलते बाजार में ये बिकवाली आई है. मिडकैप शेयरों में भी सत्र में गिरावट दर्ज की गई. बाजार बंद होने पर बीएसई सेंसेक्स 319 अंकों की गिरावट के साथ 81,501 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 86 अंकों की गिरावट के साथ 24,971 अंकों पर बंद हुआ है. सेंसेक्स के 30 शेयरों में केवल 5 शेयर तेजी के साथ बंद हुए. 25 स्टॉक्स गिरकर बंद हुए. निफ्टी के 50 शेयरों में 16 तेजी के साथ और 34 गिरावट के साथ बंद हुए. बीएसई पर कुल 4068 शेयरों में ट्रेडिंग हुई जिसमें 2023 तेजी के साथ और 1940 स्टॉक्स गिरावट के साथ बंद हुए. 105 शेयरों के भाव में कोई बदलाव नहीं देखने को मिला है. तेजी वाले शेयरों में एचडीएफसी लाइफ 1.79 फीसदी, डॉ रेड्डी 1.34 फीसदी, ग्रासिम 1.05 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.97 फीसदी, बजाज ऑटो 0.88 फीसदी, भारती एयरटेल 0.86 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुए. गिरने वाले शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.76 फीसदी, इंफोसिस 2.05 फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 1.39 फीसदी, अडानी पोर्ट्स 1.21 फीसदी, टाटा मोटर्स 1.19 फीसदी, आईटीसी 1.11 फीसदी, टाइटन 1.06 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है. वहीं बुधवार के कारोबार में जिन सेक्टर्स के शेयरों में तेजी रही उसमें एनर्जी, ऑयल एंड गैस, इंफ्रा, रियल एस्टेट शामिल है. जबकि आईटी, ऑटो, फार्मा, एफएमसीजी, मेटल्स, मीडिया, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और हेल्थकेयर सेक्टर के स्टॉक्स गिरावट के साथ बंद हुए. बुधवार के कारोबार में मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक्स में भी गिरावट रही.

निवेशकों को लगा 80000 करोड़ रुपये का झटका : बाजार में गिरावट के चलते बुधवार के कारोबारी सत्र में निवेशकों को नुकसान हुआ है. बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 463.06 लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ है जबकि पिछले सत्र में ये 463.86 लाख करोड़ रुपये रहा था. यानि बुधवार के सेशन में 80000 करोड़ रुपये मार्केट कैप में कमी आई है.

न्यूज अपडेट

अमेरिका ने दी इजराइल को चेतावनी

वाशिंगटन। अमेरिका ने इजराइल से अगले 30 दिनों के भीतर गाजा में मानवीय सहायता को बढ़ाने के लिए कहा है. ऐसा नहीं होने पर अमेरिकी मदद रोके जाने की चेतावनी दी है. इस संबंध में अमेरिकी विदेश और रक्षा सचिवों ने पिछले सप्ताह एक पत्र पर सह-हस्ताक्षर किए जो उनके इजराइली समकक्षों को भेजा गया. मंगलवार को एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान, विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन द्वारा पत्र पर हस्ताक्षर करने की पुष्टि की.

इजराइली एयर स्ट्राइक एक युद्ध अपराध

तेहरान। ईरान ने मध्य गाजा पट्टी में एक हॉस्पिटल कैंपस के पास विस्थापित लोगों के टेंट कैंप पर इजराइल की घातक एयर स्ट्राइक की कड़ी निंदा की और इस हमले को 'युद्ध अपराध' करार दिया. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने कहा कि आग लगाने वाले बम का इस्तेमाल करके, हमला करना 'युद्ध अपराध' का पूर्ण उदाहरण है. एयर स्ट्राइक फिलिस्तीनियों के खिलाफ 'नरसंहार की साजिश' का हिस्सा है. नागरिकों, अस्पतालों, राहत और चिकित्सा केंद्रों को निशाना बनाना प्रतिबंधित है.

इसराइल ने फिर किया बेरूत पर हमला

बेरूत। पांच दिनों के बाद इसराइली सेना ने एक बार फिर से लेबनान की राजधानी बेरूत पर हमले किए हैं. वहीं दक्षिण लेबनान के नबातिह शहर में हुए इसराइली हमले में पांच लोगों की मौत हुई है. मारे गए लोगों में नबातिह के मेयर भी शामिल हैं. मंगलवार की देर रात को इसराइली सेना ने बेरूत के दक्षिणी इलाक़ों पर हवाई हमला किया. इससे पहले लेबनान ने कहा था कि हाल ही में किए गए हमलो में दक्षिणी इलाक़ों में कई लोगों की मौत हुई थी.

प्रवासियों से भरी नाव डूबने से 4 की मौत

एथेंस। एजियन सागर में ग्रीक आइलैंड 'कोस' के तट के पास प्रवासियों की एक नाव के डूब जाने से चार लोगों की मौत हो गई. पीड़ितों में दो महिलाएं और दो बच्चें शामिल हैं. हेलेनिक तटरक्षक बल ने 26 लोगों को बचा लिया है. बता दें कि साल 2015 से ग्रीस, यूरोपीय संघ के देशों में प्रवेश के लिए शरणार्थियों और प्रवासियों के लिए मुख्य एंट्री प्वाइंट रहा है. ग्रीस उन देशों में से एक है, जहां गरीबी या युद्ध से परेशान अफ्रीका, एशिया और मध्य पूर्व के देशों के लोग यूरोपीय संघ में प्रवेश करने के इरादे से पहुंचते हैं.

मेक्सिको में मेयर की चाकू मारकर हत्या

मेक्सिको सिटी। दक्षिण मेक्सिको के ओक्साका राज्य के एक छोटे शहर के मेयर की 'पारस्परिक' संघर्ष के कारण चाकू मारकर हत्या कर दी गई है. रिपोर्ट के अनुसार, देश में 10 दिनों से भी कम समय में यह दूसरे मेयर की हत्या की गई है. इससे पहले, दक्षिणी गुएरेरो राज्य की राजधानी चिलपानसिंगो के मेयर एलेजांद्रो आर्कोस की 6 अक्टूबर को पदभार ग्रहण करने के कुछ ही दिनों बाद हत्या कर दी गई थी. कैंडेलारिया लोक्सिचा शहर के मेयर रोमन रुइज की 'पारस्परिक' संघर्ष के कारण हत्या कर दी गई है.

कमलनाथ राष्ट्रीय राजनीति में होंगे सक्रिय

भोपाल। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ बीते कुछ समय से राजनीतिक तौर पर कम सक्रिय हैं मगर अब उनके फिर से राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय होने के आसार बन रहे हैं. यह अनुमान राहुल गांधी से उनकी दिल्ली में हुई मुलाकात के आधार पर लगाए जा रहे हैं. कमलनाथ ने वर्ष 2018 में राष्ट्रीय राजनीति से मध्य प्रदेश की ओर रुख किया था. उसके बाद हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने सत्ता हासिल की थी. बाद में आपसी खींचतान के चलते सत्ता हाथ से खिसक गई.

बहराइच मामले में हुईं 50 गिरफ्तारियां

बहराइच। बहराइच मामले पर जिला मजिस्ट्रेट मोनिका रानी ने बताया कि पुलिस ने 50 से ज़्यादा गिरफ़्तारियां की हैं और आगे भी कार्रवाई की जाएगी. घटना के बाद पूरा क्षेत्र सेक्टर और ज़ोन में बांटा गया है. पुलिस के अधिकारी और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी लगातार क्षेत्र का दौरा कर रहे हैं. अधिकारियों की डबल शिफ्ट में ड्यूटी लगी हुई है और इलाके की पूरी निगरानी रखी जा रही है. वहीं राम गोपाल मिश्रा की मौत के बारे में सीएमओ ने बताया कि 25-30 छर्रों के कारण बहुत ज्यादा रक्तश्राव हुआ.

नाइजीरिया में बड़ा हादसा, 94 की मौत

अबूजा। नाइजीरिया के उत्तरी राज्य जिगावा के मजिया शहर में बीती रात तेल से भरा एक टैंकर फटने से 94 लोगों की मौत हो गई है. यह घटना उस वक्त हुई जब लोगों की भीड़ एक हादसे के बाद टैंकर से लीक हो रहे तेल को लूटने पहुंचे थे. पुलिस ने बताया कि तेल से भरा टैंकर पलट गया था और उसमें आग लगने की वजह से कम से कम 94 लोगों की जलकर मौत हो गई है. धमाके में 50 अन्य लोग घायल भी हुए हैं, जिन्हें जिगावा राज्य के रिनगिम शहर के नज़दीकी अस्पताल में भर्ती किया गया है.

टीएमसी नेता की गोली मारकर हत्या

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बहरामपुर में एक स्थानीय तृणमूल कांग्रेस नेता की गोली मारकर हत्या के बाद तनाव फैल गया है. मृतक की पहचान प्रदीप दत्ता के रूप में हुई है. दत्ता जब सुबह की सैर पर निकले थे, तभी अज्ञात हमलावरों ने उन पर गोलियां चलाई. पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमलावरों ने दत्ता पर नजदीक से सात गोलियां चलाई. गोली चलने की आवाज सुनकर स्थानीय लोग अपने घर से बाहर निकले और देखा कि दत्ता का शरीर खून से लथपथ था.

एससीओ बैठक : भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इशारों-इशारों में पाकिस्तान को लगाई फटकार, कहा

आतंकवाद व व्यापार साथ-साथ संभव नहीं

एजेंसी। इस्लामाबाद

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को एससीओ काउंसिल की 23वीं बैठक में इशारों-इशारों में पाकिस्तान को फटकार लगाई और कहा कि आतंकवाद के साथ-साथ व्यापार की संभावना नहीं है. इससे पहले एससीओ शासनाध्यक्ष परिषद (सीएचजी) की 23वीं बैठक की शुरुआत मंगलवार शाम को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की ओर से दिए गए वेलकम डिनर के साथ हुई. यह 9 साल में किसी भारतीय विदेश मंत्री की पहली पाकिस्तान यात्रा है. पूर्व विदेश मंत्री स्व. सुषमा स्वराज ने अफगानिस्तान पर एक सुरक्षा सम्मेलन में भाग लेने के लिए 2015 में इस्लामाबाद का दौरा किया था.

जयशंकर ने कहा कि आतंकवाद, चरमपंथ और अलगाववाद 'तीन बुराइयां' हैं, जिनका समाधान नहीं किया गया तो सहयोग और एकीकरण का फायदा हासिल नहीं हो सकेगा. यदि सीमा पार से आतंकवाद, चरमपंथ और अलगाववाद जैसी गतिविधियां होती हैं, तो इनसे व्यापार, ऊर्जा प्रवाह, संपर्क और लोगों के बीच संपर्क को बढ़ावा मिलने की संभावना नहीं है. उन्होंने इशारों-इशारों में पाकिस्तान को 'अच्छे पड़ोसी' होने का महत्व समझाया. उन्होंने कहा कि यदि विश्वास की कमी है या सहयोग नाकाफी है, अगर दोस्ती में कमी आई है और अच्छे पड़ोसी होने की भावना कहीं गायब है, तो निश्चित रूप से आत्मनिरीक्षण करने और इन समस्याओं का समाधान खोजने की जरूरत है. शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के समक्ष चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि इसका मकसद आपसी विश्वास, मित्रता और अच्छे पड़ोसी संबंधों को मजबूत करना, बहुआयामी सहयोग, विशेष रूप से क्षेत्रीय प्रकृति के सहयोग को विकसित करना है. संगठन का लक्ष्य संतुलित विकास, एकीकरण और संघर्ष की रोकथाम के मामले में एक सकारात्मक शक्ति बनना है. चार्टर में यह भी स्पष्ट है कि मुख्य चुनौतियां क्या हैं. ये मुख्य रूप से तीन हैं, जिनका मुकाबला करने के लिए एससीओ प्रतिबद्ध है, ये हैं - आतंकवाद; अलगाववाद; चरमपंथ. इससे पहले जयशंकर ने पाकिस्तान स्थित इंडियन हाई कमीशन कैंपस में सुबह की सैर की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को बढ़ावा देते हुए एक पौधा लगाया.

इस्लामाबाद में बुधवार को एससीओ की बैठक में भाग लेने पहुंचे विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तानी प्रधान मंत्री शहबाज शरीफ से हाथ मिलाया. -एजेंसी

शहबाज की कश्मीर पर चुप्पी, साथ काम करने की गुहार

एजेंसी। इस्लामाबाद

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बुधवार को इस्लामाबाद में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शासनाध्यक्षों की परिषद (सीएचजी) की बैठक का समापन करते हुए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से इजरायल-गाजा संघर्ष पर तत्काल ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया. दिलचस्प बात यह है कि जिन्ना कन्वेंशन सेंटर में रूस को अध्यक्षता सौंपते समय शरीफ ने कश्मीर मुद्दे का जिक्र करने से परहेज किया, जो कि भारत-पाकिस्तान के बीच लंबे समय से तनाव की वजह रहा है. कश्मीर मुद्दा कई बार इस्लामाबाद के आधिकारिक बयानों का हिस्सा रहा है.

अपने समापन भाषण में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने राजनीतिक मतभेदों और विभाजनों पर सहयोग को प्राथमिकता देने की अपील की. उन्होंने कहा कि आइए हम राजनीतिक मतभेदों और विभाजनों पर सहयोग को प्राथमिकता दें. अपनी उपलब्धियों पर निर्माण करें, साझा चुनौतियों का समाधान करें, और यह सुनिश्चित करने के लिए हाथ से हाथ मिलाकर काम करें कि एससीओ हमारे लोगों के लिए स्थिरता, विकास और पारस्परिक लाभ का प्रतीक बना रहे. इसके बाद उन्होंने इजरायल और फिलिस्तीन के बीच चल रहे संघर्ष का जिक्र किया. उन्होंने कहा कि हम गाजा में चल रहे नरसंहार को नजरअंदाज नहीं कर सकते. अंतरराष्ट्रीय समुदाय की जिम्मेदारी है कि वह तत्काल और बिना शर्त युद्ध विराम सुनिश्चित करे, जिससे 1967 से पहले की सीमाओं के आधार पर फिलिस्तीन राज्य की स्थापना हो सके, जिसकी राजधानी अल-कुद्स हो. वह भारत पर कोई भी बयान देने को लेकर काफी सतर्क दिखे. इससे पहले दिन में, उन्होंने आपसी लाभ के लिए सहयोग का आह्वान किया था, साथ ही आग्रह किया था कि चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) को राजनीतिक चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए. हालांकि, ऐसी संभावना जताई जा रही है कि एससीओ बैठक में कश्मीर का उल्लेख न करने के शरीफ के फैसले की पाकिस्तान के भीतर उनके राजनीतिक विरोधियों द्वारा आलोचना की जा सकती है.

खास बातें

- इजरायल और गाजा संघर्ष पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान
- मतभेदों व विभाजनों पर सहयोग को प्राथमिकता देने की अपील

इस्लामाबाद में बोले एस जयशंकर, एससीओ को सुरक्षा परिषद में सुधार की करनी चाहिए वकालत

भारत ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के मंच से एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की अपनी मांग दोहराई, ताकि परिषद को बदलते वैश्विक परिदृश्य के अनुरूप ढाला जा सके. विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यहां बुधवार को एससीओ के राष्ट्राध्यक्षों की परिषद को संबोधित करते हुए कहा कि 'बहुराष्ट्रीय संगठनों में सुधार' की सख्त जरूरत है और एससीओ को इतने महत्वपूर्ण मुद्दे पर चुप बैठने की बजाय इस तरह के बदलावों की वकालत करने में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए. उन्होंने कहा कि सुरक्षा परिषद को पुनर्गठित करने का समय आ गया है ताकि यह ज्यादा देशों का प्रतिनिधित्व कर सके, अधिक समावेशी, पारदर्शी, प्रभावी, लोकतांत्रिक और उत्तरदायी बन सके. स्थायी और गैर-स्थायी दोनों श्रेणियों में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में व्यापक सुधार की जरूरत है.

द्विपक्षीय वार्ता आवश्यक, लेकिन पहले आतंकवाद रोके पाकिस्तान : कर्ण सिंह

नयी दिल्ली। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में चल रहे शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के चेयरमैन बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच जलवायु परिवर्तन और आतंकवाद जैसे मुद्दों पर बातचीत होनी चाहिए. बिलावल भुट्टो के इस बयान का कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कर्ण सिंह ने स्वागत किया है. इसके साथ ही उन्होंने आतंकवाद खत्म करने की नसीहत भी दी. कर्ण सिंह ने कहा कि यह स्पष्ट है कि यदि पाकिस्तान भारत के साथ सकारात्मक संबंध बनाएगा, तो दोनों देशों को आगे बढ़ने में मदद मिलेगी. हालांकि एक महत्वपूर्ण बिंदु यह है कि जब तक पाकिस्तान आतंकवादी गतिविधियां समाप्त नहीं करता, तब तक बातचीत की कोई सार्थकता नहीं होगी. आतंकवाद के मुद्दे को सुलझाए बिना बातचीत आगे नहीं बढ़ सकती. मैं भी चाहता हूं कि पाकिस्तान के साथ अच्छे रिश्ते हों, क्योंकि पड़ोसी देशों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखना आवश्यक है. लेकिन आतंकवाद की समस्या इस प्रक्रिया को बाधित कर रही है. इसलिए मैं बिलावल भुट्टो से कहना चाहूंगा कि यदि वे आतंकवाद को समाप्त कर दें, तो भारत से बातचीत संभव हो सकती है. जम्मू-कश्मीर की नयी सरकार को कांग्रेस द्वारा बाहर से समर्थन देने पर कहा कि मुझे इस बात से खुशी है कि वहां चुनाव सफलतापूर्वक हुए. यह एक महत्वपूर्ण घटना है, क्योंकि यह पिछले दस वर्षों में पहली बार हुआ है.

वायु प्रदूषण पर पंजाब और हरियाणा सरकार को सुप्रीम कोर्ट की फटकार

- शीर्ष अदालत ने जताई पराली जलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई न करने पर नाराजगी

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण की समस्या का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है. बुधवार को कोर्ट ने पंजाब और हरियाणा सरकारों को फटकार लगाई है. सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा है कि पराली जलाने की घटनाओं के लिए दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई नहीं करने के लिए राज्य सरकार जिम्मेदार है. सुप्रीम कोर्ट ने दोनों राज्यों के मुख्य सचिवों को तलब किया है और उन्हें 23 अक्टूबर को अदालत में पेश होकर अपनी सफाई पेश करने के लिए कहा है.

कोर्ट ने कहा कि दोनों राज्य प्रदूषण की समस्या को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं. कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि पराली जलाने वाले लोगों पर मामूली जुर्माना लगाकर उन्हें छोड़ दिया जा रहा है. यही वजह है कि इस तरह की घटनाओं को रोकने में कोई मदद नहीं मिल रही है. कोर्ट ने आगे कहा कि यह कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है, इसे गंभीरता से लेने की आवश्यकता है. कोर्ट ने एयर क्वालिटी मैनेजमेंट कमीशन को निर्देश दिया है कि वह उन अधिकारियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करें जो अदालत के निर्देशों का पालन नहीं कर रहे हैं.

दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर : उल्लेखनीय है कि दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है. एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) खतरे के निशान के पार पहुंच गया है. नोएडा ग्रेटर, नोएडा, गाजियाबाद और दिल्ली के कई ऐसे इलाके हैं जहां पर एक्यूआई 300 के आंकड़े को पार कर चुका है. स्थिति को देखते हुए दिल्ली सरकार ने एनसीआर में ग्रेडेड रिस्पांस सिस्टम यानी ग्रैप का पहला चरण लागू कर दिया है. ग्रैप के पहले चरण के तहत पूरे दिल्ली एनसीआर में आतिशबाजी, होटल रेस्टोरेंट में कोयला और लकड़ी जलाने के उपयोग पर पूरी तरह से पाबंदी लगा दी गई है. इसके साथ ही खुले में कूड़ा फेंकना और कचरा जलाना भी पूरी तरीके से प्रतिबंधित कर दिया गया है.

प्रधानमंत्री मोदी बने भाजपा के पहले सक्रिय सदस्य, अभियान हुआ शुरू

एजेंसी। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को भाजपा के देशभर में चलाए जाने वाले सक्रिय सदस्यता अभियान का शुभारंभ किया. पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और पार्टी द्वारा चलाए जा रहे राष्ट्रीय सदस्यता अभियान के संयोजक विनोद तावड़े की मौजूदगी में प्रधानमंत्री मोदी पार्टी के पहले सक्रिय सदस्य बने. इसी के साथ उन्होंने पार्टी के सक्रिय सदस्यता अभियान का शुभारंभ भी कर दिया.

मोदी ने स्वयं भाजपा के पहले सक्रिय सदस्य बनने की तस्वीरों को शेयर करते हुए एक्स पर लिखा कि विकसित भारत बनाने के हमारे प्रयास को गति प्रदान करते हुए भाजपा के कार्यकर्ता के रूप में हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष की उपस्थिति में आज प्रथम सक्रिय सदस्य बनने और सक्रिय सदस्यता अभियान का शुभारंभ करने पर गर्व है. यह एक आंदोलन है जो जमीनी स्तर पर हमारी पार्टी को और मजबूत करेगा. एक सक्रिय सदस्य बनने के लिए, एक कार्यकर्ता को एक बूथ पर या एक विधानसभा सीट पर 50 सदस्यों को पंजीकृत करना होगा. ऐसे कार्यकर्ता मंडल समिति और उससे ऊपर के लिए चुनाव लड़ने के पात्र होंगे. साथ ही आने वाले समय में उन्हें पार्टी के लिए काम करने के कई मौके मिलेंगे.

दक्षिण में भारी बारिश, कई इलाके जलमग्न

लगातार न्यूज नेटवर्क

दक्षिणी राज्यों में लगातार दूसरे दिन भी भारी बारिश जारी रही. तमिलनाडु में चेन्नई और आसपास के जिलों में कई इलाकों में पानी भरने के कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. लगातार हो रही बारिश से पूर्वोत्तर मानसून के आगमन का संकेत मिल रहा है.

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, भारी बारिश से अन्ना नगर पश्चिम, कोलाथुर, पम्मल, पेरम्बूर और राज्य की राजधानी के अन्य हिस्सों में आवासीय क्षेत्र में घुटनों तक पानी भर गया है. वहीं चेंगलपट्टू, कांचीपुरम और तिरुवल्लूर जिलों के कई हिस्सों में ट्रैफिक जाम की जानकारी सामने आई है. मौसम विभाग ने उत्तरी भागों और डेल्टा क्षेत्र के 12 जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश की भविष्यवाणी की है. गुरुवार तक रानीपेट और वेल्लोर समेत अन्य उत्तरी जिलों में भी बारिश हो होने की संभावना है. चेन्नई और उसके पड़ोसी जिलों में गुरुवार को भी भारी बारिश हो सकती है. दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है. वहीं बेंगलुरु बुधवार को भारी बारिश से कई इलाकों में पानी भर गया. अधिकारियों ने प्रभावित निवासियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने के लिए दो ट्रैक्टरों की व्यवस्था की है. मौसम विभाग ने गुरुवार को भी लगातार बारिश होने का संभावना जताई है. सोमवार से मंगलवार तक 30 मिमी बारिश हुई है. मंगलवार को सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक करीब 60 मिमी से 70 मिमी बारिश दर्ज की गई. बेंगलुरु के उत्तरी हिस्से में भारी बारिश हुई है. सभी झीलें भर गई हैं और पानी के ओवरफ्लो होने के कारण यह समस्या उत्पन्न हुई है.

वहीं बेंगलुरु बुधवार को भारी बारिश से कई इलाकों में पानी भर गया. गुरुवार को भी लगातार बारिश होने का संभावना है. सोमवार से मंगलवार तक 30 मिमी बारिश हुई है. मंगलवार को सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक करीब 60 मिमी से 70 मिमी बारिश दर्ज की गई. बेंगलुरु के उत्तरी हिस्से में भारी बारिश हुई है. सभी झीलें भर गई हैं. पानी के ओवरफ्लो होने के कारण यह समस्या उत्पन्न हुई है.

चेन्नई व उसके पड़ोसी जिलों सहित तमिलनाडु के उत्तरी भागों व डेल्टा क्षेत्र में अभी राहत नहीं

बेंगलुरु में भारी बारिश से कई इलाकों में भरा पानी, लोगों को आने-जाने में हो रही परेशानी

बारिश से तिरुपति में विमान परिचालन प्रभावित

वहीं आंध्र प्रदेश के तिरुपति में भारी बारिश की वजह से बुधवार को रेनिगुंटा हवाई अड्डे पर उड़ान परिचालन प्रभावित हुआ. तिरुमाला मंदिर जाने वाले पहाड़ी रास्ते पर भूस्खलन की खबर है. भारी बारिश से रनवे पर पानी भर जाने के कारण हैदराबाद से आने वाली कुछ उड़ानों को चेन्नई की ओर डायवर्ट कर दिया गया. लगातार हो रही बारिश से हवाई अड्डे की ओर जाने वाली सड़क भी जलमग्न हो गई. मंगलवार से हो रही भारी बारिश की वजह से निचले इलाकों में पानी भर गया, जिससे सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है. इस बीच, घाट रोड पर भूस्खलन से तिरुमाला पहाड़ी पर स्थित श्री वेंकटेश्वर मंदिर तक वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई है.

संयुक्त राष्ट्र रिपोर्ट सामाजिक सुरक्षा की दृष्टि से समाज में महिला और पुरुष के बीच अंतर बढ़ रहा

पुरुषों के मुकाबले महिलाओं की स्थिति अच्छी नहीं

एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र

लैंगिक समानता और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए काम करने वाली संयुक्त राष्ट्र की संस्था संयुक्त राष्ट्र महिला ने हाल ही में जारी एक रिपोर्ट में खुलासा किया है कि दुनिया भर में 2 अरब महिलाओं और लड़कियों में पुरुषों के मुकाबले समानता का अंतर काफी ज्यादा है.

विकास में महिलाओं की भूमिका पर विश्व सर्वेक्षण 2024 नाम से जारी इस रिपोर्ट में बताया गया है कि सामाजिक सुरक्षा की दृष्टि से समाज में महिला और पुरुष के बीच अंतर बढ़ रहा है. हमारे समाज की मुख्यधारा में लाभ, बेरोजगारी संरक्षण, पेंशन और स्वास्थ्य देखभाल सहित अनेक ऐसी नीतियां हैं जिसकी वजह से महिलाएं और लड़कियां गरीबी की ओर अधिक संवेदनशील हो रही हैं. अंतर्राष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस (17 अक्टूबर) से पहले प्रकाशित इस रिपोर्ट में साफ तौर पर बताया गया है कि साल 2015 के बाद से लोगों के सामाजिक सुरक्षा के स्तर में वृद्धि हुई है. इसके बावजूद लैंगिक असमानता (स्त्री पुरुष के बीच का अंतर) बढ़ गया है. इससे यह कहना आसान हो गया है कि हाल में लिए गए सरकारी फैसलों में पुरुषों को अधिक लाभ हुआ है. हालांकि इस रिपोर्ट में महिलाओं की उन्नति के बारे में भी बताया गया है. रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं की प्रगति के बावजूद, दुनिया भर में 63 प्रतिशत से अधिक महिलाएं अभी भी मातृत्व लाभ के बिना ही बच्चे को जन्म देती हैं. अफ्रीकी महाद्वीप के कई देशों में स्थिति 94 फीसदी महिलाओं के साथ है. बता दें कि एक अध्ययन में बताया गया है कि मातृत्व अवकाश के दौरान वित्तीय सहायता की कमी न केवल महिलाओं को आर्थिक रूप से नुकसान पहुंचाती है, बल्कि उनके और उनके बच्चों के स्वास्थ्य को भी खतरे में डालती है, जिससे पीढ़ियों तक गरीबी बनी रहती है.

अध्ययन में महिलाओं व लड़कियों की संख्या गरीबों में सबसे ज़्यादा

इस रिपोर्ट में लिंग आधारित गरीबी के बारे में विशेष जानकारी दी गई है. इसमें विस्तार से बताया गया है कि महिलाओं और लड़कियों की संख्या गरीबों में सबसे ज़्यादा है, और सबसे ज्यादा अंतर उनके बच्चे पैदा करने के वर्षों में है. इसके मुताबिक 25-34 वर्ष की आयु की महिलाओं के समान आयु वर्ग के पुरुषों की तुलना में अत्यंत गरीब घरों में रहने की संभावना 25 प्रतिशत अधिक है. संघर्ष और जलवायु परिवर्तन इस असमानता को और बढ़ाते हैं. नाजुक परिस्थितियों में रहने वाली महिलाओं के गैर-नाजुक वातावरण में रहने वाली महिलाओं की तुलना में अत्यधिक गरीबी में रहने की संभावना 7.7 गुना अधिक है.

सैनी ने किया सरकार बनाने का दावा

- **हरियाणा :** सौंपी विधायकों की सूची, सीएम पद की शपथ आज

एजेंसी। चंडीगढ़

विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद नायब सिंह सैनी ने राज्यपाल के समक्ष सरकार बनाने का दावा पेश किया. उन्होंने राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय के समक्ष सरकार बनाने का दावा पेश किया है. नायब सिंह सैनी ने राज्यपाल को अपने समर्थन में आए विधायकों की सूची भी सौंपी है.

बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई विधायक दल की बैठक में नायब सिंह सैनी को विधायक दल का नेता चुना गया. विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद उन्होंने सभी विधायकों का धन्यवाद दिया. मुख्यमंत्री पद के लिए विधायकों ने उनके नाम पर सर्वसम्मति से मुहर लगाई है. विधायक दल की बैठक में अनिल विज और मनोहर लाल खट्टर ने मुख्यमंत्री पद के लिए उनका नाम प्रस्तावित किया था. अमित शाह ने कहा कि मुझे यह जानकर अत्याधिक प्रसन्नता हो रही है कि नायब सिंह सैनी को फिर से विधायक दल का नेता चुना गया है और वह मुख्यमंत्री का पद ग्रहण करने जा रहे हैं. इस बीच, वह विपक्ष पर भी हमलावर दिखे. उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों द्वारा यह दुष्प्रचार किया गया कि किसानों के अन्याय हो रहा है. भाजपा के शासनकाल में किसानों के हितों पर कुठाराघात किया जा रहा है, लेकिन, ऐसा नहीं है. हमारी सरकार में समाज के हर वर्ग के हितों का विशेष ख्याल रखा जा रहा है. सैनी 17 अक्टूबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे. शपथ ग्रहण से संबंधित सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)